राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई,उत्तरप्रदेश,बिहार,राजस्थान,मध्यप्रदेश,उतरांचल,उतराखंड,दिल्ली,हरियाणा में प्रसारीत

क्रांति समय
SURESH MAURYA
(Chief Editor)
M. 98791 41480
Working. off.: STPI-SURAT, GUJARAT-395023
(Software Technology Park of India, Surat.
www.krantisamay.com
www.krantisamay.in
krantisamay@gmail.com

सुरत-गुजरात,संस्करण शुक्रवार,8जनवरी 2021 वर्ष-3, अंक -340 पृष्ठ-08 मूल्य-01रूपये

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

केरल HC ने दिया वालयार मामले में फिर मुकदमा चलाने का आदेश, घर में मृत मिली थीं दोनों नाबालिग बहनें

कोच्चि। केरल हाई कोर्ट ने वालयार मामले में पाक्सो अदालत के फैसले को न्याय की हत्या जैसा बताते हुए बुधवार को फिर मुकदमा चलाने का आदेश दिया। यह मामला 2017 में कथित यौन उत्पीड़न के बाद दो नाबालिग बहनों के अपने घर में मृत मिलने से जुड़ा है। जस्टिस ए. हरिप्रसाद और जस्टिस एमआर अनिता की खंडपीठ ने राज्य सरकार और बच्चियों की मां की ओर से दायर अपील को मंजूर कर लिया और मामले में पांच आरोपितों को बरी करने के पाक्सो अदालत के आदेश को दरकिनार कर दिया। हाई कोर्ट ने आरोपितों को आगामी 20 जनवरी को निचली अदालत के समक्ष पेश होने का निर्देश दिया। हाई कोर्ट ने कहा कि जांच में गंभीर खामियां रहीं और समूचे मामले पर पुन- विचार किए जाने की आवश्यकता है। पीठ ने अभियोजन को मामले में आगे की जांच के लिए निचली अदालत से अनुमति मांगने की स्वीकृति भी दे दी। हाई कोर्ट ने कहा कि मामले की जांच में शुरू में गंभीर खामियां रहीं और जांच अधिकारी छोटी लड़की की मौत के एक सप्ताह बाद भी कोई उचित वैज्ञानिक साक्ष्य जुटाने में विफल रहा। पीठ ने मामले से निपटने में पाक्सो अदालत के तरीके पर भी असंतोष व्यक्त किया और पाक्सो अदालत के न्यायाधीशों को विशेष प्रशिक्षण दिए जाने की आवश्यकता पर जोर दिया। दोनों बहनों में से 13 वर्षीय बड़ी लड़की पलक्कड़ के वालयार स्थित अपने घर में 13 जनवरी, 2017 को फंदे से लटकी मिली थी, जबकि नौ वर्षीय उसकी छोटी बहन चार मार्च को मृत मिली थी। ये दोनों लड़कियां कथित रूप से यौन उत्पीड़न की शिकार हुई थीं। पलक्कड़ स्थित विशेष पाक्सो अदालत ने हालांकि अक्टूबर, 2019 में साक्ष्यों के अभाव में पांचों आरोपितों को बरी कर दिया था। आरोपितों को बरी किए जाने के बाद सरकार ने 18 नवंबर को मामले को देखने वाले लोक अभियोजक को हटा दिया था। सरकार ने इसके बाद आरोपितों को बरी किए जाने के पाक्सो अदालत के आदेश को हाई कोर्ट में चुनौती दी थी।

अमेरिका में खूनी हिंसा से पीएम मोदी चिंतित, ट्वीट कर दी सलाह

शांति से होना चाहिए सत्ता का हस्तांतरण

नई दिल्ली। अमेरिका में चुनावी नतीजों को लेकर ट्रंप समर्थक और पुलिस के बीच खूनी झड़प के बीच पीएम मोदी की प्रतिक्रिया आई है। पीएम मोदी ने अमेरिकी हिंसा पर दुख जताया है और सलाह दी है कि शांति तरीके से सत्ता का ट्रांसफर किया जाना चाहिए। लोकतांत्रिक प्रक्रिया को गैरकानूनी विरोध-प्रदर्शन से प्रभावित नहीं किया जा सकता। बता दें कि बुधवार रात (भारतीय समयानुसार) अमेरिका में कैपिटोल परिसर के बाहर निवर्तमान राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और पुलिस के बीच हिंसक झड़प हुई, जिसमें एक महिला की मौत हो गई।

अमेरिकी हिंसा पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने ट्वीट कर कहा, 'वॉशिंगटन डीसी में दंगों और हिंसा के बारे में जानकर परेशान हूं। सत्ता का शांतिपूर्ण और व्यवस्थित तरीके से हस्तांतरण जारी रहना चाहिए। लोकतांत्रिक प्रक्रिया को गैरकानूनी विरोध-प्रदर्शन के माध्यम से प्रभावित नहीं होने दिया जा सकता है।' दरअसल, कैपिटोल के भीतर यह घोषणा की गई कि बाहरी सुरक्षा खतरे के कारण कोई व्यक्ति कैपिटोल परिसर से बाहर या उसके भीतर नहीं जा सकता। जब नवनिर्वाचित राष्ट्रपति जो बाइडन की जीत को प्रमाणित करने के लिए सांसद संसद के संयुक्त सत्र के लिए कैपिटोल के भीतर बैठे थे, तभी यूएस (अमेरिका) कैपिटोल पुलिस ने इसके भीतर सुरक्षा के उल्लंघन की घोषणा की।

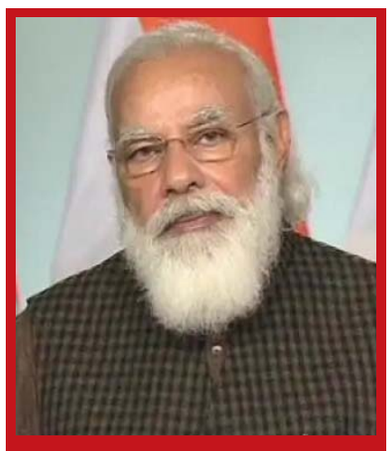

अमेरिकी हिंसा पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने ट्वीट कर कहा, 'वॉशिंगटन डीसी में दंगों और हिंसा के बारे में जानकर परेशान हूं। सत्ता का शांतिपूर्ण और व्यवस्थित तरीके से हस्तांतरण जारी रहना चाहिए। लोकतांत्रिक प्रक्रिया को गैरकानूनी विरोध-प्रदर्शन के माध्यम से प्रभावित नहीं होने दिया जा सकता।'

कैपिटोल के बाहर पुलिस और ट्रंप समर्थकों के बीच झड़प हुई। प्रदर्शनकारियों ने कैपिटोल की सीढ़ियों के नीचे लगे अवरोधक तोड़ दिए। कैपिटोल पुलिस ने बताया कि इलाके में एक संदिग्ध पैकेट भी मिला है। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने संसद का संयुक्त सत्र शुरू होने से ठीक पहले कहा कि वह चुनाव में हार को स्वीकार नहीं करेंगे। उन्होंने आरोप लगाया कि इसमें धांधली हुई है और यह धांधली उनके डेमोक्रेटिक प्रतिद्वंद्वी जो बाइडन के लिए की गई, जो नवनिर्वाचित राष्ट्रपति हैं। ट्रंप ने वाशिंगटन डीसी में अपने हजारों समर्थकों को संबोधित करते हुए कहा कि जब धांधली हुई हो तब आपको अपनी हार स्वीकार नहीं करनी चाहिए। ट्रंप ने एक घंटे से अधिक के अपने भाषण में दावा किया कि उन्होंने इस चुनाव में शानदार जीत हासिल की है।

यूएस कैपिटल हिंसा के बाद ट्विटर, FB-इंस्टा का ट्रंप पर तिहरा वार

ब्लॉक किए अकाउंट

वॉशिंगटन। यूएस कैपिटल में डोनाल्ड ट्रंप के समर्थकों के फसाद के कुछ घंटों बाद ही सोशल मीडिया की दिग्गज कंपनियां ट्विटर, फेसबुक और इंस्टाग्राम ने अपने-अपने प्लेटफॉर्म पर उनके अकाउंट बंद कर दिए हैं। ट्विटर ने ट्रंप का अकाउंट 12 घंटे के लिए लॉक किया है लेकिन साथ ही यह भी चेतावनी दी है कि अगर ट्रंप हिंसा भड़काने वाले ट्वीट करते रहेंगे तो उनका अकाउंट हमेशा के लिए बंद ही रहेगा। ट्विटर ने ट्रंप से वे तीन ट्वीट बी डिलीट करने को कहा है जिन्हें इस हिंसा का मुख्य कारण बताया जा रहा है। वहीं फेसबुक और उसके मालिकाना हक वाले इंस्टाग्राम पर भी ट्रंप के पेजों को अगल 24 घंटों के लिए ब्लॉक कर दिया गया है। फेसबुक की ओर से कहा गया है, 'यह आपात स्थिति है और हम ट्रंप के वीडियो को प्लेटफॉर्म से हटाने सहित कई उचित कदम उठा रहे हैं।' सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म से ट्रंप के जिस वीडियो को हटा दिया गया है उसमें उन्होंने अमेरिकी चुनावों में धांधली का आरोप लगाया था और यूएस कैपिटल परिसर में हिंसा करने वाली भीड़ को लेकर सहानुभूति जाहिर की थी।

हालांकि, अभी तक यूट्यूब ने ट्रंप को लेकर किसी कार्रवाई की घोषणा नहीं की है।

बता दें कि अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के समर्थकों ने बुधवार को यूएस कैपिटल में घुसकर हंगामा मचाया, जिसमें एक महिला की मौत हो गई। यूएस कैपिटल के परिसर में सुरक्षा प्रबंधों

को धता बताकर हिंसक भीड़ अंदर घुस गई तो सांसदों को बचाकर यहां से निकाला गया। वॉशिंगटन डीसी के मेयर ने राजधानी में कर्फ्यू की घोषणा की। वहीं अपने भाषण में चुनावी धांधली का आरोप लगाने वाले ट्रंप ने हिंसा भड़कने के बाद अपने समर्थकों से शांतिपूर्ण तरीके से रहने को कहा।

2020 में इंटरनेट शटडाउन की वजह से भारत को हुआ करीब 204.89 अरब रुपये का नुकसान

नई दिल्ली। इंटरनेट जहां लोगों की दिनचर्या का हिस्सा बन चुका है। वहीं आर्थिक प्रबंधन का बड़ा कारक भी साबित हुआ है। इसके उपयोग और प्रभाव को जानना है तो इन तथ्यों पर गौर फरमाइए। ब्रिटेन के डिजिटल प्राइवेसी एंड सिक्योरिटी रिसर्च ग्रुप टॉप-10 वीपीएन की रिपोर्ट के मुताबिक, भारत को 2020 में इंटरनेट शटडाउन की वजह से लगभग 2.8 बिलियन डॉलर (करीब 204.89 अरब रुपये) का नुकसान हुआ और8,927 घंटे तक इंटरनेट के इस्तेमाल पर लगी पाबंदी से 1.3 करोड़ उपभोक्ता प्रभावित हुए। इस मामले में यह आंकड़ा विश्व में सर्वाधिक है।

सिर्फ प्रमुख जगह ही शामिल-बीते साल भारत में कुल 75 बार इंटरनेट शटडाउन किया गया। रिपोर्ट में मुख्य स्थानों को ही शामिल किया गया है, इसमें गांव और कस्बों इत्यादि का जिक्र नहीं है। इन्हें शामिल करने पर आर्थिक क्षति 204.89 अरब रुपये से ज्यादा हो जाएगी।

21 देशों में 93 बार शटडाउन-भारत उन 21 देशों में टॉप पर रहा जिन्होंने इंटरनेट पर पाबंदी लगाई। इन देशों में कुल 93 बार इंटरनेट शटडाउन किया गया। इस लिस्ट में दूसरे नंबर पर बेलारूस और तीसरे पर यमन हैं। विश्वभर में कुल इंटरनेट शटडाउन 27,165 घंटे का रहा जो बीते साल से 49 प्रतिशत ज्यादा था। इसके अलावा इंटरनेट मीडिया शटडाउन 5,552 घंटे रहा।

कश्मीर में सात माह रहा बंद-कश्मीर में बीते साल मार्च में इंटरनेट शटडाउन किया गया जो साल के अंत तक जारी रहा। इस प्रकार करीब सात महीने लोगों को बिना इंटरनेट के रहना पड़ा। इससे पहले अगस्त 2019 के बाद से कश्मीर के लोगों के लिए सिर्फ टूजी सेवा उपलब्ध कराई गई थी।

एक साल पहले की पाबंदियां रहीं जारी-रिपोर्ट के मुताबिक, भारत में 2020 में 1,655 घंटों तक इंटरनेट ब्लैकआउट रहा और 7,272 घंटों की बैंडविथ प्रभावित हुई। यहां जो पाबंदियां 2019 में लगाई थीं वे 2020 में भी जारी रहीं और भारत को 2020 में इंटरनेट बंद होने से 2019 की तुलना में ज्यादा नुकसान हुआ। बीते साल महामारी के चलते चार बिलियन डॉलर (292 अरब रुपये) आर्थिक क्षति पहुंची। शटडाउन से भारत के अलावा म्यांमार सबसे ज्यादा प्रभावित रहा।

दिल्ली वालों को अभी और सताएगी सर्दी, पड़ेगी कड़ाके की ठंड, हवा भी होगी 'जहरीली'

नई दिल्ली। दिल्ली में पिछले कुछ दिनों से बारिश देखी जा रही है लेकिन बुधवार को कुछ इलाकों में ओलो के गिरने के साथ ही ये बारिश समाप्त हो गई है। इस बार दिल्ली में जबरदस्त बारिश हुई ,जो लंबे समय से नहीं देखी गई थी। राजधानी में हवाओ की गति भी धीमी हुई और नमी आई है जिसके बाद से शहर के प्रदूषण में बढ़ोतरी हुई है। भारत मौसम विज्ञान विभाग ने कहा कि दिल्ली और राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में चार दिनों की तीव्र बारिश का असर पश्चिमी विक्षोभ के परिणामस्वरूप, बुधवार को सुबह लगभग 7.30 बजे राजधानी के कुछ हिस्सों में ओलाबारी के बाद समाप्त हुआ। आईएमडी के आंकड़ों से पता चलता है कि दिल्ली में पिछले चार दिनों में 56.6 मिमी बारिश हुई, जो जनवरी 1999 के बाद से सबसे अधिक है, उस समय शहर में 59.7 मिमी बारिश हुई थी। वहीं 2019 में, शहर में महीने में 54.1 मिमी बारिश हुई थी। आईएमडी के क्षेत्रीय मौसम पूर्वानुमान केंद्र के प्रमुख कुलदीप श्रीवास्तव ने कहा कि पश्चिमी विक्षोभ बुधवार दोपहर दिल्ली को पार कर गया है। उन्होंने कहा, पश्चिमी

विक्षोभ के प्रभाव से दिल्ली और राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र के शहरों में अधिक से अधिक और न्यूनतम तापमान पर बढ़ रहा था। गुरुवार से तापमान में गिरावट शुरू हो जाएगी। श्रीवास्तव ने कहा कि आने वाले दो दिनों में दिल्ली में घने कोहरा होने का अनुमान है। सफदरजंग वेधशाला में जिसे शहर का आधिकारिक मार्कर माना जाता है, वहां तापमान बुधवार को मौसम के सामान्य से छह डिग्री अधिक 13 डिग्री सेल्सियस था। अधिकतम तापमान 21.3 डिग्री सेल्सियस, यानी सामान्य से दो अधिक था। मौसम विभाग के पूर्वानुमान में कहा गया है कि 8 जनवरी तक न्यूनतम तापमान लगभग 8 डिग्री सेल्सियस तक गिर जाएगा। वैज्ञानिकों ने कहा कि हवा की गति कम और घने कोहरे ने दिल्ली की वायु गुणवत्ता को 'खराब श्रेणी' में धकेल दिया। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) रिकॉर्डिंग से पता चलता है कि बुधवार को दिल्ली का समग्र वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) 226 था, जो 'खराब' क्षेत्र में था। मंगलवार को, AQI को 140 दर्ज किया गया था। आईएमडी के पर्यावरण निगरानी और अनुसंधान केंद्र के प्रमुख वीके सोनी ने कहा कि गुरुवार को घने कोहरे और शांत हवाओं का अनुमान है, एयूआई के गुरुवार को और बिगड़ने की उम्मीद है।

छत्तीसगढ़ में कोरोना वायरस संक्रमण के 1,050 नए मामले आए सामने

रायपुर। छत्तीसगढ़ में पिछले 24 घंटों के दौरान 1,050 और लोगों में कोरोना वायरस संक्रमण की पुष्टि हुई है। राज्य में इस वायरस से अब तक संक्रमित हुए लोगों की संख्या बढ़कर 2,85,586 हो गई है। राज्य में बुधवार को 106 लोगों को संक्रमण मुक्त होने के बाद अस्पतालों से छुट्टी दी गई और 851 लोगों ने घरों में पृथक-वास की अवधि पूरी की। राज्य में पिछले 24 घंटों में कोरोना वायरस से संक्रमित सात लोगों की मौत हो गई। राज्य के स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों ने बताया कि बुधवार को संक्रमण के 1,050 मामले आए। अधिकारियों ने बताया कि राज्य में नौ दिसम्बर के बाद ब्रिटेन से आए यात्रियों की संख्या 65 है। इसमें से 53 यात्रियों के नमूने कोविड-19 की जांच के लिए भेजे गए हैं, जबकि 12 अन्य

यात्री राज्य से बाहर अन्य स्थानों में हैं। उन्होंने बताया कि इनमें से 47 यात्रियों के नमूनों में संक्रमण की पुष्टि नहीं हुई है। छह यात्री संक्रमित पाए गए हैं, जिनका उपचार किया जा रहा है। आरटी-पीसीआर जांच में संक्रमण की पुष्टि होने के बाद इन मरीजों के नमूने उच्च स्तरीय जांच के लिए पुणे स्थित प्रयोगशाला भेजे गए हैं।

मुंह ताकते रह गए अमेरिका समेत विकसित देश, कोरोना टीकाकरण में लीडर बन गए दुनिया के ये तीन छोटे देश

नई दिल्ली। कोरोना टीकाकरण में दुनिया के तीन छोटे देश लीडर बनकर मिसाल पेश कर रहे हैं। दुनियाभर में हो रहे टीकाकरण पर नजर रखने वाली संस्था 'आवर वर्ल्ड इन डेटा' ने यह दावा किया है। इसके मुताबिक, दुनिया में सबसे तेजी से टीकाकरण कराने में इजरायल नंबर एक पर है। इसके बाद संयुक्त अरब अमीरात और बहरीन अपने यहां सबसे तेजी से टीकाकरण करा रहे हैं। इन तीनों देशों की आबादी एक करोड़ से कम है।

इजरायल-16 दिन में 16 फीसदी आबादी को टीका लगाया

(कुल मामले 459,435 , कुल मौतें 3,497)

मध्यपूर्व में स्थित इजरायल की आबादी 88.8 लाख है और यह 15.83 प्रतिशत आबादी को टीका लगा चुका है। 19 दिसंबर को यहां फाइजर-बायोएनटेक

के कोरोना वैक्सीन से टीकाकरण शुरू हुआ था। आवर वर्ल्ड इन डाटा के मुताबिक, चार जनवरी तक 15.83 फीसदी आबादी को टीका लग गया, यानी 16 दिन में 16 प्रतिशत आबादी को टीका लग गया। यहां 13.7 करोड़ खुराकों से टीका लगाया जा रहा है। प्रति दस लाख आबादी में टीकाकरण के हिसाब से भी यह देश दुनिया की सूची में शीर्ष पर है। चार जनवरी के डाटा के मुताबिक, यहां प्रति दस लाख आबादी पर 14,498 लोगों को टीका लगा।

यूएइ-सबसे तेज टीका लगाने वाला दूसरा देश

(कुल मामले 216,699, कुल मौतें 685)

इस पश्चिम एशियाई देश की आबादी 96.3 लाख है, जिसमें से 8.35 प्रतिशत आबादी को टीका लग चुका है। आवर वर्ल्ड इन डाटा के मुताबिक, इजरायल के बाद संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) दुनिया का दूसरा सबसे तेजी से टीकाकरण कराने वाला देश है। यहां चीन की कोरोना वैक्सीन सिनोफार्म और फाइजर-बायोएनटेक से टीकाकरण कराया जा रहा है। यहां 8.26 लाख टीकों के साथ टीकाकरण हो रहा है।

बहरीन-तीन टीके इस्तेमाल कर रहा खाड़ी देश

(कुल मामले 93,995, कुल मौतें 352)

आबादी के हिसाब से एशिया के तीसरे सबसे छोटे देश बहरीन ने टीकाकरण में रिकॉर्ड तेजी दर्ज की गई है। 15.7 लाख आबादी वाले इस देश में चार जनवरी तक 3.75 फीसदी आबादी को टीका लगाया जा चुका है। यहां आठ दिसंबर को चीन की कोरोना वैक्सीन सिनोफार्म से टीकाकरण की शुरुआत की गई थी। फिर फाइजर-बायोएनटेक के टीके से भी टीकाकरण शुरू हो गया। अब यहां एस्ट्राजेनेका-ऑक्सफोर्ड के टीके को भी मंजूरी मिल गई है।

बर्ड फ्लू का कहर

चिकन का कारोबार गिरा, अंडे की खपत हुई आधी

लखनऊ। कोरोना महामारी से चिकन कारोबार उबर भी नहीं पाया था कि बर्ड फ्लू ने राजधानी के करीब 25 हजार चिकन कारोबारियों को मुश्किल में डाल दिया है। बर्ड फ्लू के कारण लोगों की सतर्कता से चिकन और अंडे का कारोबार घटकर आधा रह गया है।

लखनऊ के चौक, नक्खास, टूड़ियागंज, आलमबाग सहित अन्य मुर्गा मंडियों में रोजाना 10 हजार टन माल आता है, पर बर्ड फ्लू के डर के कारण चिकन दुकानों पर पहुंचने वाले ग्राहकों की संख्या काफी कम हो गई। बुधवार को मुश्किल से करीब छह हजार टन का माल बिक सका। आलम यह है कि पहले जो सप्लायर प्रतिदिन 15 से 20 कुंतल चिकन सप्लाई करते थे। वह अब दो दिनों से आठ से 10 कुंतल माल ही बेच पा रहे हैं। मुर्गा कारोबारियों के मुताबिक होटल, रेस्त्रां से भी आर्डर कम आने लगे हैं।

सर्दी में मीट खासकर चिकन और अंडे की बिक्री बढ़ जाती है, लेकिन हिमाचल प्रदेश, मध्य प्रदेश, केरल, राजस्थान सहित अन्य राज्यों में बर्ड फ्लू की आशंका क्या गहराई, चिकन

दुकानों से ग्राहक दूरी बनाने लगे हैं। नक्खास, बिल्लौचपुरा, डालीगंज, चौक, आलमबाग सहित अन्य स्थानों पर जहां थोक में चिकन की दुकानें हैं, वहां ग्राहक इक्का-दुक्का ही पहुंचे।

मुर्गा 180 से घटकर 140 रुपये किलो हो गया

चौक के चिकन कारोबारी मो. मोहसीन ने बताया कि बर्ड फ्लू के कारण मुर्गे के दामों में काफी गिरावट आई है। पिछले दो दिनों से लोग चिकन खरीदने से परहेज कर रहे हैं। इससे मुर्गा पालकों को भी नुकसान होगा। यानी बाजारों में भी मुर्गों के दाम बिल्कुल गिर जाएंगे। उन्होंने बताया कि एक जनवरी तक थोक बाजार में जिंदा मुर्गे की कीमत 102-106 रुपये प्रतिकिलो थी, लेकिन अब 78-80 रुपये प्रतिकिलो हो गया है। बीमारी लंबी खिंची तो ये दाम 50 रुपये प्रतिकिलो तक गिर जाएंगे। वहीं फुटकर बाजार में 180 रुपये प्रति किलो से घटकर 140 रुपये प्रतिकिलो हो गया है। व्यापारियों के मुताबिक बीमारी नहीं रुकी तो दाम 100 रुपए प्रति किलो तक गिर जाएंगे। एक अनुमान के मुताबिक जिंदा मुर्गा 30 से 40 रुपए और मांस 100 रुपए प्रति किलो से नीचे आ सकते हैं।

लखनऊ में रोजाना 2.50 लाख अंडों की खपत

लखनऊ मंडल में करीब 45 पोल्ट्री फार्म है। ये सर्वाधिक मलिहाबाद, फैजाबाद रोड, देवा रोड, बाराबंकी क्षेत्र में हैं। यहां रोजाना करीब 4.75 लाख अंडों का उत्पादन होता है। कारोबारियों के मुताबिक लखनऊ में रोजाना 2.50 लाख अंडों की खपत होती है, जो पिछले 24 घंटे में घटकर 1.35 लाख हो गई है।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संपादकीय

हैवानियत के बाद

इंसानियत फिर शर्मसार है। उत्तर प्रदेश के बदायूं जिले में एक महिला के साथ हुई ज्यादती को जितना धिक्कारा जाए, कम है। इस जघन्य अपराध ने पूरे समाज को झकझोरकर रख दिया है। इस घटना के बाद दिल्ली के निर्भया कांड की याद आना ही अपने आप में यह दर्शाने के लिए काफी है कि यह हैवानियत जल्दी भुलाई नहीं जाएगी। इस हैवानियत से एक बार फिर यह संदेश उभरा है कि महिला भले ही ज्यादा उम्र की हो, वह सुरक्षित नहीं है। दूसरी बात, जैसा कि बताया जा रहा है, महिला धर्मस्थल गई थी और एक कथित कर्मकांडी, उसके चेले व ड्राइवर उसे मरणासन्न स्थिति में घर छोड़ गए। घर पहुंचते ही महिला की मौत हो गई। पूरी सच्चाई तो जांच के बाद सामने आएगी, लेकिन जो दुखद तथ्य सामने आए हैं, उनसे किसी भी भले इंसान का भरोसा हिल सकता है। क्या किसी भी उम्र में महिलाओं का अकेले धर्मस्थल जाना सुरक्षित नहीं रहा? क्या हमारे कुछ धर्मस्थल शांति या सदाचार के केंद्र नहीं रहे? समाज को ईमानदारी से अपने धर्मस्थलों की नैतिक सफाई और वहां किसी दर्शनार्थी की सुरक्षा पर ध्यान देना चाहिए? संभव है, महिला के साथ कहीं और ज्यादती हुई हो, लेकिन जो प्रथम दृष्टया संदेश है, उसके संकेतों को परखते हुए व्यापक सुधार करने पड़ेंगे। शासन-प्रशासन के मोर्चे पर बदायूं की हैवानियत ने एक बार फिर यह सवाल खड़ा कर दिया है कि निचले स्तर के अधिकारी जब तक संवदेनशील नहीं होंगे, तब तक कानूनों के मूलभाव की रक्षा कैसे होगी? बलात्कार के खिलाफ कड़े कानून हमारे यहां बनाए गए हैं, खुद उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री कानून-व्यवस्था को लेकर संवेदनशील हैं, लेकिन इसके बावजूद निचले स्तर पर अधिकारी लापरवाही बरत रहे हैं। यह हाथरस में भी देखने को मिला था और अब बदायूं में भी। इससे होता यह है कि अन्य अधिकारियों या राज्य सरकार के अच्छे कामों पर भी पानी फिर जाता है। ऐसी जघन्य घटनाएं भले कम होती हैं, पर ये लोगों को समझ जरूर दे जाती हैं। अच्छी बात है कि उत्तर प्रदेश सरकार ने पहले की घटनाओं से सबक लेकर न केवल इंस्पेक्टर को निलंबित किया, बल्कि एडीजी स्तर के अधिकारी को जांच सौंपी है। राज्य सरकार मिशन शक्ति भी चला रही है। महिलाओं और कमजोर तबकों को सशक्त करने के अनेक प्रयास चल रहे हैं, लेकिन निचले स्तर के अधिकारियों, खासकर गांव-देहात, कस्बों में पदस्थ अधिकारियों को प्रशिक्षित किया जाना चाहिए। सुनिश्चित करना चाहिए कि निचले स्तर के अधिकारियों की लापरवाही से सरकार के अच्छे कामों पर पानी न फिर जाए। महिलाओं के खिलाफ ऐसे अपराधों को रोकने के लिए पुलिस बल में ऐसे लोगों के लिए जगह नहीं होनी चाहिए, जिनमें अपराधों को समझने की संवेदना भी नहीं है। कोरोना से निपटने और लौटे प्रवासियों को राहत पहुंचाने की प्रदेश सरकार की उपलब्धियों को ऐसी प्रशासनिक लापरवाहियों में गंवाना नहीं चाहिए। संदेश साफ होना चाहिए कि हैवानों को बख्शा नहीं जाएगा। इस मामले में प्रशासन की मुस्तैदी एक मिसाल बनकर सामने आ सकती है, यदि दोषियों को कम से कम समय में फंदे तक पहुंचाया जा सके। इससे पूरे देश में सकारात्मक संदेश जाएगा। ऐसे अपराधों के प्रति शून्य सहिष्णुता सुनिश्चित करके ही हमारी सरकारें आदर्श समाज निर्माण की दिशा में बढ़ सकती हैं।

चीनी कर्ज जाल में छटपटाती पाक संप्रभुता

जी. पार्थसारथी

पाकिस्तान के नेतृत्व का रवैया चीन की मांगों एवं महत्वाकांक्षा को पूरा करने में निर्विवाद रूप से पलक-पांवड़े बिछाने वाला रहा है, लेकिन प्रधानमंत्री इमरान खान चीन से कसकर गलबहियां डालने को और भी ज्यादा शिद्दत दिखा रहे हैं। निस्संदेह आगे चलकर पाकिस्तान को इसका खमियाजा भुगतना पड़ेगा। जिस उम्मीद से महत्वाकांक्षी चीन सीपीईसी यानी चीन-पाकिस्तान आर्थिक गलियारा योजना में 62 खरब डॉलर का निवेश कर रहा है, उसे समझा जा सकता है। इस गलियारे के माध्यम से चीन के समुद्र तटविहीन प्रांतों की पंहुच फारस की खाड़ी तक बनानी है। इसका एक मकसद यह भी है कि अगर कभी हिंद महासागर से होकर चीन तक आने वाली पेट्रोलियम की सप्लाई या दूरसंचार लाइनों में व्यवधान पड़ता है तो इस संपर्क मार्ग के जरिए चीन के केंद्रीय भाग तक तेल आपूर्ति और संदेश सुनिश्चित किए जा सकेंगे। हालांकि ठीक इसी समय एशिया और अफ्रीका के जिन दीगर देशों को चीन ने परियोजनाओं के विकास हेतु शातिर शर्तों वाला ऋण दे रखा है, वे इसे चुकाने में असमर्थ होते जा रहे हैं। इस पर चीन ने कर्ज वसूली की भरपाई करनी शुरू कर दी है। इन मुल्कों ने जमानत के तौर पर अपने बंदरगाहों और खनिज स्रोतों को रहन पर रखा था, जिन्हें चीन को सौंपना पड़ेगा। एशियाई और अफ्रीकी देशों में 'कर्ज दो... जाल में फांस लो' वाली कूटनीति चलाना चीन की विशेषज्ञता बन गई है। चीन से भारी-भरकम कर्ज उठाने की एवज में पाकिस्तान उसकी भू-राजनीतिक महत्वाकांक्षाओं में कनिष्ठ सहयोगी बनने को तैयार है, आखिरकार चीन ने भी पाकिस्तान के परमाणु अस्त्रास्त्र एवं मिसाइल कार्यक्रम के विकास में अंत तक मदद की है। सऊदी अरब से भी पाकिस्तान ने कर्ज उठाया था, वह उसकी अदायगी नियत समय पर चाहता है, भले ही किस्तें छोटी क्यों न हों और इसके लिए जरूरी धन पाने की खातिर पाकिस्तान ने अब बैंक ऑफ चीन का रुख किया है। तुर्की और मलेशिया द्वारा इस्लामिक जगत की संगठनात्मक संरचना को नया संघ देने हेतु जो एक पहल शुरू की थी, उसका समर्थन करना अनाड़ी इमरान खान को भारी पड़ गया है, क्योंकि इससे चिढ़कर सऊदी अरब अब उसे नापसंद करता है। जाहिर है यह नया स्वरूप बनने पर इस्लामिक देशों पर सऊदी अरब की सरदारी में कमी होना स्वाभाविक था। तुर्की के राष्ट्रपति एर्दोगान के साथ इमरान खान की बढ़ती दोस्ती में सैन्य-परमाणु सहयोग वाला पहलू भी है। दूसरी ओर देखना यह है कि चीन-पाकिस्तान की उत्तरोतर प्रगाढ़ता अरब सागर और फारस की खाड़ी क्षेत्र में क्या गुल खिलाएगी? इमरान खान ने यूएई की नाराजगी भी मोल ले रखी है, जब पाकिस्तान के बड़बोले विदेश मंत्री शाह महमूद कुरैशी ने यूएई की मेजबानी में आयोजित हुए 57 मुस्लिम मुल्कों के संगठन 'ऑर्गेनाइजेशन ऑफ इस्लामिक कंट्रीस' (आईओसी) के सम्मेलन में भाग लेने से इनकार कर दिया था। कुरैशी की आपत्ति इस बात पर थी कि यूएई ने इस सम्मेलन में भारत की विदेश मंत्री सुषमा स्वराज को क्यों आमंत्रित किया है। इतना ही नहीं, कुरैशी ने अपनी खीज सार्वजनिक तौर जाहिर कर मामले को और ज्यादा संगीन कर डाला था। कोई हैरत नहीं कि इसके बाद यूएई ने अपने यहां रोजगार कर रहे पाकिस्तानियों की वीजा मियाद आगे बढ़ाना बंद कर दिया था। इससे भी बदतर यह कि यूएई और सऊदी अरब से पाकिस्तान को आने वाली विदेशी मुद्रा में भारी कमी हो गई। अब जबकि इमरान खान पाकिस्तान के पिछले कर्जों की अदायगी हेतु और ज्यादा ऋण लेना चाहते हैं तो जाहिर है इससे पाकिस्तान की देनदारी और तेजी से बढ़ेगी। वहीं खनिज संपन्न बलूचिस्तान प्रांत में सुरक्षा स्थिति और अधिक बिगड़ गई है। इसी इलाके में पाकिस्तान के सबसे बड़े प्राकृतिक गैस स्रोत हैं। इसके अलावा बलूचिस्तान में कनाडा और चिली की बड़ी खनन कंपनियों द्वारा दायर किए गए कानूनी केसों की वजह से अंतर्राष्ट्रीय व्यापार संगठन समेत निजी विदेशी निवेशकों ने धन लगाना मुल्तवी कर रखा है। बलूचिस्तान में तांबा और सोने के अकूत भंडार बताए जाते हैं। इस घटनाक्रम का सबसे ज्यादा फायदा चाइना मेटलर्जिकल कंपनी को हुआ है, जो वहां से तांबा और सोना निकालेगी। हैरत तो यह है कि इस बार चीनियों ने बलूचिस्तान में अपनी खनन गतिविधियों में टैक्स छूट लेने की मांग नहीं की। लोगबाग अब मजाक कर रहे हैं कि 'पाकिस्तान चीन की सोने की खान है!!' चीन पर इमरान खान की लगातार बढ़ती निर्भरता की एवज में वे सिंध प्रांत में कराची तट के निकट बौद्ध और बुंदल नामक दो द्वीपों पर चीन का पनडुब्बी अड्डा बनवाने को राजी हैं। खबरों के अनुसार चीन अरब सागर में पाकिस्तानी की समुद्री सीमा के निकट या अंदर और ज्यादा नौसैन्य अड्डे बनाने की संभावना तलाशना चाहता है वहीं सिंध और बलूचिस्तान के तटीय इलाकों के नागरिकों में चीन द्वारा अपनी भूमि और प्राकृतिक स्रोतों के दोहन को लेकर उपजे असंतोष के संकेत साफ दिखाई दे रहे हैं।

बलूचिस्तान और सिंध में चीनी कंपनियों की गतिविधियों ने सशस्त्र विद्रोह को हवा दी है, 'सिंधुदेश रेवोल्यूशनरी आर्मी' नामक संगठन और बलूचिस्तान के विद्रोही अपनी साझी चिंता के मद्देनजर साथ मिलकर चीनी परियोजनाओं और कर्मियों को निशाना बना रहे हैं। बलूचिस्तान में बढ़ते असंतोष के पीछे एक बड़ी वजह वहां परियोजनाओं में काम कर रहे चीनी कामगार और पंजाबियों के दबदबे वाली सेना का दंभ भरा बर्ताव है। हाल ही में चीन के इशारे पर पाकिस्तानी सेना ने ग्वादर का पूरा बंदरगाह इलाका सील कर दिया था। स्थानीय बलूच नागरिकों में चुनिंदा को ही अंदर जाने दिया जा रहा था। हालांकि बलूचिस्तान उच्च न्यायालय द्वारा जारी स्थगनादेश के कारण फिलहाल इस कार्रवाई पर रोक लगी हुई है। ग्वादर से आने वाली खबरों के अलावा एक पुख्ता सूचना यह भी है कि सिंध सूबे के बौद्ध और बुंदल द्वीपों को चीनी पनडुब्बियों के अड्डे के तौर पर विकसित किया जा रहा है। लोगों को डर है कि इस इलाके में चीनियों की नयी उपस्थिति होने का मतलब है बलूचिस्तान और सिंध में चीनी सहायता से बन रही परियोजनाओं की अध्यक्षता करने हेतु एक और वरिष्ठ पाकिस्तानी सैन्य अफसर की नियुक्ति होना। यह बात भी पक्की है कि इन परियोजनाओं से अपने लिए करोड़ों डॉलर बनाने का लालच शायद ही वह त्याग पाएगा, बल्कि हो सकता है वह भी पूरी तरह जनरल असीम बाजवा की लीक पकड़ ले, जिस पर सीपीईसी परियोजना का अध्यक्ष रहते हुए तकरीबन 5.4 करोड़ डॉलर का गबन करने का आरोप है।

इसके बावजूद बाजवा पर जांच नहीं बिठाई गई, बल्कि बतौर सीपीईसी मुखिया उन्हें सेवा विस्तार दिया गया है। 1970 के दशक में पाकिस्तान ने शक्सगम घाटी चीन को उपहार स्वरूप सौंप दी थी, तब भारत ने उक्त 'भेंट' देने का विरोध करते हुए पाकिस्तान द्वारा कब्जाए कश्मीरी इलाके पर अपना दावा जताया था। निकट भविष्य में पाकिस्तान जल्द ही चीनी ऋण के बोझ तले और दबा हुआ देखने को मिलेगा। जहां एक तरफ क्वाड नामक गुट चीन की तरफ से पैदा हुई चुनौतियों से निपटने की तैयारी कर रहा है वहीं चीन पर पाकिस्तान की बेतरह बढ़ती निर्भरता और कर्ज का सामरिक मामलों पर असर क्या होगा, इसको लेकर बृहद अध्ययन करने की जरूरत है।

लेखक पूर्व राजनयिक हैं।

आज के ट्वीट

इतिहास

मुझे खुशी है कि आज रेलवे एक नया इतिहास बनाने जा रहा है। आजादी के पहले से ही देश में रेलों का विकास होना प्रारंभ हुआ और लंबा सफर तय करते-करते आज डबल स्टैक लॉन्ग हॉल कंटेनर ट्रेन का प्रारंभ होना और वेस्टर्न डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर के खंड का देश को समर्पण एक बड़ी उपलब्धि है।

- मु अशोक गहलोत

ज्ञान गंगा

सामाजिकता

श्रीराम शर्मा आचार्य

सामान्य दृष्टि से विचार करने पर सामाजिकता का अर्थ समाज के हितों का ध्यान रखना ही प्रतीत होता है, लेकिन सामाजिकता का अर्थ इतना मात्र नहीं है। समाज हित के लिए एकाकी प्रयास भी किए जा सकते हैं। प्राचीन ऋषि-महर्षि सारा जीवन घने जंगलों में बिता देते थे और समाज का स्तर किस प्रकार ऊंचा उठे, इसके लिए विचार करते और योजनाएं बनाया करते थे। समाज को ऊंचा उठाने के लिए अपना जीवन ही होम कर देने के आदर्श स्तुत्य हैं, किन्तु ककहरा से आरंभ करने वाले साधक के लिए अचानक उस स्थिति की कल्पना करना अव्यावहारिक होगा। इसका अर्थ समाज के लिए अपना सर्वस्व समर्पित करने वालों का गौरव घटाना नहीं है। कहा इतना भर जा सकता है कि हमें आरंभ सामाजिक बनने से करना चाहिए। स्वयं कार्यकुशल और सक्षम होने के बावजूद कितने ही व्यक्ति औरों से तालमेल न बिठा पाने के कारण अपनी प्रतिभा का लाभ समाज को नहीं दे पाते। समाज में रहकर अन्य लोगों से तालमेल बिठाने तथा अपनी क्षमता-योग्यता का लाभ समाज को देने की स्थिति भी सामाजिकता से ही प्राप्त हो सकती है। बहुधा यह भी होता है कि कई व्यक्ति अकेले तो कोई जिम्मेदारी आसानी से निभा लेते हैं, किन्तु उनके साथ कुछ व्यक्तियों को और जोड़ दिया जाए तथा कोई बड़ा काम सौंप दिया जाए तो वे जिम्मेदारी से कतराने लगते हैं। बहुधा ही नहीं, प्रायः ऐसा होता है। कुछ व्यक्तियों को यदि किसी कार्य की जिम्मेदारी सौंप दी जाए, तो हर व्यक्ति यह सोचकर अपने दायित्व से बचने होने की सोचने लगता है कि दूसरे लोग इसे पूरा कर लेंगे। सामूहिक उत्तरदायित्वों के प्रति अवहेलना या उपेक्षा का भाव मनुष्य की सबसे बड़ी कमजोरी है। इसका दुष्प्रभाव व्यक्तिगत और सामाजिक जीवन, दोनों पर पड़ता है। समाज के हितों का ध्यान रखना, समाज में रहते हुए अन्य लोगों से तालमेल बिठाना तथा सामूहिक उत्तरदायित्वों को अनुभव कर उन्हें पूरा करने के लिए तत्पर रहना अपने व्यक्तित्व को सामाजिक बनाने की दिशा में अग्रसर करना ही है। जीवन उत्कर्ष के सभी इच्छुकों, प्रयासियों को सामाजिक गुणों के विकास की आवश्यकता और महत्ता ध्यान में रखनी चाहिए तथा उन गुणों को अर्पित करते चलना चाहिए।

आज का राशिफल

मेष आय के नए स्त्रोत बनेंगे। जीवन साथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। अपनों से पीड़ा मिल सकती है। नेत्र विकार की संभावना है। खानपान में संयम रखें। कोई महत्वपूर्ण निर्णय न लें। ससुराल पक्ष से लाभ होगा।

वृषभ दाम्पत्य जीवन सुखमय होगा। भाई या पड़ोसी से वैचारिक मतभेद हो सकते हैं। आर्थिक तंगी का सामना करना पड़ सकता है। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। दूसरों से सहयोग लेने में आप सफल रहेंगे।

मिथुन आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। भाग्यवश कुछ ऐसा होगा जिसका आपको लाभ मिलेगा। अनावश्यक व्यय का सामना करना पड़ेगा। वाहन प्रयोग में सावधानी अपेक्षित है।

कर्क व्यावसायिक योजना सफल होगी। जीविका के क्षेत्र में प्रगति होगी। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। राजनैतिक महत्वाकांक्षा की पूर्ति होगी। मनोरंजन के अवसर प्राप्त होंगे।

सिंह पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। किसी बहुमूल्य वस्तु के पाने की अभिलाषा पूरी होगी। अपनो से संबंधों में कटुता आयेगी। व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी।

कन्या शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। आय के नवीन स्त्रोत बनेंगे। संतान से पीड़ा मिल सकती है। किसी अभिन्न मित्र या रिश्तेदार का भरपूर सहयोग रहेगा। नए अनुबन्ध प्राप्त होंगे।

तुला आर्थिक दिशा में किए गए प्रयास सफल होंगे। उदर विकार या त्वचा के रोग से पीड़ित रहेंगे। बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। प्रणय संबंधों में कटुता आ सकती है। नेत्र विकार की संभावना है।

वृश्चिक रोजी रोजगार की दिशा में सफलता मिलेगी। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। आय के नवीन स्त्रोत बनेंगे। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी।

धनु पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। कार्यक्षेत्र में रुकावटों का सामना करना पड़ेगा। आय और व्यय में संतुलन बनाकर रखें। वाणी पर नियंत्रण रखें। धन हानि की संभावना है।

मकर दाम्पत्य जीवन सुखमय होगा। संतान के कारण चिंतित हो सकते हैं। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। फिजूलखर्ची पर नियंत्रण रखें। क्रोध व भावुकता में लिया गया निर्णय कष्टकारी होगा।

कुम्भ जीवन साथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। नौकरी पेशा व्यक्तियों के पद में उन्नति होने के योग हैं। वाद विवाद की स्थिति आपके हित में न होगी। व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी।

मीन गृहोपयोगी वस्तुओं में वृद्धि होगी। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। प्रेम संबंध प्रगाढ़ होंगे। किसी रिश्तेदार के आगमन से मन प्रसन्न रहेगा।

दुनिया के देशों में बजता है भारतीय वैक्सीन का डंका

- डॉ. राजेन्द्र प्रसाद शर्मा

इसे देश का दुर्भाग्य ही कहा जाएगा कि कोरोना महामारी से निजात के लिए सरकार द्वारा दो-दो वैक्सीन को अनुमति के बावजूद हमारी वैक्सीन को हम ही संदेह के कठघरे में खड़े करने में सबसे आगे हैं। एक साथ दो वैक्सीन के आपात उपयोग के लिए अनुमति देने वाला भारत दुनिया का पहला देश है। कल तक अमेरिका, सोवियत रूस व अन्य देशों की ओर वैक्सीन की आस लगाए दुनिया के देशों को सबसे अधिक विश्वास भारतीय वैक्सीनों पर ही रहा है। यही कारण है कि दुनिया के अनेक देश जल्दी से जल्दी भारतीय वैक्सीन की सप्लाई शुरू करने का दबाव बना रहे हैं। विश्व स्वास्थ्य संगठन तक भारतीय कोविड वैक्सीन के आपात उपयोग की अनुमति की सराहना की है। वहीं, ब्रिट्रेन सहित चार देशों ने आपात उपयोग के लिए भारतीय वैक्सीन को मान्यता दे दी है। दुनिया के देशों से बड़े ऑर्डर मिलने वाले हैं। ब्राजील तो जल्दी से जल्दी सप्लाई का दबाव बना रहा है। हालांकि चार हजार अरब से अधिक के सालाना कारोबार की संभावना को देखते हुए भारतीय वैक्सीन निर्माता दोनों कंपनियों के बीच अंदरखाने प्रतिस्पर्धा चल रही है जिसका परिणाम सामने है। फिर भी भारतीय वैज्ञानिकों ने एकबार फिर दुनिया के देशों को दिखा दिया है कि स्वास्थ्य अनुसंधान के क्षेत्र में भारतीय वैज्ञानिक दुनिया के देशों में किसी से भी कम नहीं है। आज हालत यह है कि कोरोना महामारी से दुनिया को निजात दिलाने के लिए देश में एक-दो नहीं बल्कि नौ कोरोना टीकों के अनुसंधान में हमारे वैज्ञानिक पुरजोर ताकत के साथ लगे हुए हैं। दरअसल, हम आलोचना के नाम पर इस हद तक पहुंच जाते हैं कि देश के हित-अनहित को ही भूल बैठते हैं। हम भूल जाते हैं कि दुनिया के देशों में आज भी भारतीय टीकों का डंका बजता है। हम भूल जाते हैं कि दुनिया के विकसित देशों से लेकर विकासशील और अविकसित देशों में भारतीय वैक्सीनों ही नहीं बल्कि दवाओं तक का जादू चलता है। आज हम अपने देश में अपनी जैनेरिक दवाओं को वो स्थान नहीं दिला पाए जो दुनिया के देशों में भारत द्वारा निर्मित जैनेरिक दवाओं को मिला हुआ है। बहुत कम लोगों को मालूम होगा कि अमेरिका, यूरोपीय देशों सहित दुनिया के देशों की कुल मांग की 20 फीसदी से भी अधिक आपूर्ति भारतीय जैनेरिक दवा निर्यातक कंपनियां कर रही हैं। इसपर देश को गर्व होना चाहिए कि दुनिया के 60 फीसदी बच्चों को लगने वाली वैक्सीन भारत और भारत की भी सीरम की वैक्सीन लग रही है। दुनिया के करीब 170 देशों में डेढ़ अरब टीकों की खुराक हमारा सीरम इंस्टीट्यूट ही कर रहा है। यह सब इसलिए है कि हमारे टीकों को न केवल विश्व स्वास्थ्य संगठन से मान्यता प्राप्त और विश्वसनीय माना जाता है अपितु दुनिया के देशों में इन टीकों की गुणवत्ता पर पूरा भरोसा है। याद कीजिए कोरोना के शुरुआती दौर में अमेरिका सहित दुनिया के देशों ने किस तरह हमारे देश द्वारा निर्मित और मलेरिया के लिए अतिविश्वसनीय दवा हाइड्रोक्सीक्लोरोक्विन को उपलब्ध कराने का प्रेशर बनाया और फिर भारत द्वारा अमेरिका को उपलब्ध कराने के कारण आलोचना का शिकार भी होना पड़ा। खैर आलोचना-प्रत्यालोचना अलग बात है पर हमें इसका गर्व होना चाहिए कि अमेरिका जैसे देश को कोरोना हालातों में हमारी हाइड्रोक्सीक्लोरोक्विन पर विश्वास जताना पड़ा। आज दुनिया के देशों में बच्चों के जितने प्रकार के टीके लगाए जाते हैं उनमें भारत द्वारा निर्मित टीकों का ही बोलबाला है। एक जमाने में टिटनस जैसी जानलेवा बीमारी से बचाने के लिए टिटनस का टीका तैयार कर सामने आई पूरा की सीरम इंस्टीट्यूट ने पोलियो जैसी बीमारी से निजात दिलाने के लिए दो बूंद के नाम से ख्यातनाम पोलियो की खुराक बनाकर दुनिया के देशों को बता दिया कि अनुसंधान के क्षेत्र में हम दूसरे देशों से दो कदम आगे ही हैं। सीरम ने टिटनस के बाद सांप काटने के इलाज के लिए एंटीडोट्स उतारा। कोविशील्ड के पहले पोलियो वैक्सीन के साथ ही डिप्थिरिया, पटर्युसिस, एवआईबी, बीसीजी, आर-हेपेटाइटस बी, खसरा, मम्स, रुबेला जैसे टीकों का निर्माण और निर्यात हो रहा है। 1967 में टिटनस का टीका उत्पादन से आरंभ इस कंपनी ने 2004 में दुनिया का पहला तरल एचडीसी रैबिज तरल टीका उतारा तो स्वाइन फ्लू का टीका भी उतारा जा चुका है। आज दुनिया के देशों के बच्चों के जो जीवनदायी टीके लगाए जा रहे हैं उनमें 60 फीसदी भागीदारी हमारे टीकों की है। यह हमारी गुणवत्ता और विश्वसनीयता की पहचान है। ऐसे में हमें कोरोना के विश्वव्यापी संकट के दौर में हमारे स्वदेशी टीकों की ओर दुनिया के देश टकटकी लगाए हुए हैं। हमारे वैज्ञानिकों के प्रयास से वो दिन दूर नहीं जब कोविशील्ड और कोवैक्सिन का डंका भी दुनिया के देशों में बजेगा। आज जिस तरह से दुनिया के देश भारतीय वैज्ञानिकों की ओर आशा भरी नजरों से देख रहे हैं उससे आने वाला समय हमारा ही होगा और इसके लिए हमें अपने वैज्ञानिकों के अनुसंधान की न केवल सराहना करनी चाहिए अपितु हमें इस सफलता पर गौरवान्वित भी महसूस करना चाहिए।

(लेखक स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।)

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

अडाणी किसानों से अनाज नहीं खरीदती, कंपनी का ठेका खेती में जाने का भी कोई इरादा नहीं: अडाणी एग्री

नयी दिल्ली

नये कृषि कानूनों को लेकर किसान संगठनों के जारी विरोध के बीच अडाणी समूह की कंपनी अडाणी एग्री लाजिस्टिक्स ने स्पष्ट किया है कि कंपनी न तो किसानों से सीधे अनाज खरीदती है, न ही कंपनी ठेका (कांट्रेक्ट) खेती का काम करती है और न ही भविष्य में कंपनी का ऐसा करने का इरादा है। कंपनी ने एक बयान में विभिन्न मुद्दों पर अपनी स्थिति स्पष्ट करते हुये कहा कि वह किसानों से कोई अनाज नहीं खरीदती बल्कि वह अनाज के भंडारण की सेवायें देती है। उसने अनाज भंडारण के लिये जो गोदाम (साइलो) बनाये हैं, वह परियोजना उसने 2005 में भारतीय खाद्य निगम (एफसीआई) की निविदा के तहत प्रतिस्पर्धी बोली लगाकर हासिल की थी। वर्ष 2005 में केन्द्र में कांग्रेस के नेतृत्व वाली संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन (संप्रग) की सरकार सत्ता में थी। कृषि कानूनों के विरोध के बीच इस तरह के आरोप लगाये जा रहे हैं कि नये कृषि कानून उद्योगपतियों के फायदे के लिये लाये गये हैं। कहा जा रहा है कि इन उद्योगपतियों को पहले से ही जानकारी थी कि सरकार कृषि कानून लाने वाली है इसलिये उन्होंने कृषि क्षेत्र में कारोबार शुरू कर दिया। इस संबंध में पूछे गये सवालों के जवाब में अडाणी एग्री लॉजिस्टिक्स के उपाध्यक्ष पुनीत मेंहदीरत्ता ने कहा, ''कंपनी कोई ठेका खेती का काम नहीं करती है और न ही भविष्य में कंपनी का ऐसा कोई इरादा है। यह भी गलत आरोप लगाया जा रहा है कि कंपनी ठेका खेती के लिए पंजाब और हरियाणा में जमीन का अधिग्रहण कर रही है।'' उन्होंने यह भी कहा, ''अदाणी एग्री लॉजिस्टिक्स मात्र अनाज के भंडारण एवं परिवहन का काम करती है, किसानों से सीधे अनाज खरीदने का काम नहीं करती है। भारत में कम से कम एक दर्जन ऐसी कंपनियाँ हैं जो अनाज के भंडारण या परिवहन का काम करती हैं। अदाणी एग्री लॉजिस्टिक्स उन एक दर्जन कंपनियों में से एक है।'' मेंहदीरत्ता ने कहा, ''हमारा काम सिर्फ आधुनिक और विश्वस्तरीय भंडारण एवं परिवहन संबंधी ढांचागत सुविधाएं तैयार करना और उसे चलाना है। इस काम के लिए हमें तयशुदा शुल्क के रूप में राशि मिलती है। और उस राशि को प्रतिस्पर्धी निविदा के तहत तय किया जाता है।'' उल्लेखनीय है कि कंपनी के पंजाब के मोगा में स्थित कृषि गोदाम के बाहर हाल में किसानों ने विरोध प्रदर्शन किया है। गोदामों और अन्य ढांचागत सुविधा के बारे में मेंहदीरत्ता ने कहा, ''कंपनी कृषि बुनियादी यादी ढांचा क्षेत्र में पिछले कई साल से काम कर रही है। अदाणी एग्री लॉजिस्टिक्स देश की पहली एकीकृत भंडारण और परिवहन परियोजना है। इसके लिये निविदा की प्रक्रिया सरकार ने 2005 में पूरी की थी।

पेट्रोल, डीजल पर उत्पाद शुल्क में कटौती चाहते हैं 69% लोग: सर्वे

बिजनेस डेस्क: करीब 69 प्रतिशत लोग पेट्रोल और डीजल पर उत्पाद शुल्क में कटौती चाहते हैं। देश में वाहन ईंधन के दाम इस समय रिकॉर्ड ऊंचाई पर हैं। ऐसे में लोगों का मानना है कि सरकार को वाहन ईंधन पर शुल्क घटाना चाहिए। ईंधन कीमतों में केंद्रीय उत्पाद शुल्क एक प्रमुख हिस्सा होता है। कम्युनिटी सोशल मीडिया मंच लोकल सर्किल्स के सर्वे के अनुसार कोविड-19 महामारी की वजह से अर्थव्यवस्था सुस्त है। लोगों की आमदनी भी इससे प्रभावित हुई है। ऐसे में वाहन ईंधन के दाम घटने से लोगों को बड़ी राहत मिल सकती है। सर्वे के अनुसार, 69 प्रतिशत लोगों का कहना है कि सरकार को पेट्रोल और डीजल पर उत्पाद शुल्क में कटौती करनी चाहिए। इनमें से ज्यादातर लोगों ने कहा कि पेट्रोल और डीजल के दाम में 20 प्रतिशत या छह रुपए या इससे अधिक की कटौती होनी चाहिए। यदि ऐसा किया जाता है, तो दिल्ली में पेट्रोल का दाम घटकर 78 रुपए और डीजल का 68 रुपए प्रति लीटर पर आ जाएगा। इसी तरह देश के अन्य हिस्सों में भी वाहन ईंधन के दाम नीचे आएंगे। दिल्ली में पेट्रोल और डीजल का दाम देश में सबसे कम है। सर्वे में देश के 201 जिलों के 9,326 लोगों के विचार लिए गए। इनमें 71 प्रतिशत पुरुष और 29 प्रतिशत महिलाएं हैं। राष्ट्रीय राजधानी में बृहस्पतिवार को पेट्रोल 84.20 रुपए प्रति लीटर पर पहुंच गया। यह इसका सर्वकालिक उच्चस्तर है। सार्वजनिक क्षेत्र की पेट्रोलियम कंपनियों ने लगातार दूसरे दिन वाहन ईंधन के दाम बढ़ाए हैं। बृहस्पतिवार को पेट्रोल कीमतों में 23 पैसे और डीजल में 26 पैसे प्रति लीटर की बढ़ोतरी हुई। दिल्ली में अब पेट्रोल का दाम 84.20 रुपए और डीजल का 74.38 रुपए प्रति लीटर है। मुंबई में पेट्रोल 90.83 रुपए और डीजल 81.07 रुपए प्रति लीटर है। सर्वे में कहा गया है कि पेट्रोल की 84 रुपए प्रति लीटर की कीमत में इस ईंधन का वास्तविक मूल्य सिर्फ 26 रुपए है। शेष कर, शुल्क और डीलर का कमीशन है। केंद्र सरकार 32.98 रुपए (आधार मूल्य का 125 प्रतिशत उत्पाद शुल्क वसूलती है। वहीं दिल्ली सरकार 19 रुपए (आधार मूल्य का 72 प्रतिशत) मूल्यवर्धित कर (वैट) वसूलती है।

कोरोना ने थामी विकास की रफ्तार, वित्त वर्ष 2020-21 में जीडीपी में 7.7 प्रतिशत की गिरावट का अनुमान

नई दिल्ली:

कोविड-19 महामारी की अर्थव्यवस्था पर पड़ी मार के कारण वित्त वर्ष 2020-21 में देश के सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) में 7.7 प्रतिशत की गिरावट का अनुमान है। राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय (एनएसओ) द्वारा गुरुवार को राष्ट्रीय आय का पहला अग्रिम अनुमान जारी किया गया। इसमें कहा गया है कि चालू वित्त वर्ष में जीडीपी 134.40 लाख करोड़ रुपये रहेगी। वित्त वर्ष में 2019-20 में यह आँकड़ा 145.66 लाख करोड़ रुपये रहा था। इस प्रकार जीडीपी में इस वर्ष 7.7 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की जायेगी। वित्त वर्ष 2019-20 में जीडीपी 4.2 प्रतिशत बढ़ी थी। आठ प्रमुख आर्थिक क्षेत्रों में सिर्फ कृषि और बिजली, गैस, जलापूर्ति एवं अन्य यूटिलिटी सेवाओं में वृद्धि दर्ज की गई है। अन्य सभी क्षेत्र गिरावट में रहे हैं। व्यापार, होटल, परिवहन, संचार एवं प्रसारण से जुड़ी सेवा क्षेत्र में 21 प्रतिशत से अधिक की गिरावट रही। एनएसओ की प्रेस विज्ञप्ति में कहा गया है ''कोविड-19 महामारी का संक्रमण रोकने के लिए 25 मार्च 2020 से कुछ प्रतिबंध लगाये गये थे। धीरे-धीरे ये प्रतिबंध हटा लिये गये हैं, लेकिन आर्थिक गतिविधियों और आँकड़ों के संकलन पर इसका असर पड़ा है।%% इसमें कहा गया है कि चूँकि आँकड़ों का संकलन पूरी तरह नहीं हो पाया है, इसलिए बाद में इन आँकड़ों में बड़े बदलावों की संभावना है।

शेयर बाजारों में लगातार दूसरे दिन गिरावट, सेंसेक्स 81 अंक और फिसला

मुंबई .

सूचना प्रौद्योगिकी, बैंक और उपभोग क्षेत्र की कंपनियों के शेयरों में बिकवाली से बृहस्पतिवार को बीएसई सेंसेक्स करीब 81 अंक फिसल गया। वैश्विक बाजारों में मजबूती के रुख के बावजूद यहां धारणा कमजोर रही। कारोबारियों ने कहा कि रुपये में भारी गिरावट तथा विदेशी कोषों की निकासी से भी बाजार धारणा प्रभावित हुई। बीएसई का 30 शेयरों वाला सेंसेक्स 80.74 अंक या 0.17 प्रतिशत के नुकसान से 48,093.32 अंक पर आ गया। इसी तरह नेशनल स्टॉक का निफ्टी 8.90 अंक या 0.06 प्रतिशत गिरकर 14,137.35 अंक पर बंद हुआ। सेंसेक्स की कंपनियों में टाइटन का शेयर सबसे अधिक 2.03 प्रतिशत टूट गया। इसके बाद नेस्ले इंडिया, हिंदुस्तान यूनिलीवर, इन्फोसिस, एचसीएल टेक, आईटीसी, आईसीआईसीआई बैंक और कोटक बैंक के शेयरों में भी गिरावट रही। वहीं दूसरी ओर भारती एयरटेल, इंडसइंड बैंक, एक्सिस बैंक, बजाज फिनसर्व और एलएंडटी के शेयर 3.75 प्रतिशत तक चढ़ गए। बाजार के व्यापक रुख के उलट बीएसई मिडकैप और स्मॉलकैप 1.05 प्रतिशत तक चढ़ गए। अमेरिका में राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के समर्थकों के हंगामे को वैश्विक बाजारों ने नजरअंदाज किया। डेमोक्रेट द्वारा जॉर्जिया के सीनेट चुनाव में जीत के बाद वॉल स्ट्रीट रिकॉर्ड ऊंचाई पर पहुंच गया। इस जीत से डेमोक्रेट को अमेरिका की संसद के दोनों सदनों में बहुमत मिल गया है। इससे निर्वाचित राष्ट्रपति जो बाइडेन को अपनी नीतियों को आगे बढ़ाने में आसानी होगी। रिलायंस सिक्योरिटीज के रणनीतिक प्रमुख विनोद मोदी ने कहा, ''एक बार फिर से मिडकैप और स्मॉलकैप शेयरों का प्रदर्शन

अच्छा रहा। बड़े मूल्यांकन अंतर और आमदनी में सुधार की उम्मीद की वजह से निवेशक इन खंडों में लिवाली कर रहे हैं।'' मोदी ने कहा कि अमेरिकी कांग्रेस के दोनों सदनों पर डेमोक्रेट का नियंत्रण उभरते बाजारों की दृष्टि से अच्छा है। इससे अमेरिका में ऊंचे वित्तीय प्रोत्साहन की उम्मीद बंधी है। उन्होंने कहा कि भारतीय बाजार के लिए कंपनियों के तीसरी तिमाही के नतीजे और आगामी आम बजट काफी महत्वपूर्ण रहेगा। अन्य एशियाई बाजारों में चीन के शंघाई कम्पोजिट, जापान के निक्की और दक्षिण कोरिया के कॉस्पी में लाभ दर्ज हुआ। वहीं हांगकांग के हैंगसेंग में गिरावट रही। शुरुआती कारोबार में यूरोपीय बाजार लाभ में थे। इस बीच, वैश्विक बेंचमार्क ब्रेंट कच्चा तेल 0.02 प्रतिशत के नुकसान से 54.29 डॉलर प्रति बैरल पर आ गया। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 20 पैसे टूटकर 73.31 प्रति डॉलर पर आ गया। शेयर बाजारों के अस्थायी आंकड़ों के अनुसार विदेशी संस्थागत निवेशकों ने बुधवार को 483.64 करोड़ रुपये के शेयर बेचे।

ई-निविदा गिरोह मामला: ईडी ने भोपाल, हैदराबाद और बंगलूरू के कई स्थानों पर मारे छापे

नई दिल्ली: प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने मध्य प्रदेश के कथित ई-निविदा धांधली रैकेट से जुड़ी धनशोधन संबंधी जांच के सिलसिले में भोपाल, हैदराबाद और बेंगलुरु में कई स्थानों पर छापेमारी की है। यह मामला तीन हजार करोड़ रुपये से अधिक की राशि से जुड़ा है। आधिकारिक सूत्रों ने बृहस्पतिवार को बताया कि सबूत जुटाने के लिए एजेंसी ने मामले में संलिप्त विभिन्न संदिग्धों के स्थानों पर इस सप्ताह की शुरुआत में छापेमारी अभियान शुरू किया और यह कार्रवाई धनशोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के तहत की जा रही है। सूत्रों ने बताया कि मध्य प्रदेश के एक पूर्व मुख्य सचिव से जुड़े परिसर सहित भोपाल, हैदराबाद और बेंगलुरु में कम से कम 15-16 स्थानों पर छापेमारी की गई और आज भी कुछ स्थानों पर छापेमारी जारी है। ईडी ने पिछले साल एक आपराधिक मामला दर्ज किया था, जिसमें यह आरोप लगाया गया था कि राज्य सरकार के ई-टेंडर पोर्टल को निविदाओं में हेरफेर करने और अनुबंध हथियाने के लिए 'हैक' किया गया था तथा कथित तौर पर यह भाजपा के शासन के दौरान हुआ था। सबसे पहले, मध्य प्रदेश पुलिस की आर्थिक अपराध शाखा (ईओडब्ल्यू) ने कमलनाथ नीत कांग्रेस सरकार के दौरान पिछले साल इस संबंध में मामला दर्ज किया था। ईडी ने पीएमएलए के तहत मामला दर्ज करने के लिए इस प्राथमिकी का अध्ययन किया। ईओडब्ल्यू ने सात कंपनियों के निदेशकों और विपणन प्रतिनिधियों, राज्य सरकार के पांच विभागों के अज्ञात अधिकारियों और कुछ नेताओं के खिलाफ मामला दर्ज किया था। इन लोगों के खिलाफ भादंवि की धारा 420 (धोखाधड़ी), सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम और भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के तहत आरोप लगाए गए थे। ईओडब्ल्यू ने एक बयान में कहा था कि कथित रैकेट में शामिल निर्माण कंपनियों में 'जीवीपीआर लिमिटेड' तथा 'मैक्स मैंटेना' (दोनों हैदराबाद में स्थित हैं), 'ह्यूम पाइप लिमिटेड' तथा 'जेएमसी लिमिटेड' (दोनों मुंबई स्थित), 'सोरठिया वेलजी लिमिटेड' तथा ' माधव इन्फ्रा प्रोजेक्ट्स' (दोनों वड़ोदरा स्थित) और 'राम कुमार नरवानी लिमिटेड' (भोपाल स्थित) शामिल हैं। कंपनियों ने जनवरी और मार्च, 2018 के बीच 3,000 करोड़ रुपये की परियोजनाओं को सबसे कम दरों पर हासिल करने के लिए कथित रूप से 'एमपी ई-टेंडरिंग पोर्टल' को 'हैक' कर लिया था। हालांकि बाद में इन निविदाओं को रद्द कर दिया गया था।

एसबीआई ने विदेश में बॉन्ड बिक्री से 60 करोड़ डॉलर जुटाए

मुंबई, देश के सबसे बड़े बैंक एसबीआई ने गुरुवार को बताया कि उसने अंतरराष्ट्रीय निवेशकों को 1.80 प्रतिशत के कूपन पर बॉन्ड बेचकर 60 करोड़ अमेरिकी डॉलर जुटाए हैं। निर्गम को 2.1 गुना अभिदान मिला और यह बैंक के 10 अरब डॉलर के मध्यावधि पत्र कार्यक्रम का हिस्सा है, जिसकी रेटिंग को मूडीज ने बुधवार को वापस ले लिया था। बैंक ने एक बयान में कहा कि 5.5 वर्ष का यह निर्गम अमेरिकी डॉलर में है और इसका मूल्य निर्धारण अमेरिकी ट्रेजरी के मुकाबले 140 आधार अंक (बीपीएस) पर किया गया। बयान के मुताबिक देश के किसी भी नियमन एस/ 144ए निर्गम के लिए इस परिपक्वता पर यह सबसे कम मूल्य निर्धारण है। इस हफ्ते की शुरुआत में एक्जिम बैंक ने 2.25 प्रतिशत के कूपन पर एक अरब अमरीकी डालर की बिक्री की थी।

भारत ने 2015-20 के दौरान व्यापार को आसान बनाने के लिए कई कदम उठाए: WTO

नई दिल्ली:

विश्व व्यापार संगठन (WTO) ने कहा है कि भारत ने व्यापार को सुविधाजनक बनाने के लिए 2015 से 2020 के बीच कई उपायों को लागू किया है, जिनमें आयात और निर्यात के लिए प्रक्रियाओं और सीमा शुल्क निकासी को सरल बनाना शामिल है। जिनेवा स्थित डब्ल्यूटीओ ने कहा कि भारत द्वारा 2015 से शुरू की गई व्यापार सुविधा पहलों में भारतीय सीमा शुल्क इलेक्ट्रॉनिक गेटवे (आइसगेट), व्यापार को बढ़ावा देने के लिए एकल खिड़की इंटरफेस (स्विफ्ट), बंदरगाह पर सीधे डिलीवरी और सीधे एंट्री की सुविधाएं और जोखिम प्रबंधन प्रणाली (आरएमएस) का अधिक इस्तेमाल शामिल है।

भारत की सातवीं व्यापार नीति समीक्षा रिपोर्ट में किया जिक्र

विश्व व्यापार संगठन में छह जनवरी से शुरू हुई भारत की सातवीं व्यापार नीति समीक्षा (टीपीआर) की रिपोर्ट में उक्त बिंदुओं का जिक्र किया गया है। टीपीआर के तहत सदस्य देश की राष्ट्रीय व्यापार नीतियों की व्यापक समीक्षा की जाती है। भारत की आखिरी टीपीआर 2015 में हुई थी। डब्ल्यूटीओ ने कहा कि, भारत ने समीक्षाधीन अवधि के दौरान व्यापार को आसान बनाने के लिए कई उपायों को लागू किया, जैसे गैरजरूरी दस्तावेजों की संख्या में कमी और आयात-निर्यात के लिए सीमा शुल्क निकासी प्रणाली का स्वचालन।

व्यापार नीति मोटे तौर पर अपरिवर्तित

व्यापार संस्था ने कहा कि पिछली समीक्षा के बाद से भारत की व्यापार नीति मोटे तौर पर अपरिवर्तित रही है। साथ ही डब्ल्यूटीओ ने कहा कि भारत ने व्यापार नीति के साधनों जैसे टैरिफ, निर्यात कर, न्यूनतम आयात मूल्य, आयात और निर्यात प्रतिबंध तथा लाइसेंस प्रणाली पर निर्भरता को जारी रखा है। इस बीच एक आधिकारिक बयान में कहा गया कि टीपीआर के लिए भारत के प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व वाणिज्य सचिव अनूप वधावन ने किया। उन्होंने अपने प्रारंभिक वक्तव्य में कहा कि यह समीक्षा ऐसे समय में हो रही

है, जब दुनिया एक अभूतपूर्व स्वास्थ्य और आर्थिक संकट का सामना कर रही है।

FRAI ने पीएम मोदी से किया आग्रह, कहा- तंबाकू उत्पादों पर कानून में प्रस्तावित बदलावों को लें वापस

नई दिल्ली:

छोटे और मझोले खुदरा कारोबारियों की संस्था फेडरेशन ऑफ रिटेलर एसोसिएशन ऑफ इंडिया (एफआरएआई) ने गुरुवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से सिगरेट और अन्य तंबाकू उत्पादों पर कानून में प्रस्तावित संशोधनों को वापस लेने का आग्रह किया, ताकि पूरे भारत में तंबाकू उत्पाद बेचने वाले छोटे खुदरा विक्रेताओं की आजीविका पर होने वाले हमले को रोका जा सके। एफआरएआई देश के उत्तरी, दक्षिणी, पूर्वी और पश्चिमी हिस्से के 34 खुदरा संगठनों के साथ कुछ चार करोड़ छोटे और मझोले खुदरा विक्रेताओं के प्रतिनिधित्व का दावा करता है। संस्था ने कहा कि छोटे खुदरा विक्रेता पहले से ही कोविड-19 महामारी के प्रकोप का सामना कर रहे हैं और यह 'ताजा हमला उनके परिवारों के लिए विनाशकारी होगा।'

क्या है प्रस्तावित कोटपा विधेयक 2020?

एसोसिएशन ने कहा कि उसके सदस्य संगठन 'स्वास्थ्य मंत्रालय द्वारा प्रस्तावित कोटपा (सिगरेट और अन्य तंबाकू उत्पाद अधिनियम) विधेयक 2020 के अलोकतांत्रिक संशोधनों से परेशान हैं, जो सिगरेट की लूज बिक्री को रोकती है, 21 साल से कम उम्र के व्यक्तियों को तंबाकू उत्पादों की बिक्री को प्रतिबंधित करती है और दुकानों के भीतर विज्ञापन और प्रमोशन को नियंत्रित करती है, और ऐसा लगता है कि इनका मकसद बड़े खुदरा विक्रेताओं को प्रभावित किए बिना छोटे खुदरा विक्रेताओं के व्यापार को नष्ट करना है।'

खराब है छोटे खुदरा कारोबारियों की दशा

एफआरएआई ने एक बयान में कहा कि, 'कोरोना वायरस के चलते लागू लॉकडाउन और कारोबारी बंदिशों और उसके बाद आर्थिक स्थिति के बिगड़ने के चलते छोटे खुदरा कारोबारियों की दशा खराब है और आगे कोई भी विपरीत नीति उनके कारोबार को अस्थिर करेगी और यह ताजा हमला विनाशकारी होगा।'

गुजरात के गांवों में वर्ष 2022 के अंत तक, दिन में भी कृषि के लिए बिजली मिलेगी

अहमदाबाद,

गुजरात के सभी 18,000 गांवों के किसानों को वर्ष 2022 के अंत तक कृषि उद्देश्यों के लिए दिन के समय भी बिजली की उपलब्धता होगी। मुख्यमंत्री विजय रूपाणी ने बृहस्पतिवार को इसकी घोषणा की। रुपाणी ने कहा कि प्रदेश की भाजपा सरकार ने 'किसान सूर्योदय योजना' (केएसवाई) के लिए आवश्यक बुनियादी ढांचा बनाने के मद में 3,500 करोड़ रुपये आवंटित किए हैं। जिले के 39 गांवों के लिए परियोजना की शुरुआत करते हुए नर्मदा के तिलकवाड़ा कस्बे की जनसभा को संबोधित करते हुए उन्होंने उक्त जानकारी दी। पिछले साल अक्टूबर में, प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी ने यह योजना शुरू की थी, जिसका उद्देश्य पूरे प्रदेश के किसानों को सिंचाई और खेती के उद्देश्यों के लिए दिन के समय भी बिजली प्रदान करना था तथा विभिन्न जिलों के गांवों को चरणबद्ध तरीके से इस योजना के दायरे में लिया जा रहा है।

मुख्यमंत्री ने अपने संबोधन में कहा, ÷किसानों की मांग रही थी कि उन्हें दिन के समय खेती के लिए बिजली आपूर्ति की जाए, क्योंकि फसल की सिंचाई करने के लिए रात में खेतों में जाना खतरनाक है। यही कारण है कि हमने इस योजना के लिए 3,500 करोड़ रुपये का बजट मंजूर किया है। उन्होंने कहा कि उनकी सरकार का लक्ष्य 20 जनवरी तक 4,000 गांवों को दिन के समय भी कृषि उद्देश्यों के लिए बिजली प्रदान करना है और वर्ष 2022 के अंत तक सभी 18,000 गांवों में बिजली पहुंचाना है। उन्होंने कहा, अब, किसान दिन में काम कर सकते हैं और रात में आराम कर सकते हैं।

रूपानी ने कहा कि पिछले कांग्रेस शासन के विपरीत, गुजरात में भाजपा की अगुवाई वाली सरकार, किसानों की सरकार है। उन्होंने आरोप लगाया कि गुजरात में 25 साल पहले कांग्रेस के शासन के दौरान कुछ प्रदर्शनकारी किसानों की गोली मारकर हत्या कर दी गई थी।

गुजरात के ऊर्जा मंत्री सौरभ पटेल ने इस अवसर पर कहा कि राज्य सरकार खेती के लिए सस्ती बिजली प्रदान करके इस साल 7,500 करोड़ रुपये की सब्सिडी देगी। उन्होंने कहा, लंबे समय से हमने किसानों के लिए बिजली दरों में वृद्धि नहीं की है। हालांकि लागत बढ़ रही है, हमने केवल 60 रुपये प्रति यूनिट की दर से शुल्क रखा है। पटेल ने कहा, किसानों की ओर से, सरकार जीयूवीएनएल (राज्य बिजली इकाई) को 7,500 करोड़ रुपये की कमी का भुगतान इस साल सब्सिडी के रूप में करेगी।

अगले छह साल में नाल्को की 30 हजार करोड़ के निवेश की योजना: जोशी

नई दिल्ली: केंद्रीय कोयला एवं खान मंत्री प्रल्हाद जोशी ने कहा कि नेशनल एल्यूमिनियम कंपनी लिमिटेड (नाल्को) कारोबार विस्तार की योजनाओं पर वर्ष 2027-28 तक 30 हजार करोड़ रुपए का निवेश करेगी। जोशी ने ओडिशा की राजधानी भुवनेश्वर में स्थित नाल्को के मुख्यालय में कंपनी के 41वें स्थापना दिवस पर आयोजित समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि प्रस्तावित निवेश राशि में करीब 7,000 करोड़ रुपए पांचवीं स्ट्रीम रिफाइनरी, पोट्टंगी बॉक्साइट खदानों तथा साउथ ब्लॉक और उत्कल डी और ई कोयला खदानों से बॉक्साइट ढुलाई की परिवहन प्रणाली पर खर्च किए जाएंगे। इसके अतिरिक्त 22 हजार करोड़ रुपए प्रगालकों, बिजली संयंत्रों के विस्तार और अंगुल जिले में कंपनी के प्रगालक संयंत्र के विस्तार पर खर्च किए जाएंगे। ओडिशा के अंगुल जिले में कंपनी के प्रगालक संयंत्र में 1,400 मेगावाट क्षमता का बिजली संयंत्र स्थापित किया जाएगा। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि केंद्र ओडिशा की पूरी मदद कर रही है ताकि देश की खनिज उत्पादन क्षमता में कोई बाधा न आए। राज्य सरकार के अनुरोध पर केंद्र सरकार संबंधित नियमों में संशोधन करेगी ताकि खनिजों का उत्पादन अबाधित होता रहे खनिज ब्लॉक की नीलामी में वे लोग हिस्सा न ले सकें, जो कारोबार के प्रति गंभीर नहीं हैं।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

गांगुली को अस्पताल से मिली छुट्टी, कहा, मैं बिल्कुल ठीक हूं

कोलकाता। बीसीसीआई अध्यक्ष सौरव गांगुली को गुरुवार सुबह कोलकाता के वुडलैंड्स अस्पताल से छुट्टी मिल गई है। अस्पताल से बाहर आने के बाद उन्होंने कहा, मैं बिल्कुल ठीक हूं। गांगुली को बीते शनिवार दो जनवरी को मामूली दिल का दौरा पड़ा था। इसके बाद उन्हें कोलकाता के वुडलैंड्स अस्पताल में भर्ती कराया गया था। वहां उनकी एंजियोप्लास्टी की गई थी। गांगुली ने अस्पताल से बाहर आने के बाद कहा, मैं इलाज के लिए अस्पताल के डॉक्टरों का शुक्रिया अदा करता हूं। मैं बिल्कुल ठीक हूं। उम्मीद है कि मैं जल्दी उड़ान भर सकूंगा। उन्होंने हालांकि मीडिया के सवालों का जवाब देने से मना कर दिया। गांगुली को दो जनवरी को सीने में दर्द के साथ-साथ ब्लैकआउट (आंखों के सामने अंधेरा छाना) की शिकायत हुई थी। वह अपने घर में बने जिम में वर्जिश कर लौट थे तभी उन्हें यह शिकायत हुई थी। इसके बाद उन्होंने अपने पारिवारिक डॉक्टर को बुलाया जिनकी सलाह पर उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया। अस्पताल के बाहर उनके कई प्रशंसक भी मौजूद थे। वहीं बिरेन रॉय रोड स्थित उनके घर बेहला के बाहर भी उनके कई प्रशंसक गांगुली का इंतजार कर रहे थे। गांगुली ने कहा, मैं ठीक हूं। अपनी सामान्य जिंदगी में वापस लौट चुका हूं। उन्होंने अपने बचपन के दोस्त जॉयदीप का भी इस मुश्किल समय में साथ खड़े रहने के लिए शुक्रिया अदा किया।

सिडनी टेस्ट

पुकोवस्की, लाबुशैन के अर्धशतक, ऑस्ट्रेलिया अच्छी स्थिति में

सिडनी।

ऑस्ट्रेलिया ने यहां सिडनी क्रिकेट ग्राउंड (एससीजी) पर भारत के खिलाफ खेले जा रहे तीसरे टेस्ट मैच के पहले दिन गुरुवार का अंत दो विकेट के नुकसान पर 166 रनों के साथ किया। स्टंपस की घोषणा तक मार्नस लाबुशैन 67 और स्टीव स्मिथ 31 रन बनाकर नाबाद हैं। ऑस्ट्रेलिया के लिए लाबुशैन के अलावा पदार्पण कर रहे विल पुकोवस्की ने अर्धशतकीय पारी खेली। उन्हें हालांकि भारतीय खिलाड़ियों ने चार जीवनदान दिए, जिसका युवा बल्लेबाज ने भरपूर फायदा उठाया। उनके जाने के बाद लाबुशैन ने ऑस्ट्रेलियाई पारी को संभाला और भारत के खिलाफ अपना पहला अर्धशतक पूरा किया। ऑस्ट्रेलिया ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी का फैसला किया। शुरुआती दो टेस्ट मैचों में चोट के कारण बाहर रहने वाले डेविड वार्नर इस मैच से वापसी कर रहे हैं। मोहम्मद सिराज ने उनकी वापसी को सार्थक नहीं होने दिया। चौथे ओवर की तीसरी ही गेंद पर वार्नर स्लिप में चेतेश्वर पुजारा के हाथों लपके गए। इस बीच बारिश ने भी मैच में खलल डाला। आठवें ओवर की पहली गेंद पर बरसात होने लगी। इस बारिश के कारण मैच लंबे समय तक रुका रहा और पहला सत्र समाप्ति की घोषणा भी कर दी गई। पहले सत्र की घोषणा तक आस्ट्रेलिया ने 7.1 ओवरों में एक विकेट के नुकसान पर 21 रन बनाए थे। दूसरे सत्र का खेल शुरू होने में भी देरी हुई। पुकोवस्की और लाबुशैन ने फिर संभलकर बल्लेबाजी करते हुए ऑस्ट्रेलियाई पारी को बनाया। विकेटकीपर ऋषभ पंत ने पुकोवस्की को कुछ जीवनदान दिए। इसका फायदा उठाते हुए पुकोवस्की ने अपना पहला अर्धशतक पूरा किया। उन्होंने नवदीप सैनी पर दो चौके मारे। चायकाल की घोषणा तक ऑस्ट्रेलिया ने एक विकेट के नुकसान पर 93 रन बना लिए थे। भारत की तरफ से टेस्ट पदार्पण कर रहे सैनी ने दिन के तीसरे सत्र में पुकोवस्की की पारी का अंत किया। 110 गेंदों पर चार चौकों की मदद से 62 रन बनाने वाले पुकोवस्की 106 के कुल स्कोर पर एलबीडब्ल्यू हुए। पुकोवस्की के जाने के बाद लाबुशैन ने भी अपने 50 रन पूरे किए। उनको साथ मिला स्टीव स्मिथ का। शुरुआती दो टेस्ट मैचों में संघर्ष करने वाले इन दोनों बल्लेबाजों ने इस पारी में अभी तक आक्रामकता के साथ बल्लेबाजी की है। रविचंद्रन अश्विन ने स्मिथ को इस सीरीज में खासा परेशान किया है, लेकिन इस मैच में स्मिथ ने अश्विन के खिलाफ आक्रामकता दिखाई और निकलकर कुछ शॉट्स लगा कर उनकी लय बिगाड़ी। सिर्फ अश्विन ही नहीं लाबुशैन और स्मिथ दोनों ने बाकी भारतीय गेंदबाजों के सामने भी डिफेंसिव न होकर अटैकिंग बल्लेबाजी की। लाबुशैन ने पुकोवस्की के साथ 100 रनों की साझेदारी की। स्मिथ के साथ मिलकर उन्होंने पहले दिन का खेल खत्म होने तक 60 रन जोड़ लिए हैं। लाबुशैन ने अभी तक अपनी पारी में 149 गेंदों का सामना किया है और आठ चौके मारे हैं।

चीन के 10 शहरों में 16 जून से खेला जाएगा एशिया कप-2023

कुआलालम्पुर।

एएफसी एशिया कप-2023 16 जून से शुरू होगा और 16 जुलाई तक चीन के 10 शहरों में खेला जाएगा।

एशियाई फुटबाल परिसंघ (एएफसी) और स्थानीय आयोजक समिति (एलओसी) ने गुरुवार को इस बात की पुष्टि की। एशिया कप का यह 18वां संस्करण इतिहास का सबसे लंबा संस्करण होगा जो 31 दिनों तक चलेगा। एएफसी के महासचिव डाटो विंडसर जॉन ने कहा, एएफसी एशिया कप अपने ख्याति के हिसाब से दिन ब दिन बढ़ता जा रहा है। हर संस्करण के बाद यह सभी उम्मीदों को पार कर रहा है और हम इस बात को लेकर

आश्वस्त हैं कि चीन में होने वाला आगामी संस्करण एशियाई इतिहास में फुटबाल का सबसे बड़ा टूर्नामेंट होगा। एलओसी के महासचिव शी कियांग ने कहा, तारीखों की पुष्टि होने के बाद एलओसी काम सही तरीके से शुरू करेगी। तैयारियों में फुटबाल स्टेडियमों का निर्माण, आयोजन, समर्थन, वोलेंटियर प्रोग्राम के अलावा कार्यक्रम तय करना भी शामिल है। हम एएफसी के साथ मिलकर काम करेंगे ताकि एक शानदार टूर्नामेंट का आयोजन कर सकें।

ला लीगा : मेसी के 2 गोल से जीती बार्सिलोना

बार्सिलोना। लियोनेल मेसी के शानदार गोलों की मदद से बार्सिलोना ने स्पेनिश फुटबॉल लीग ला लीगा में गुरुवार को एथलेटिक बिल्बाओ को 3-2 से हरा दिया। बीबीसी की रिपोर्ट के अनुसार, एथलेटिक बिल्बाओ ने तीसरे मिनट में ही इनाकी विलियम्स के गोल की मदद से अपना खाता खोल लिया, लेकिन प्रेडो गोंजालेज ने 14वें मिनट में गोल करके बार्सिलोना को बराबरी दिला दी। इसके बाद मेसी ने 38वें और 62वें मिनट में दो गोल दागकर बार्सिलोना को 3-2 से जीत दिला दी। एथलेटिको बिल्बाओ के लिए दूसरा गोल मुनियन ने 90वें मिनट में किया। इस जीत के बाद बार्सिलोना की टीम 17 मैचों से 31 अंकों के साथ अंकतालिका में तीसरे स्थान पर पहुंच गई हैं। स्पेनिश फुटबाल क्लब एथलेटिको बिल्बाओ को अपने नए मुख्य कोच को मार्सेलिनो गार्सिया टोरेल के मार्गदर्शन में खेले गए पहले मैच में हार का सामना करना पड़ा है।

आईएसएल-7 : हाईलैंडर्स, हैदराबाद का लक्ष्य टॉप-4 में पहुंचना

वॉस्को (गोवा)।

नॉर्थईस्ट युनाइटेड एफसी शुक्रवार को यहां वॉस्को के तिलक मैदान स्टेडियम में हैदराबाद एफसी के खिलाफ होने वाले मुकाबले को जीतकर हीरो इंडियन सुपर लीग (आईएसएल) के सातवें सीजन में जीत की पटरी पर लौटना चाहेगी। जो भी टीम इस मैच को जीतेगी, वो अंकतालिका में टॉप-4 में पहुंच जाएगी। हाईलैंडर्स के नाम से मशहूर नॉर्थईस्ट युनाइटेड एफसी ने सातवें सीजन की शानदार शुरुआत की थी और पहले छह मैचों में वह अजेय रही थी। लेकिन कोच गेरार्ड नुस की टीम अब पिछले कुछ मैचों से अपनी लय से भटक गई है और पिछले पांच मैचों में उसे एक भी जीत नहीं मिली है और दो में हार का सामना करना पड़ा है। नॉर्थईस्ट युनाइटेड एफसी और हैदराबाद एफसी पिछले सीजन में तालिका में सबसे नीचे थी, लेकिन इस सीजन में दोनों टीमें प्लेऑफ में पहुंचने की दावेदार है। सातवें स्थान पर काबिज नॉर्थईस्ट अपने प्रतिद्वंद्वी हैदराबाद से केवल एक स्थान और एक अंक ही पीछे है। दूसरी तरफ, लगातार तीन हार झेलने के बाद हैदराबाद अपने पिछले मुकाबले में दो बार की चैम्पियन चेन्नइयन एफसी को 4-1 से चौंकाकर जीत की पटरी पर लौट चुकी है। हैदराबाद के लिए एरिडेन संटाना अब तक पांच गोल कर चुके हैं। नुस ने कहा, हम जानते हैं कि बॉल के साथ वे बेहतर हैं और वे कई तरीके से गोल करते हैं। उन्होंने सेट पीस से कई गोल किए हैं और एरिडेन भी हमेशा खतरा बने रहते हैं। पिछले सीजन गोल करने का उनका शानदार रिकॉर्ड रहा था और इस सीजन वह अब तक पांच गोल कर चुके हैं। वह एक बड़े खिलाड़ी हैं, लेकिन अटैकिंग में उनके पास और भी खिलाड़ी हैं। उन्हें रोकने के लिए हमें अपना सर्वश्रेष्ठ देना होगा। हैदराबाद

के कोच मैनुअल मारक्वेज के लिए कमजोर डिफेंस उनकी चिंता होगी। उनकी टीम अब तक 11 गोल खा चुकी है और पिछले छह मैचों से उन्होंने एक भी क्लीन शीट हासिल नहीं की है। मारक्वेज ने कहा, वे एक अच्छी टीम है। परिणाम के मामले में वे फिलहाल सही नहीं हैं, लेकिन उन्होंने बड़ी टीमों के खिलाफ अंक लिए हैं। उनके पास अच्छे खिलाड़ी और अच्छे कोच है। मुझे उनकी खेलने की शैली पसंद है। वे एक खतरनाक टीम है।

संक्षिप्त समाचार

एशियन चैम्पियंस लीग, एएफसी को मिला नया लोगो

कुआलालम्पुर। एशियाई फुटबाल परिसंघ (एएफसी) ने अपने फ्लैगशिप नेशनल टीम और क्लब कॉम्पटीशंस के लिए नया लोगो लॉन्च किया है। एएफसी एशियन क्वालीफायर्स, एएफसी एशियन कप, एएफसी विमेंस एशियन कप और एएफसी यू-23 एशियन कप के साथ-साथ एएफसी चैम्पियंस लीग और एएफसी कप जैसे वार्षिक क्लब टूर्नामेंट्स को नया लोगो मिला है। समाचार एजेंसी सिन्हुआ के मुताबिक एएफसी अध्यक्ष शेख सलमान बिन इब्राहिम अल खलीफा ने इसकी जानकारी दी। खलीफा ने कहा कि नया लोगो लॉन्च करने के पीछे एएफसी का उद्देश्य अपने विविध फैनबेस को अपने साथ जोड़े रखने के साथ-साथ इन इवेंट्स को एशिया का सबसे लोकप्रिय फुटबाल इवेंट बनाए रखना है। नए लोगो फुटबाल स्टेडियमों और एशियाई टीमों के रंगों से प्रेरित हैं। साथ ही एएफसी नेशनल टीम कम्पटीशंस के लोगो में उन स्थानों के प्रतीक चिन्हों को शामिल करने का प्रयास किया गया है, जिन देशों ने इन खिताबों को जीता है।

पता था, भारतीय गेंदबाज बाउंसर का इस्तेमाल करेंगे : पुकोवस्की

सिडनी। आस्ट्रेलिया के लिए अपना पदार्पण टेस्ट मैच खेल रहे सलामी बल्लेबाज विल पुकोवस्की ने कहा है कि गुरुवार से यहां सिडनी क्रिकेट ग्राउंड (एससीजी) पर भारत के खिलाफ शुरू हुए तीसरे टेस्ट मैच में शॉर्ट गेंदों से बचने के लिए वह इसकी तैयारी करके आए थे। हेलमेट में गेंद लगने के बाद कनकशन का शिकार हुए पुकोवस्की चार मैचों की टेस्ट सीरीज के पहले दो टेस्ट में नहीं खेल पाए थे। तीसरे टेस्ट की पहली पारी में उन्होंने 62 रन की पारी खेली। आस्ट्रेलिया ने पहले दिन गुरुवार का अंत दो विकेट के नुकसान पर 166 रनों के साथ किया। स्टंपस की घोषणा तक मार्नस लाबुशैन 67 और स्टीव स्मिथ 31 रन बनाकर नाबाद हैं। पुकोवस्की ने पहले दिन की खेल समाप्ति के बाद कहा, मैंने अब तक क्रिकेट के सभी प्रारूपों में जितने भी मैच खेले हैं, उनमें मैंने बाउंसर का सामना किया है और कनकशन का इतिहास भी इसी का हिस्सा रहा है। इसलिए मैं जानता था कि भारत इसका (बाउंसर) का इस्तेमाल करेगा। पुकोवस्की को पिछले महीने इंडिया-ए के खिलाफ अभ्यास मैच के दौरान तेज गेंदबाज कार्तिक त्यागी की गेंद पर सिर पर लग गई थी और इसके कारण उन्हें शुरुआती दो टेस्ट से दूर रहना पड़ा था। उन्हें 2019 में भी आस्ट्रेलियाई टेस्ट टीम में चुना गया था, लेकिन मानसिक स्वास्थ्य कारणों से उन्हें बाहर होना पड़ा था। आस्ट्रेलिया के सहायक कोच एंड्रयू मैक्डॉनल्ड विक्टोरिया के भी कोच हैं और पुकोवस्की विक्टोरिया के लिए भी खेलते हैं। मैक्डॉनल्ड से अपनी बैगी ग्रीन पाने वाले पुकोवस्की कहा कि वार्नर ने उन्हें पहली गेंद का सामना करने का विकल्प दिया था। पुकोवस्की ने कहा, डेवी (डेविड वार्नर) ने मुझे पहली गेंद का सामना करने या नहीं करने का विकल्प दिया। मैं इसके बारे में 200 बार सोच सकता था लेकिन आखिरकार मैंने इसे स्वीकार किया और पहली गेंद का सामना किया।

अश्विन के खिलाफ आक्रामक नहीं सकारात्मक था : स्मिथ

सिडनी।

शुरुआती दो टेस्ट मैचों में रविचंद्रन अश्विन के खिलाफ संघर्ष करते आ रहे आस्ट्रेलियाई बल्लेबाज स्टीव स्मिथ ने गुरुवार से सिडनी क्रिकेट ग्राउंड (एससीजी) में भारत के खिलाफ शुरू हुए तीसरे टेस्ट मैच के पहले दिन अश्विन के खिलाफ अच्छी बल्लेबाजी की।

स्मिथ ने अश्विन को अभी तक हावी नहीं होने दिया और आक्रामक रहते हुए उन पर शॉट्स लगाए। स्मिथ ने अश्विन पर निकलकर भी कुछ शॉट्स लगाए और 31 रन बनाकर नाबाद रहे। स्मिथ ने कहा है कि वह अश्विन के खिलाफ आक्रामक नहीं बल्कि सकारात्मक सोच के साथ उतरे थे। स्मिथ ने कहा, मैं आक्रामक नहीं कहूंगा, मैं बस थोड़ा सकारात्मक था। मैं उन्हें थोड़ा दबाव में लाना चाहता था जो मैंने अभी तक इस सीरीज में नहीं किया है। उन्होंने कहा, मैं कुछ चीजों पर काम कर रहा था। बल्ले को ताकत से पकड़ना चाहता था।

मुझे लगा कि मैं अच्छी स्थिति में हूं। कुछ बाउंड्रीज लगाना अच्छा रहा। आस्ट्रेलिया ने तीसरे टेस्ट के पहले दिन का अंत दो विकेट के नुकसान पर 166 रनों के साथ किया है। स्मिथ के साथ मार्नस लाबुशैन 67 रन बनाकर खेल रहे हैं।

हॉकी इंडिया इस साल कई टूर्नामेंट्स की मेजबानी के लिए तैयार

नई दिल्ली। हॉकी इंडिया ने हाल ही में महिला टीम के लिए अर्जेंटीना का दौरा तय किया, ताकि प्रतिस्पर्धी हॉकी की शुरुआत की जाए। एचआई इस साल 47वीं एफआईएच कांग्रेस की मेजबानी करेगी और इसी के साथ वह इस साल कई सारे टूर्नामेंट्स की मेजबानी करने को तैयार है। यह कांग्रेस 2020 में की जानी थी, लेकिन कोविड-19 के कारण इसे टाल दिया गया। हॉकी इंडिया के अध्यक्ष ज्ञानेंद्रो निंगोमबाम ने कहा, हम अपना कामकाज और टूर्नामेंट्स में सामान्यता हासिल करने का रास्ते पर हैं। 47वीं एफआईएच कांग्रेस 2021 के साथ हमें उम्मीद है कि मई में सारी चीजें हमारे पक्ष में होंगी। उन्होंने कहा, हमने हॉकी इंडिया के चुनाव और कांग्रेस का आयोजन सफलतापूर्वक किया है। इसलिए हम सभी तरह की तैयारियों के लिए तैयार हैं। बीते कुछ सालों में भारत ने कई टूर्नामेंट्स की मेजबानी की है। अंतर्राष्ट्रीय हॉकी महासंघ ने भारत को 2021 में होने वाले जूनियर विश्व कप की मेजबानी भी सौंपी है। ज्ञानेंद्रो ने कहा, हमने एफआईएच जूनियर पुरुष विश्व कप-2016 की भी मेजबानी की है। वह कई मायनों में शानदार टूर्नामेंट था और इसने हमें अनुभव तथा आत्मविश्वास दिया जिससे हम एफआईएच विश्व कप-2018 की मेजबानी कर सके। उन्होंने कहा, इसलिए इस साल एफआईएच जूनियर पुरुष विश्व कप की मेजबानी हमारे लिए काफी अहम है। हम इसके लिए पूरी तरह से तैयार हैं। इसके अलावा हॉकी प्रो लीग की वापसी भी इसी साल होनी हैं और भारत 29 तथा 30 मई को न्यूजीलैंड की मेजबानी करेगा।

इंग्लैंड की महिला क्रिकेट टीम पहली बार पाकिस्तान का दौरा करेगी

लंदन। इंग्लैंड की महिला क्रिकेट टीम पहली बार इस साल अक्टूबर में पाकिस्तान का दौरा करेगी, जहां वो दो टी-20 और तीन मैचों की वनडे सीरीज खेलेगी। इंग्लैंड एंड वेल्स क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) गुरुवार को एक बयान में कहा कि हीटर नाइट की कप्तानी इंग्लैंड महिला टीम का यह पहला पाकिस्तान दौरा होगा। इंग्लैंड की महिला टीम 14 और 15 अक्टूबर को कराची के नेशनल स्टेडियम में दो मैचों की टी-20 सीरीज खेलेगी। इसके बाद वह इसी स्टेडियम में 18, 20 और 22 अक्टूबर को तीन मैचों की वनडे सीरीज भी खेलेगी। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) के सीईओ वसीम खान ने कहा कि वनडे सीरीज पाकिस्तान की महिला टीम को उनके महिला विश्व कप 2022 की तैयारियों को परखने का मौका देगा, क्योंकि उनका लक्ष्य अतीत की तुलना में बेहतर प्रदर्शन करना है।

काराबाओ कप : मैनचेस्टर युनाइटेड को मात देकर मैनचेस्टर सिटी फाइनल में

लंदन।

मौजूदा चैम्पियन मैनचेस्टर सिटी ने अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए चिर प्रतिद्वंद्वी मैनचेस्टर युनाइटेड को 2-0 से हराकर काराबाओ कप के फाइनल में प्रवेश कर लिया है, जहां अब उसका सामना टॉटेनहम हॉटस्पर से होगा। बीबीसी की रिपोर्ट के अनुसार, बुधवार रात खेले गए इंग्लिश फुटबाल लीग (ईएफएल) के सेमीफाइनल में मैनचेस्टर सिटी और मैनचेस्टर युनाइटेड के बीच पहला हाफ गोलरहित रहा। लेकिन दूसरे हाफ में मैनचेस्टर सिटी ने शानदार गोल करके फाइनल में अपनी जगह बना ली। मैनचेस्टर युनाइटेड को पिछले 12 महीने के दौरान चौथी बार किसी टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में हार का सामना करना पड़ा है। मैनचेस्टर सिटी के लिए दूसरे हॉफ में जॉन स्टोन्स ने 50वें और फर्नांडिन्हो ने 83वें मिनट में गोल किए। इंग्लैंड के डिफेंडर जोन्स का विश्व कप 2018 के बाद से यह पहला गोल था। फाइनल में अब मैनचेस्टर सिटी का टॉटेनहम हॉटस्पर से होगा। फाइनल 25 अप्रैल को वेम्बले स्टेडियम में खेला जाएगा। मैनचेस्टर सिटी के कोच पेप गार्डियोला और टॉटेनहम हॉटस्पर के कोच जोस मोरिन्हो 2011 के बाद से पहली बार आमने-सामने होंगे। मौजूदा चैम्पियन मैनचेस्टर सिटी के पास लगातार चौथा और पिछले आठ सीजन में छठी बार ईएफएल खिताब जीतने का मौका होगा। मैनचेस्टर सिटी ने आर्सेनल को जबकि मैनचेस्टर युनाइटेड ने एवर्टन को हराकर काराबाओ कप के सेमीफाइनल में प्रवेश किया था। मैनचेस्टर सिटी अगर 25 अप्रैल को फाइनल में टॉटेनहम हॉटस्पर को हरा देती है, तो वह लगातार चार बार ईएफएल खिताब जीतने के लिवरपूल के रिकॉर्ड की बराबरी कर लेगी। टॉटेनहम की टीम का यह नौवां इंग्लिश फुटबाल लीग (ईएफएल) फाइनल है और इसमें उसने चार बार खिताब जीते हैं। इंग्लिश प्रीमियर लीग (ईपीएल) क्लब हॉटस्पर 2008 में काराबाओ कप जीतने के बाद से अपने पहले खिताब की तलाश में लगे हुए हैं। टॉटेनहम हॉटस्पर के कोच जोस मॉरिन्हो चेल्सी और मैनचेस्टर युनाइटेड के साथ चार बार काराबाओ कप खिताब जीत चुके हैं और अब वह बतौर कोच पांचवीं बार इस खिताब को जीतने से मात्र एक कदम दूर हैं।

बदला गया अफगानिस्तान-आयरलैंड वनडे सीरीज का कार्यक्रम

डबलिन। अफगानिस्तान और आयरलैंड के बीच होने वाली तीन मैचों की वनडे सीरीज के कार्यक्रम में बदलाव किया गया है। पहले इस सीरीज की शुरुआत 18 जनवरी से होनी थी लेकिन अब सीरीज की शुरुआत 21 जनवरी से होगी। तीन मैचों की वनडे सीरीज आईसीसी विश्व कप सुपर लीग का हिस्सा है। सीरीज के तीन मैच शेख जाएद स्टेडियम में 18, 21 और 23 जनवरी को खेले जाने थे लेकिन अब यह मैच 21, 24 और 26 जनवरी को इसी स्टेडियम में खेले जाएंगे। क्रिकेट आयरलैंड के निदेशक रिचार्ड होल्डस्वर्थ ने कहा है कि वह नए कार्यक्रम को लेकर तैयार हैं। होल्डस्वर्थ ने बुधवार को कहा, हमने अफगानिस्तान क्रिकेट बोर्ड (एसीबी) के टूर को विस्तार देने की अपील को मान लिया है। हम समझते हैं कि अफगानिस्तान टीम के देर से आने और उनकी क्वारंटीन स्थिति को देखते हुए पुराना कार्यक्रम संभव नहीं हो सकेगा। उन्होंने कहा, हम विश्व कप सुपर सीरीज को ध्यान में रखते हुए एक शानदार सीरीज के लिए पूरी तरह से तैयार हैं। लेकिन इससे पहले हमारा ध्यान यूएई के साथ होने वाली चार मैचों की वनडे सीरीज पर है। संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) और आयरलैंड के बीच चार वनडे मैचों की सीरीज की शुरुआत शुक्रवार से हो रही है।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

एसएमएस की बीमारी युवाओं पर भारी

बिना बात की बात करने में माहिर युवाओं को एसएमएस की लत महंगी साबित हो रही है। इससे उनकी जेब तो ढीली हो ही रही है, उनकी रातों की नींद हराम होने के साथ ही मानसिक शांति भी गायब सी होती जा रही है। इस समस्या से सबसे ज्यादा पीड़ति हो रहे हैं टीनएजर्स, क्योंकि एसएमएस का चस्का उनमें सबसे ज्यादा है। एसएमएस की लतों से मानसिक रूप से परेशान और बैचेन अनेक युवा इन दिनों मनोचिकित्सकों के पास पहुंच रहे हैं।

एसएमएस की वजह से क्या-क्या परेशानियां आ रही हैं और इनसे किस तरह निजात पाई जा सकती है, जानें एक्सपर्ट सलाह पर आधारित जितेंद्र सूर्यवंशी की इस रिपोर्ट में। कंपनियों द्वारा कम पैसे में दी गई एसएमएस की सुविधा युवाओं के लिए दुविधा साबित हो रही है। मनोचिकित्सकों के पास पहुंच रहे ज्यादातर मामलों में यह बात सामने आई है कि एसएमएस की लत मानसिक शांति और सेहत के लिए खतरनाक साबित हो रही है। इससे क्रोध बढ़ने के अलावा बैचेनी और अनिद्रा जैसी समस्याएं हो रही हैं। यही नहीं, एसएमएस का लगातार प्रयोग करने वाले युवाओं में अवसाद के साथ ही डर की भावना भी पैदा हो रही है। दरअसल, एसएमएस के जरिए दोस्तों से हर वक्त संपर्क में रहने के चलते युवाओं की दिनचर्या पूरी तरह गड़बड़ा गई है, इससे उनकी पढ़ाई भी प्रभावित हो रही है। देर रात तक मोबाइल में संदेश के माध्यम से बात करने के कारण अधिकांश युवा गहरी नींद भी नहीं ले पा रहे हैं। कुछ रोचक मामलों में यह भी शामिल है कि अधिकांश युवा अक्सर अपने मोबाइल को इसलिए देखते रहते हैं कि शायद कोई एसएमएस आया हो, लेकिन प्राय: उनके लिए कोई एसएमएस नहीं होता। कई युवा तो ऐसे भी हैं जिन्हें अपने सहपाठियों से एसएमएस का जवाब नहीं मिलने पर वह निराशा और चिंता में भी डूब गए हैं, इससे उनके मन में एक तरह का अवसाद घर कर गया है कि कोई उनके संपर्क में रहना पंसद नहीं कर रहा है।

युवाओं से बातचीत में यह खुलासा हुआ कि वह बिना किसी वाजिब वजह के प्रतिदिन 150-200 तक एसएमएस कर देते हैं। इस मामले में टीनएजर्स युवतियां लड़कों से कहीं आगे हैं, क्योंकि लड़के जहां 50-100 एसएमएस ही कर पाते हैं, जबकि लड़कियां रोजाना 200 एसएमएस तक करती हैं। मजे की बात यह है कि एसएमएस के इस सिलसिले में बिना बात की बात या यूं कहें कि टाइम पास करने के लिए बेतुकी बातें ही होती हैं। इसमें सुबह से लेकर रात्रि तक की रूटीन बातें, पसंद-नापसंद, हॉबी, गपशप, घुमने-फिरने तक की बातें शामिल हैं।

यह समस्याएं आ रहीं सामने

मनोचिकित्सक रूमा भट्टाचार्य ने बताया कि फिलहाल एसएमएस की लत से परेशान हो चुके युवाओं के जो मामले उनके पास आ रहे हैं उनमें सबसे ज्यादा शिकायतें अनिद्रा, अवसाद, कम भूख, ब्रेन ट्यूमर, गुस्सा, बैचेनी और क्रोधित होने जैसे लक्षण दिखाई दे रहे हैं।

उन्होंने बताया कि उनके पास आने वाले ज्यादातर युवाओं में यह शिकायत आम है कि वह सोते समय मोबाइल अपने पास में ही रखते हैं, इससे वह पूरी नींद नहीं ले पाते, क्योंकि एसएमएस आने या मोबाइल पर कॉल आते ही उनकी नींद खुल जाती है। प्राय: एसएमएस मिलने पर युवा नींद तोड़कर उसे पढ़ते हैं, जिससे उनकी नींद प्रभावित हो रही है।

ज्यादातर युवाओं में यह शिकायत भी है कि वह मैसेज की आशंका से हर कुछ ही सैकंड के बाद अपना मोबाइल देखते हैं और लगातार मैसेज टाइप करने की वजह से उनके अंगूठे और कलाई के बीच दर्द रहता है।

इसी तरह वरिष्ठ मनोचिकित्सक डॉ आरएन साहू ने बताया कि कुछ मामले ऐसे भी हैं जिनमें युवाओं ने स्वीकार किया है कि यदि वह एसएमएस करते हैं और रिप्लाई नहीं मिलता तो वह बैचेन हो जाते हैं और उनमें हीनभावना आने लगती है। इस स्थिति को टेक्स्टाफ्रेनिया कहा जाता है। उन्होंने बताया किए ऐसे मामले आए दिन सामने आ रहे हैं।

ऐसे पाएं निजात

वरिष्ठ मनोचिकित्सक डॉ आरएन साहू कहते हैं कि इस समस्या से छुटकारा पाने का बेहतर रास्ता तो यही है कि मोबाइल का उपयोग कम से कम किया जाए। एसएमएस ही नहीं, बल्कि बातचीत में भी इसका उपयोग सीमित हो, क्योंकि यह सेहत के लिए बेहद खतरनाक साबित हो सकता है।

युवाओं को चाहिए कि वह जरूरी होने पर ही एसएमएस करें। एसएमएस को गप्पबाजी या टाइम पास का माध्यम न बनाएं। जितनी भी बातें करनी है वह मिलकर करें। खासकर देर रात तक एसएमएस से बात करने से बचें एवं सोते समय मोबाइल अपने पास में न रखें, बेहतर होगा कि सोने से पहले मोबाइल बंद कर दें।

अकेलापन मिटाने का जरिया

एक मेडिकल स्टूडेंट बताते हैं कि वह रोजाना 100 से अधिक एसएमएस कर देते हैं, सिर्फ इसलिए कि उन्हें एसएमएस से बातें करना अच्छा लगता है, टाइम पास हो जाता है और अकेलेपन से भी मुक्ति मिल जाती है। स्टूडेंट ने यह स्वीकार करते हैं कि इससे उनकी पढ़ाई बेहद प्रभावित हुई है और नींद भी उड़ गई है, क्योंकि कई बार उन्हें नींद में भी ऐसा लगता है कि मोबाइल पर कोई एसएमएस आया है, इससे नींद खुल जाती है।

इंजीनियरिंग के स्टूडेंट रूपेश त्यागी का कहना है कि मेरे लिए एसएमएस नए-नए दोस्त बनाने का जरिया है और मैं इसके लिए हमेशा एसएमएस का सहारा लेता हूं, क्योंकि यह सस्ता भी है। लेकिन फिलहाल वह एसएमएस से बेहद परेशान हो चुके हैं, उनका कहना है कि शुरू में तो कोई परेशानी नहीं थी, लेकिन अब इतने अधिक एसएमएस आने लगे हैं कि मोबाइल देखकर ही सिरदर्द होने लगता है और मैं कभी-कभी एसएमएस भेजने वाले दोस्तों पर क्रोधित हो जाता हूं।

अगर खुजली से हैं परेशान तो इन्हें आजमाइए

खुजली एक त्वचा रोग है, जिससे व्यक्ति काफी परेशान और निराश हो जाता है। खुजली के लिए सबसे कारगर उपाय है तेल की मालिश जिससे रूखी और बेजान त्वचा को नमी मिलती है। चलिए जानते हैं खुजली के कुछ घरेलू इलाज।

1. खुजली होने पर प्राथमिक सावधानी के तौर पर सफाई का पूरा ध्यान रखिए।
2. साबुन का प्रयोग जितना भी हो सकता है कम कर दें और सिर्फ मृदु साबुन का ही प्रयोग करें।
3. कभी कभी त्वचा को सुगंधित पदार्थों, क्रीम, लोशन, शैंपू, जूतों या कपड़ों में पाए जाने वाले रसायनों से भी एलर्जि हो जाती है। इसलिए सही तरीके का लोशन इत्यादि ही लगाएं।
4. अगर आपको कब्जा है तो उसका भी इलाज करवाएं।
5. हफ्ते में दो बार मुल्तानी मिट्टी और नीम की पत्ती का लेप लगाएं, उसके बाद साफ पानी से शरीर को धो लें।
6. थोडा सा कपूर लेकर उसमें दो बड़े चम्मच नारियल का तेल मिलाकर खुजली वाले स्थान पर नियमित लगाने से खुजली मिट जाती है। हां, तेल को हल्का सा गरम करके ही कपूर में मिलाए।
7. यदि जनेंद्रिय पर खुजली की शिकायत हो, तो गर्म पानी में फिटकरी मिलाकर उसे लगाएं।
8. नारियल तेल का दो चम्मच लेकर उसमें एक चम्मच टमाटर का रस मिलाइए। फिर खुजली वाले स्थान पर भली प्रकार से मालिश करिए। उसके कुछ समय बाद गर्म पानी से स्नान कर लें। एक सप्ताह ऐसा लगातार करने से खुजली मिट जाएगी।
9. यदि गेहूं के आटे को पानी में घोल कर उसका लेप लगाया जाए, तो विविध चर्म रोग, खुजली, टीस, फोडे-फुंसी के अलावा आग से जले हुए घाव में भी राहत मिलती है।
10. सवेरे खाली पेट 30-35 ग्राम नीम का रस पीने से चर्म रोगों में लाभ होता है, क्योंकि नीम का रस रक्त को साफ करता है।
11. खुजली से परेशान लोगों को चीनी और मिठाई नहीं खानी चाहिए। परवल का साग, टमाटर, नीबू का रस आदि का सेवन लाभप्रद है।

जुकाम में खूब खाएं, बुखार में नहीं

एक कहावत है, फीड ए कोल्ड, स्टार्व ए फीवर। यानी जुकाम के समय खूब खाओ और बुखार के समय भूखे रहो। लगता है इस कहावत में कुछ दम है। भरपेट खाने और भूखे रहने के असर शरीर के प्रतिरक्षा तंत्र पर एकदम अलग-अलग होते हैं। वैसे डॉक्टर उक्त कहावत को ज्यादा महत्व नहीं देते। एम्सटर्डम के एकेडमिक मेडिकल सेंटर में किए गए अनुसंधान से कुछ रोचक परिणाम प्राप्त हुए हैं। पता चला है कि भरपेट भोजन करने से प्रतिरक्षा तंत्र का एक पक्ष प्रेरित होता है। यह जुकाम पैदा करने वाले वायरसों का सफाया करता है, जबकि भूखे रहने से प्रतिरक्षा तंत्र का वह पक्ष सक्रिय होता है, जो बुखार के लिए उत्तरदायी बैक्टीरिया का सामना करता है। सेंटर के वैज्ञानिक गिस वान डेन ब्रिन्क और उनके साथियों ने एक क्रिसमस दावत के दौरान अतिथियों के रक्त के नमूने प्राप्त किए। वे देखना चाहते थे कि क्या प्रतिरक्षा तंत्र पर अल्कोहल का कोई असर होता है? पता चला कि अल्कोहल का तो कोई असर नहीं होता, लेकिन भोजन का असर अवश्य होता है। यह देखकर वैज्ञानिकों ने छह लोगों से अनुरोध किया कि वे एक रात भूखे रहें और फिर अगले दिन सुबह प्रयोगशाला में आएं। इन्हीं लोगों को एक बार तरल भोजन देकर भी परीक्षण किए गए। देखने में आया कि तरल भोजन के लगभग 6 घंटे बाद उनके खून में गामा इंटरफेरॉन की मात्रा सामान्य से चौगुनी हो गई थी। गामा इंटरफेरॉन उन तमाम कोशिकाओं को नष्ट करती है, जिसमें कोई विषाणु (वायरस) घुस चुका हो। यह प्रतिरक्षा मूलत: वायरसों के विरुद्ध काम करती है। लगता है कि भरपेट भोजन इसे बढ़ावा देता है। दूसरी ओर, जब इन्हें सिर्फ पानी पिलाया गया तो उनमें इंटरफेरॉन की मात्रा में तो थोड़ी सी कमी आई मगर एक अन्य रासायनिक संदेशवाहक इंटरल्यूकीन-4 की मात्रा चौगुनी हो गई। इंटरल्यूकीन-4 हमारी कोशिकाओं के बाहर मंडराते रोगजनक तत्वों पर हमला करता है। बैक्टीरिया आमतौर पर यही करते हैं, कोशिकाओं के बाहर टहलते रहते हैं। इनमें से कई बैक्टीरिया बुखार के कारक हैं। वैसे ब्रिन्क ने चेतावनी दी कि यह एक बहुत छोटा सा अध्ययन है। लोगों को इसके आधार पर अपने तौर-तरीके बदलने की उतावली नहीं करनी चाहिए। वैसे एक अन्य अध्ययन ने भी इस निष्कर्ष की पुष्टि की है। एम्सटर्डम के ही फ्री यूनिवर्सिटी हॉस्पिटल में किए गए इस अध्ययन में पता चला है कि ग्लूटैमीन नामक एक अमीनो अम्ल भी इंटरफेरॉन जैसी प्रतिरक्षा को बढ़ावा देता है।

वजन कम ना होने के पांच मुख्य कारण

अगर आपको ऐसा लगता है कि आपके बार-बार जिम जाने से भी आपके वजन में कोई परिवर्तन नहीं दिख रहा है, तो इसके पीछे भी कई कारण हो सकते हैं। पूरी तरह से वजन कम करने के लिए कई ऐसे उपाए हैं जो काफी कारक हैं। जिनमें से सही तरीके से लिया गया आहार और व्यायाम सर्वक्षेष्ठ स्थान रखता है। पर इसके अलावा भी ऐसे और भी कारण हो सकते हैं जिनकी वजह से आपके वजन में कोई परिवर्तन देखने को नहीं मिलता। चलिए बात करते हैं इन्हीं कारणों की।

पांच महत्तवपूर्ण कारण क्या हैं-

1. अनुचित डाइट प्लैन: आपको जरुरत है ऐसी आहार योजना कि जो खास आपके शरीर की जरुरत के हिसाब से तैयार की गई हो। इसको तैयार करने के लिए यह देखना बहुत जरुरी है कि आप कौन सा कार्य करते हैं और आपकी रोज़ की दिनचर्या कैसी है। अगर आप रोज़ जिम जाते हैं और वापस घर पर आकर दिन भर सोते रहते हैं तो किसी भी प्रकार का डाइट प्लैन अपको पतला नहीं कर पाएगा।

2. ब्रेकिगं प्वांइट: यहां पर ब्रेकिगं प्वांइट हम उसे कहते हैं, जिस समय ब्यक्ति का वजन कम होना शुरू हो जाता है। अगर आप ऐसा सोंचते हैं कि एक्सरसाइज करने के तुरंत बाद ही आपका वजन कम होने लगेगा तो ऐसा नहीं होता। सबसे पहले शरीर में से पानी, फिर ऊर्जा और अंत में वसा कम होना शुरु होता है। हर ब्यक्ति का ब्रेकिगं प्वांइट अलग अलग होता है। जहां कई लोग चार ही दिनों में किलो भर वजन कम कर लेते हैं, वहीं पर कुछ लोगों का वजन दो हफ्ते बाद भी वैसा ही रहता है। इसलिए आपको कभी भी हिम्मत नहीं हारनी चाहिए।

3. व्यायाम की सही योजना: अगर आप काफी समय से सिर्फ वही पुरानी एक्सरसाइज कर रहे हैं तो आपके शरीर को उसकी आदत हो जाएगी। इसलिए आपको अपनी एक्सरसाइज को कुछ कुछ दिनों या महीनों पर परिवर्तित कर लेना चाहिए।

4. कार्डियो और वेट ट्रेनिगं का उचित मिश्रण: वर्कआउट हमेशा इन्ही दो महत्वपूर्ण भागों में बंटा होता है। आपको वजन कम करने के लिए हमेशा 80 प्रतिशत कार्डियो करना चाहिए। जिसमें ट्रेडमिल, साइकिलिगं और जौगिगं शामिल होती है। वेट ट्रेनिगं मासपेशियों को टोन करने के लिए किया जाता है।

5. हार्मोनल असंतुलन: अगर फिर भी आपका वजन कम होने का नाम नहीं ले रहा है तो शायद शरीर में आंतरिक रूप से ही कोई समस्या हो। थाइरॉइड ग्लैन्ड के सही से काम ना कर पाने की वजह से भी वजन कम नहीं होता चाहे आप कितनी भी कोशिश क्यूं ना कर लें।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

हिंसा के बाद माने ट्रंप, बाइडेन को 'व्यवस्थित' तरीके से सौंप देंगे सत्ता

वाशिंगटन :

अमेरिकी संसद में भड़की हिंसा से हो रहे नुकसान व दुनिया भर से मिल रही आलोचना के बाद आखिर निवर्तमान राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप अपनी कुर्सी छोड़ने के लिए मान गए। ट्रंप ने बृहस्पतिवार को कहा कि 20 जनवरी को जो बाइडेन को ''व्यवस्थित तरीके से सत्ता का हस्तांतरण होगा। अमेरिका के अगले राष्ट्रपति के लिए बाइडेन और उपराष्ट्रपति के लिए कमला हैरिस की जीत को औपचारिक रूप से प्रमाणित किए जाने के लिए अमेरिकी संसद के संयुक्त सत्र के बाद ट्रंप का यह बयान आया है। ट्रंप ने एक बयान में कहा, ''हालांकि मैं चुनाव के नतीजों से पूरी तरह असहमत हूं, इसके बावजूद 20 जनवरी को व्यवस्थित तरीके से सत्ता का हस्तांतरण होगा। संसद में बाइडन(78) और हैरिस (59) की जीत की पुष्टि के बाद ट्रंप ने कहा कि इस निर्णय के साथ ''राष्ट्रपति के तौर पर शानदार पहले कार्यकाल का अंत हो गया है।'' चुनाव में धांधली के बारे में अपने दावों को दोहराते हुए ट्रंप ने कहा, ''अमेरिका को फिर से महान बनाने के लिए यह हमारे संघर्ष की शुरुआत है। बाइडेन और हैरिस 20 जनवरी को पद की शपथ लेंगे। कोविड-19 महामारी के कारण सादे तरीके से समारोह का आयोजन होगा। संसद के संयुक्त सत्र द्वारा बृहस्पतिवार तड़के औपचारिक रूप से बाइडन की जीत की पुष्टि कर दी गयी। इससे पहले कैपिटल बिल्डिंग (अमेरिकी संसद भवन) के भीतर ट्रंप समर्थकों ने जमकर हंगामा किया जिसके कारण चार लोगों की मौत हो गयी। हिंसा के कारण सांसदों को सुरक्षित स्थानों पर ले जाया गया। अमेरिका में तीन नवंबर को राष्ट्रपति चुनाव हुआ था। बाइडन और हैरिस को 306 इलेक्टोरल कॉलेज वोट मिले थे।

चीन में दुनिया का पहला उपग्रह-से-पृथ्वी क्वांटम संचार नेटवर्क स्थापित

बीजिंग।

32 साल पहले मानव के इतिहास में पहला क्वांटम संचार प्रयोगशाला में जन्म हुआ, जिसकी संचरण दूरी 32 सेंटीमीटर थी। लेकिन आज, चीनी लोगों ने इस दूरी को 1.4 करोड़ से अधिक गुना बढ़ाकर जमीन से अंतरिक्ष में बहु-उपयोगकर्ता संचार को बखूबी अंजाम दिया है। चीनी विज्ञान और प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय ने 7 जनवरी को घोषणा की कि चीनी वैज्ञानिक अनुसंधान टीम ने 4,600 किलोमीटर तक फैले उपग्रह-से-पृथ्वी (सैटेलाइट-टू-अर्थ) क्वांटम कुंजी के सफलतापूर्वक वितरण को साकार किया। यह इस बात का द्योतक है कि चीन ने अंतरिक्ष-पृथ्वी एकीकृत व्यापक क्षेत्र वाला क्वांटम संचार नेटवर्क का प्रोटोटाइप स्थापित किया है। संबंधित परिणाम ब्रिटिश नेचर पत्रिका में प्रकाशित हो चुका है। क्वांटम संचार क्वांटम प्रौद्योगिकी की तीन प्रमुख दिशाओं में से एक है। 20 से अधिक सालों के प्रयास से चीन इसी क्षेत्र में अग्रिम स्थान पर रहा। साल 2016 में चीन ने दुनिया के पहले क्वांटम विज्ञान प्रायोगिक उपग्रह मोजी को सफलतापूर्वक लॉन्च किया, और साल 2017 में विश्व का पहला क्वांटम सुरक्षित संचार ट्रंक पेइचिंग-शांगहाई ट्रंक लाइन का निर्माण पूरा किया। गौरतलब है कि पूरा नेटवर्क चीन के चार प्रांतों और तीन शहरों के 32 क्षेत्रों को कवर करता है, जिनमें पेइचिंग, चीनान, हेफेई और शांगहाई 4 क्वांटम शहर नेटवर्क शामिल हैं, जो दो उपग्रहों के जमीनी स्टेशनों के माध्यम से मोजी उपग्रह को जोड़ता है, और इसकी कुल दूरी 4600 किलोमीटर है। वर्तमान में यह वित्त, बिजली, सरकारी मामले और अन्य उद्योगों में 150 से अधिक उपयोगकताओं तक पहुंच रखता है।

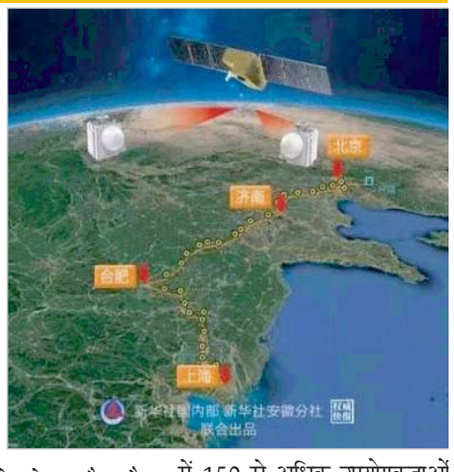

(साभार- चाइना मीडिया ग्रुप, पेइचिंग)

हांगकांग में राष्ट्रीय सुरक्षा कानून के तहत गिरफ्तार अमेरिकी वकील को मिली जमानत

इंटरनेशनल डेस्क :

हांगकांग में लोकतंत्र कार्यकर्ताओं और समर्थकों के साथ गिरफ्तार मानवाधिकार मामलों के अमेरिकी वकील जॉन क्लेंसी को अदालत ने जमानत दे दी है। हांगकांग में बुधवार को राष्ट्रीय सुरक्षा कानून के तहत 53 लोगों को गिरफ्तार किया गया था जिनमें जॉन क्लेंसी भी शामिल थे। पुलिस का मानना है कि इन सभी पर पिछले साल सरकार के कार्य में अवरोध पैदा करने और राज्य के खिलाफ काम करने का आरोप है। जॉन क्लेंसी यहां लॉ फर्म में काम करते हैं। ज्ञात हो कि हांगकांग में राष्ट्रीय सुरक्षा कानून लागू होने के विरोध में लोकतंत्र समर्थकों ने आंदोलन चलाया है। सरकार के विरोध में पिछले साल भर यह आंदोलन चलता रहा। इस आंदोलन में क्लेंसी की सक्रिय भूमिका रही थी। लोकतंत्र समर्थकों के इस आंदोलन में राजनीतिक संगठन के वह कोषाध्यक्ष हैं। बता दें कि हांगकांग में चीन के राष् ट्रीय सुरक्षा कानून तोड़ने के जुर्म में 50 से अधिक लोकतांत्रिक समर्थकों को गिरफ्तार करना स् थानीय मीडिया के अनुसार नए कानून के तहत लोकतांत्रिक विपक्ष के खिलाफ अब तक की सबसे बड़ी कार्रवाई थी।

डेमोक्रेटिक पार्टी के फेसबुक पेज के अनुसार, एशियाई वित्तीय केंद्र में गिरफ्तारियों में प्रसिद्ध लोकतांत्रिक हस्तियां और पूर्व कानूनविद् जेम्स टू, लाम चेउक-टिंग और लेस्टर शुम शामिल बताए गए थे।

दक्षिण अफगानिस्तान में हमलों में कम से कम 11 लोगों की मौत

काबुल।

दक्षिणी अफगानिस्तान में अलग अलग हमलों में कम से कम 11 नागरिकों और सुरक्षा कर्मियों की मौत हो गई। यह जानकारी अधिकारियों ने बृहस्पतिवार को दी। इस बीच अफगान वार्ताकार तालिबान के साथ वार्ता बहाल करने के लिए कतर में हैं जिसका उद्देश्य दशकों के संघर्ष की समाप्ति है। दक्षिणी उरुजगन प्रांत में एक आत्मघाती कार हमलावर ने बृहस्पतिवार तड़के एक सैन्य अड्डे के पास विस्फोटक से भरे वाहन में विस्फोट कर दिया जिसमें सुरक्षा बल के छह कर्मी मारे गए। यह जानकारी प्रांतीय परिषद के एक सदस्य ने दी जो मीडिया से बात करने के लिए अधिकृत नहीं थे। उरुजगन में प्रांतीय परिषद के उप प्रमुख मोहम्मद करीम करीमी ने प्रांतीय राजधानी तिरिन कोट स्थित सैन्य ठिकाने पर हमले की पुष्टि की लेकिन मारे गए व्यक्तियों की संख्या की जानकारी नहीं दी। प्रांतीय परिषद के प्रमुख अताउल्ला अफगान के अनुसार दक्षिणी हेलमंद प्रांत की राजधानी लश्कर गाह के बाहरी इलाके में बुधवार देर रात एक संदिग्ध हवाई हमले में कम से कम पांच नागरिकों की मौत हो गई और पांच अन्य घायल हो गए। उन्होंने कहा कि मारे गए व्यक्तियों में बच्चे और महिलाएं शामिल हैं। प्रांतीय गवर्नर अब्दुल नबी एलहम ने कहा कि अधिकारी यह पता लगाने के लिए जांच कर रहे हैं कि यह हवाई हमला था या कोई अन्य प्रकार का हमला। किसी ने भी हमले की तत्काल जिम्मेदारी नहीं ली है। अफगानिस्तान का एक वार्ता दल कतर की राजधानी दोहा में है जिसका उद्देश्य दशकों से जारी संघर्ष को समाप्त करना है। अमेरिका के निवर्तमान राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की मध्यस्थता से शुरू हुए अमेरिकी-तालिबान शांति समझौते को लेकर संदेह बढ़ने के बीच बातचीत रुक-रुक कर हो रही है।

संक्षिप्त समाचार

अमेरिकी सेना के पहले CIO बने भारत के डॉ राज अय्यर, कभी ट्यूशन फीस भरने तक के नहीं थे पैसे

इंटरनेशनल डेस्क। भारतीय मूल के डॉ.राज अय्यर अमेरिकी सेना के पहले मुख्य सूचना अधिकारी (Chief Information Officer) नियुक्त किए गए हैं। पेंटागन ने जुलाई 2020 में इस पद को सृजित किया था। पेंटागन ने एक बयान में बताया कि अमेरिकी रक्षा मंत्रालय में यह शीर्ष पदों में से है। बयान के मुताबिक इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग में स्नातक करने वाले अय्यर सेना के सचिव के प्रधान सलाहकार हैं और सूचना प्रबंधन /सूचना प्रौद्योगिकी में सचिव का सीधे तौर पर प्रतिनिधित्व कर चुके हैं। अमेरिकी सेना में तीन सितारा जनरल के समकक्ष इस पद को ग्रहण करने वाले अय्यर सेना में सूचना प्रौद्योगिकी के 16 अरब डॉलर के वार्षिक बजट पर मार्गदर्शन करेंगे और 100 देशों में तैनात करीब 15 हजार असैन्य एवं सैन्य कर्मी उनके अधीन काम करेंगे। अय्यर प्रतिद्वंद्वी चीन एवं रूस के खिलाफ अमेरिकी सेना को डिजिटल स्तर पर मुकाबला करने के लिए आधुनिकीकरण एवं नीतियों के क्रियान्वयन में मार्गदर्शन करेंगे। उल्लेखनीय है कि अय्यर मूल रूप से तमिलनाडु के तिरुचिरापल्ली के रहने वाले हैं। उन्होंने तिरूचि के राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान से स्नातक किया और आगे की पढ़ाई के लिए अमेरिका चले आए। अय्यर जब अमेरिका आए थे तो उनके पास ट्यूशन फीस भरने के लिए भी रुपए भी नहीं थे और उनके पिता की जीवनभर की जमापूंजी केवल एक सेमेस्टर की फीस भरने पर खर्च हो गई थी लेकिन जल्द ही उन्होंने छात्रवृत्ति प्राप्त की और अपनी पढ़ाई पूरी की।।

बीजिंग में ठंड ने 5 दशकों का तोड़ा रिकार्ड

बीजिंग

चीन की राजधानी बीजिंग में शीतलहर के कारण बृहस्पतिवार सुबह न्यूनतम तापमान शून्य से 19.6 डिग्री सेल्सियस नीचे चला गया। वर्ष 1966 के बाद पहली बार इतनी सर्द सुबह रही। बीजिंग नगर निगम के मौसम विज्ञान केंद्र के प्रमुख लेई लेई ने कहा कि बृहस्पतिवार सुबह जनवरी का सबसे न्यूनतम तापमान दर्ज किया गया। उन्होंने बताया कि बुधवार से ही शीतलहर चल रही है जिससे तापमान गिर गया है। मौसम विभाग ने चार स्तरीय पूर्वानुमान प्रणाली के तहत शहर के लिए 'ब्लू अलर्ट' को जारी रखा है। बीजिंग के डेक्सिंग जिले में राष्ट्रीय मौसम विज्ञान केंद्र नानीजाओ स्टेशन की शुरुआत 1912 में हुई थी। विशेषज्ञ तापमान में तुलना के लिए नानीजाओ स्टेशन के आंकड़ों का इस्तेमाल करते हैं। लेई ने कहा कि शुक्रवार तक शीतलहर जारी रहने का अनुमान है और न्यूनतम तापमान शून्य से नीचे ही रहेगा। हालांकि, शनिवार से तापमान में बढ़ोतरी होने की संभावना है।

हांगकांग निवासियों ने अमेरिका में हिंसा को लोकतंत्र के लिए बताया झटका

इंटरनेशनल डेस्क :

हांगकांग के निवासियों ने राजनीतिक विचारों से ऊपर उठ कर एक स्वर में यूएस कैपिटल (अमेरिकी संसद भवन) में भीड़ के हमले की निंदा की है। यह घटना वृहद लोकतंत्र की मांग को लेकर प्रदर्शनकारियों द्वारा हांगकांग के संसद भवन में घुसने के 18 महीने बाद हुई है। लोकतंत्र समर्थक कार्यकर्ताओं ने कहा कि बुधवार की हिंसा से अमेरिका की साख और लोकतंत्र को झटका लगा है। हांगकांग में चीन समर्थन संस्थान ने भी हिंसा को अस्वीकार्य करार देते हुए इसे संभावित विद्रोह करार दिया है। अमेरिकी संसद भवन पर हमले की घटना हांगकांग में 53 लोकतंत्र समर्थकों की गिरफ्तारी के एक दिन बाद हुई है। हांगकांग के अधिकारियों के अनुसार गिरफ्तार किए गए लोगों पर संदेह है कि उन्होंने विधायिका में बहुमत हासिल करने की अपनी योजना के माध्यम से सरकार को पंगु बनाने की कोशिश की, ताकि ऐसे हालात पैदा हो जाएं, जिनके कारण हांगकांग की शीर्ष नेता को इस्तीफा देना पड़े और सरकार का कामकाज बंद हो जाए। लोकतंत्र समर्थक और वर्ष 1989 में बीजिंग द्वारा थियानमेन चौक पर प्रदर्शनकारियों के दमन की याद में हर साल कार्यक्रम आयोजित करने वाले ली चीयूक यान ने कहा कि वाशिंगटन में हिंसा से अमेरिकी लोकतांत्रिक मूल्य के तर्क कमजोर हुए हैं। उन्होंने कहा, '' हमारे लिए यह देखना दुखदायक है कि भीड़ कैपिटल हिल पर हमला कर रही है और चुनाव के नतीजों को निष्प्रभावी करने की कोशिश कर रही है। हम हांगकांग के लोग लोकतंत्र के लिए लड़ रहे हैं जिसमें सभी को मत देने का अधिकार हो, लेकिन जब हम अमेरिका की ओर देखते हैं तो वहां अब लोगों की इच्छा को हिंसा से बदलने की कोशिश हो रही है।'' बीजिंग समर्थक सांसद रेगिना इप ने चुनावी नतीजों को बदलने के लिए हिंसा को 'बहुत ही गंभीर' करार दिया और कहा कि इसे बगावत की तरह देखा जाना चाहिए।

आतंकी मसूद अजहर के खिलाफ गिरफ्तारी वारंट जारी, पुलवामा आतंकी हमले का है मास्टरमाइंड

इंटरनेशनल डेस्क :

एक महत्वपूर्ण घटनाक्रम में, पाकिस्तान की आतंक रोधी अदालत ने आतंकवाद के वित्तपोषण के आरोपों पर प्रतिबंधित जैश-ए-मोहम्मद (जेईएम) के प्रमुख मसूद अजहर के लिए बृहस्पतिवार को गिरफ्तारी वारंट जारी किया। गुजरांवाला आतंकरोधी अदालत (एटीसी) ने जेईएम के कुछ सदस्यों के खिलाफ पंजाब पुलिस के आतंक रोधी विभाग (सीटीडी) द्वारा शुरू आतंक के वित्तपोषण मामले की सुनवाई के दौरान वारंट जारी किया। एक अधिकारी ने बताया, '' एटीसी गुजरांवाला न्यायाधीश नताशा नसीम सुप्रा ने मसूद अजहर के लिए गिरफ्तारी वारंट जारी किया है और सीटीडी को उसे गिरफ्तार कर अदालत मं पेश करने का निर्देश दिया है। सीटीडी ने न्यायाधीश को बताया कि जेईएम प्रमुख आतंक के वित्तपोषण में संलिप्त था और वह जेहादी साहित्य बेचता है।'' उन्होंने बताया कि सीटीडी के एक निरीक्षक के अनुरोध पर एटीसी न्यायाधीश ने अजहर के लिए गिरफ्तारी वारंट जारी किया। समझा जाता है कि अजहर अपने पैतृक शहर बहावलपुर में कहीं 'सुरक्षित स्थान' पर छिपा हुआ है। भारत में फरवरी 2019 में पुलवामा आतंकी हमले के बाद पाकिस्तान के पंजाब प्रांत की पुलिस ने आतंकवाद के वित्तपोषण के खिलाफ अभियान शुरू किया था और इस मामले में गुजरांवाला में जेईएम के छह कार्यकर्ताओं को गिरफ्तार किया था। गुजरांवाला, लाहौर से करीब 130 किलोमीटर की दूरी पर स्थित है। सीटीडी ने कहा कि उसकी टीमों ने जेईएम के 'सुरक्षित ठिकानों' पर छापेमारी की और संगठन के कुछ सदस्यों को गिरफ्तार किया और उनके पास से लाखों रुपये नकदी बरामद की। पुलवामा हमले के बाद अंतरराष्ट्रीय दबाव बढ़ने पर पाकिस्तान सरकार ने जेईएम प्रमुख के बेटे और भाई समेत प्रतिबंधित आतंकी संगठन के 100 से ज्यादा सदस्यों को गिरफ्तार किया था। सरकार ने जेईएम, मुंबई आतंकी हमले के सरगना हाफिज सईद के जमात उद दावा (जेयूडी) और फलाहई इंसानियत फाउंडेशन (एफआईएफ) की संपत्तियों को अपने कब्जे में ले लिया था। पुलवामा आतंकी हमले की जिम्मेदारी जेईएम ने ली थी। पाकिस्तान की पंजाब सरकार ने बहावलपुर में मदरसा और जामा मस्जिद सुभानल्लाह समेत जेईएम मुख्यालय पर नियंत्रण का दावा किया है। सरकार के मुताबिक वहां 600 छात्र पढ़ाई करते हैं और उनमें से कोई भी आतंकी संगठन से नहीं जुड़ा है।

आस्ट्रेलिया के प्रधानमंत्री ने कोरोना की नई किस्म को लेकर बुलाई खास बैठक

कैनबरा। ऑस्ट्रेलिया के प्रधानमंत्री स्कॉट मॉरिसन ने कोरोना के नए प्रकार को लेकर शुक्रवार को एक विशेष नेताओं की बैठक बुलाई है। समाचार एजेंसी सिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार, बुधवार शाम मॉरिसन ने घोषणा की कि राष्ट्रीय मंत्रिमंडल की बैठक, जिसमें प्रधानमंत्री और राज्य और क्षेत्र के नेता शामिल हैं, अंतर्राष्ट्रीय स्वास्थ्य सुरक्षा प्रधान समिति (एएचपीपीसी) के एक प्रस्ताव पर ध्यान केंद्रित करेंगे, ताकि अंतर्राष्ट्रीय कोरोनावायरस सुरक्षा को मजबूत किया जा सके। मॉरिसन ने सोशल मीडिया पर एक बयान में कहा, यह प्रस्ताव अंतर्राष्ट्रीय यात्रा प्रक्रियाओं में कोरोनावायरस से सुरक्षा को और मजबूत करने के लिए है। बैठक में कोरोनावायरस के खिलाफ टीकाकरण पर भी चर्चा होगी। राज्य के प्रीमियर और अधिकारियों ने नए वायरस के लेकर बढ़ती चिंताओं के बीच इससे पहली एक बैठक की गई थी। गुरुवार तक ऑस्ट्रेलिया में कोरोनावायरस के कुल 28,536 मामले पाए गए, जबकि इस वायरस से मरने वालों की संख्या बढ़कर 909 हो गई है।

पेरू ने चीनी कंपनी से कोविड-19 के टीके खरीदने की घोषणा की

बीजिंग। पेरू के राष्ट्रपति फ्रांसिस्को सागास्टी ने 6 दिसंबर को राष्ट्र को संबोधित करते हुए कहा कि पेरू ने चीनी कंपनी साइनो फार्म ग्रुप के साथ कोविड-19 का टीका खरीदने का समझौता संपन्न किया है। पहले जत्थे के टीके की 10 लाख खुराक इस महीने पेरू पहुंचेगी। सागास्टी ने बताया कि पेरू में साइनो फार्म के टीके के तीसरे चरण के क्लिनिकल परीक्षण से पता चला है कि यह टीका प्रभावी है। गत मार्च में पेरू में कोविड-19 महामारी पैदा होने के बाद चीन और पेरू के बीच घनिष्ठ सहयोग बना हुआ है। पिछले साल सितंबर में साइनो फार्म के टीके की क्लिनिकल परीक्षण टीम पेरू पहुंची। उसने पेरू के सायेटानो हेरेडिया युनिवर्सिटी और सान मार्कोस नेशनल युनिवर्सिटी के साथ क्लिनिकल परीक्षण किया। इन परीक्षणों के परिणामों ने साइनो फार्म के टीके की प्रभावकारिता साबित की।

आतंकियों के खिलाफ कार्रवाई करे अफगानिस्तान : पाकिस्तान

इस्लामाबाद। पाकिस्तान ने गुरुवार को खैबर पख्तूनख्वा में सीमा पार से की गई गोलीबारी में एक सैनिक के मारे जाने के बाद पड़ोसी अफगानिस्तान से आतंकवादियों के खिलाफ कार्रवाई करने की अपील की। समाचार एजेंसी सिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार, इस्लामाबाद में बुधवार रात जारी सेना के एक बयान में कहा गया है कि आतंकवादियों ने मोहमंद ट्राइबल जिले में अफगान सीमा से एक पाकिस्तानी सैन्य चौकी पर गोलीबारी की। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता जाहिद हाफिज चौधरी ने पाकिस्तान के खिलाफ गतिविधियों के लिए आतंकवादियों द्वारा अफगान के उपयोग की निंदा की। चौधरी ने एक बयान में कहा, पाकिस्तान अफगानिस्तान सरकार से पाकिस्तानी सुरक्षा बलों को निशाना बनाने के लिए अफगानिस्तान में शरण पाने वाले आतंकवादियों और आतंकवादी समूहों के खिलाफ तत्काल कार्रवाई करने का आह्वान करता है। पाकिस्तानी सुरक्षा अधिकारियों ने कहा कि आतंकवादियों ने देश के जनजातीय क्षेत्रों में बड़े अभियानों के परिणामस्वरूप अफगानिस्तान सीमा पार कर ली है। पाकिस्तान और अफगानिस्तान लगभग 2,600 किलोमीटर लंबी सीमा साझा करते हैं। अफगानिस्तान के कुनार प्रांत की सीमा से लगा हुआ मोहमंद पाकिस्तान के सात आदिवासी जिलों में से एक है, जो कभी तालिबान का गढ़ था।

ट्रम्प ने आखिरकार बाइडेन की जीत की पुष्टि की

वाशिंगटन।

नवंबर 2020 के चुनाव के बाद पहली बार, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने गुरुवार को प्रसिडेंट-इलेक्ट जो बाइडेन के खिलाफ हार स्वीकार कर ली। उन्होंने कांग्रेस द्वारा डेमोक्रेट के इलेक्टोरल कॉलेज की जीत के बाद कहा कि 20 जनवरी को सत्ता का हस्तांतरण होगा। उन्होंने कहा, भले ही मैं चुनाव के परिणाम से पूरी तरह असहमत हूं और यह तथ्य मुझे सहन नहीं होते, बावजूद इसके 20 जनवरी को सत्ता का हस्तांतरण होगा। ट्रंप ने कहा, मैंने हमेशा कहा है कि हम यह सुनिश्चित करने के लिए अपनी लड़ाई जारी रखेंगे कि केवल कानूनी वोटों की गिनती की जाए। ट्रम्प ने एक बयान में कहा, जबकि यह राष्ट्रपति के इतिहास में सबसे महानतम कार्यकाल का अंत है, लेकिन यह मेक अमेरिका ग्रेट अगेन के लिए हमारी लड़ाई की शुरूआत है। जो व्हाइट हाउस के वरिष्ठ सहयोगी डॉन स्क्रिनो ने सोशल मीडिया पर ट्रंप के बयान को पोस्ट किया, क्योंकि फेसबुक और ट्विटर ने राष्ट्रपति को अस्थायी रूप से ब्लॉक कर दिया है। गुरुवार सुबह करीब 4 बजे कांग्रेस के संयुक्त सत्र से पहले उपराष्ट्रपति माइक पेंस ने घोषणा की कि ट्रम्प का बयान आया है कि बाइडेन और उपराष्ट्रपति कमला हैरिस ने ट्रम्प और उनके 232 वोट के मुकाबले 306 वोटों से जीत दर्ज की। बुधवार की रात, सांसदों ने औपचारिक रूप से प्रत्येक राज्य के इलेक्टोरल कॉलेज के वोटों को श्रेणीबद्ध किया, जोकि बाइडेन के अमेरिका के राष्ट्रपति बनने से पहले एक अंतिम चरण है। ट्रम्प के हजारों समर्थकों ने अमेरिकी लोकतंत्र के गढ़ के रूप में माने जाने वाले कैपिटोल में तोड़ फोड़ की, जिसकी वजह से 3 नवंबर, 2020 के राष्ट्रपति चुनाव के लिए निर्वाचक मंडल के वोटों की गिनती की कार्यवाही को रोकने पर मजबूर होना पड़ा। सांसदों को सदन और सीनेट से बाहर निकालना पड़ा और कैपिटोल में तोड़फोड़ की गई। दंगाइयों में से एक जो सीनेट के चैंबर में घुस गया था, वह ट्रम्प के समर्थन में चिल्लाते हुए पीठासीन अधिकारी के लिए आरक्षित की गई कुर्सी पर बैठ गया। हिंसा के परिणामस्वरूप कम से कम चार लोग और 14 पुलिस अधिकारी घायल हुए हैं। साथ ही 52 लोगों को गिरफ्तार किया गया है।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

स्पाइसजेट की तीन नई उड़ानें-सूरत से कोलकाता के लिए दैनिक, पटना-वाराणसी के लिए भी शुरू

सूरत-पटना उड़ान सप्ताह में 3 दिन और सूरत-वाराणसी सप्ताह में 4 दिन

क्रांति समय दैनिक

स्पाइसजेट एयरलाइंस ने सूरत से कोलकाता के लिए दैनिक उड़ानें फिर से शुरूकर दी हैं। लेकिन यह फ्लाइट सप्ताह में तीन दिन कोलकाता और वाराणसी से कोलकाता के लिए सप्ताह में चार दिन है। एयरलाइन ने उड़ान अनुसूची भी घोषित की है। कोलकाता-सूरत-पटना-कोलकाता फ्लाइट *12* जनवरी से *27* मार्च तक चलेगी। इसी तरह, कोलकाता-सूरत-वाराणसी कोलकाता उड़ान *13* जनवरी से 26 मार्च तक चलेगी। स्पाइसजेट एयरलाइंस ने सूरत से कोलकाता के लिए उड़ान भरने से पहले संचालन किया।

स्पाइसजेट एयरलाइंस ने सूरत से कोलकाता के लिए उड़ान भरने से पहले संचालन किया। हालांकि, उस फ्लाइट में यात्रियों की संख्या कम थी। लेकिन

कोलकाता से सूरत आने वाले यात्रियों की संख्या अधिक थी। इस प्रकार, इस स्थिति को देखते हुए, यह पता चला कि एयरलाइंस ने 24 दिसंबर से उड़ान बुक की थी।

जैसे ही फ्लाइट कैंसिल हुई, कोलकाता से सूरत आने वाले यात्री गुम होने लगे। जिसके कारण चैंबर और डब्ल्यूडब्ल्यूडब्ल्यूएएस द्वारा उड़ानों को फिर से शुरूकिया गया।

दोनों उड़ानों का शेड्यूल

कोलकाता-सूरत-पटना-कोलकाता मार्ग

यह उड़ान सप्ताह में तीन दिन मंगलवार, गुरुवार और शनिवार को 12 जनवरी से 27 मार्च तक संचालित होगी। कोलकाता से उड़ान सुबह 9:00 बजे उड़ान भरेगी और 11:40 बजे सूरत में उतरेगी और वहाँ से 12:10 बजे उड़ान भरेगी और 14:40 बजे पटना से लैंड करेगी। इसके बाद 15:10 बजे उड़ान भरेगी और 16:15 बजे कोलकाता में लैंड करेगी।

कोलकाता सूरत-वाराणसी-कोलकाता

यह फ्लाइट 13 जनवरी से 26 मार्च तक सोमवार, बुधवार, शुक्रवार और रविवार को सप्ताह में चार दिन संचालित होगी। कोलकाता से उड़ान सुबह 9:00 बजे उड़ान भरेगी और 11:40 बजे सूरत में उतरेगी और वहाँ से 12:10 बजे उड़ान भरेगी और 13:50 बजे वाराणसी में लैंड करेगी। इसके बाद 14:30 बजे उड़ान भरेगी और 16:00 बजे कोलकाता में लैंड करेगी।

सूरत में घर के नाम पर दंपति ने व्यापारी को दिया धोखा व्यापारी ने अपने 12 लाख मांगे तो मिली दुष्कर्म में फंसाने की धमकी

क्रांति समय दैनिक

सूरत। गुजरात के सूरत में एक मामले में एक व्यापारी से एक दंपति ने 12 लाख रुपये ले लिए और जब व्यापारी ने अपने पैसे मांगे तो उसने छेड़छाड़ और दुष्कर्म की धमकी दे दी। धोखाधड़ी से परेशान व्यापारी ने कटारगाम पुलिस स्टेशन में इस मामले में शिकायत दर्ज कराई है। जानकारी के मुताबिक सूरत के व्यापारी 56 वर्षीय करणभाई अंबाराम खोखानी

सूरत के वेसू बिग बाजार के पीछे स्वामी गुणितानगर सोसाइटी बंगला नंबर 10 में रहते हैं। करणभाई ने विजयनगर सोसाइटी में प्लॉट नंबर 33 में एक मकान 25 लाख रुपये में खरीदा था।

करणभाई ने बताया कि जिस मकान को उन्होंने खरीदा था उस पर लोन चल रहा था। अपना लोन खत्म करने के लिए मकान के मालिक प्रवीणभाई तलविया और उनकी पत्नी ने व्यापारी से 12 लाख रुपये मांगे। उन्होंने कहा कि 12 लाख रुपये वो बैंक में जमाकर व्यापारी को मकान के कागजात दे देंगे।

व्यापारी ने उन्हें 12 लाख रुपये दे दिए। चार महीने बाद भी जब व्यापारी करणभाई को मकान के कागजात नहीं मिले तो वह मकान मालिक के घर पर पहुंच गए। करणभाई का आरोप है कि वहां पहुंचने पर मकान मालिक और उसकी पत्नी ने उन्हें कागजात देने से इनकार कर दिया और कहा कि वह इस मामले में अब चुप रहें नहीं तो उनपर दुष्कर्म और छेड़छाड़ का आरोप लगा दिया जाएगा। इस मामले में आखिरकार अब कटारगाम पुलिस स्टेशन में दंपति के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई है।

सार-समाचार

नलिया राज्य का सबसे ठंडा शहर, सौराष्ट्र-कच्छ में तीन दिन कोल्डवेव

अहमदाबाद, शहर समेत समूचा गुजरात ठंड की चपेट में है, ऐसे में मौसम विभाग ने आगामी तीन दिन सौराष्ट्र-कच्छ में कोल्डवेव की संभावना व्यक्त की है। 5.6 डिग्री तापमान के साथ नलिया राज्य का सबसे ठंडा शहर रहा नलिया के बाद राजधानी गांधीनगर का न्यूनतम तापमान 10 डिग्री दर्ज हुआ। वहीं अमरेली में 10.2 डिग्री, पोरबंदर में 10.3 डिग्री, भुज में 10.4 डिग्री डीसा में 10.5 डिग्री, राजकोट में 10.8 डिग्री, सुरेन्द्रनगर में 11 डिग्री, अहमदाबाद में 11.6 डिग्री, वलसाड में 11 डिग्री, वल्लभविद्यानगर में 12.1 डिग्री, वडोदरा में 13.8 डिग्री, दीव में 14.1 डिग्री, देवभूमि द्वारका में 14.4 डिग्री, सूरत में 15.6 डिग्री और ओखा में 17.4 डिग्री न्यूनतम तापमान रिकार्ड किया गया। मौसम विभाग के मुताबिक अगले तीन दिन राज्य में ठंड का प्रमाण बढ़ेगा। खासकर सौराष्ट्र और कच्छ में शीतलहर होगी और राज्य ठंड का पारा और गिरेगा।

चार मरीजों ने कोरोना के नए स्ट्रेन को दी मात, अस्पताल से हुए डिस्चार्ज

अहमदाबाद, शहर के एसवीपी अस्पताल से कोरोना के नए स्ट्रेन को लेकर राहत की खबर आई है। अस्पताल में उपचाराधीन चार मरीज कोरोना के नए स्ट्रेन को मात देकर अपने घर लौट गए। चारों लोग ब्रिटन से आए थे और नए स्ट्रेन के लक्षण पाए जाने के बाद इन्हें अहमदाबाद के एसवीपी अस्पताल में दाखिल किया गया था। दरअसल ब्रिटन और यूरोप से आई फ्लाइट के यात्रियों में 11 लोगों की कोरोना रिपोर्ट पॉजिटिव आई थी। इन यात्रियों के सैंपल जांच के लिए पूणे और गांधीनगर की लैब में भेजे गए थे। जिसमें चार यात्री कोरोना के नए स्ट्रेन से संक्रमित होने का खुलासा हुआ था। इन चार मरीजों का अहमदाबाद के एसवीपी अस्पताल में उपचार चल रहा था। जहां एक सप्ताह के भीतर चारों मरीज कोरोना के नए स्ट्रेन को मात देकर ठीक हो चुके हैं। नए स्ट्रेन से स्वस्थ हो चुके चारों मरीजों को अस्पताल से डिस्चार्ज कर दिया गया है। गौरतलब है ब्रिटन में कहर बरपा रहे कोरोना के नए स्ट्रेन की गुजरात में एन्ट्री से लोगों में दहशत फैल गई थी। हरकत में आई सरकार ने फौरन एहतियाती कदम उठाने शुरूकर दिए। जिसका परिणाम यह आया कि कोरोना के नए स्ट्रेन से संक्रमित चारों मरीज अब ठीक होकर अपने घर लौट चुके हैं। हांलाकि इन चारों लोगों को एक सप्ताह तक होम कोरन्टाइन रहना होगा। राज्य की स्वास्थ्य सचिव जयंती रवि ने बताया कि ब्रिटन से अहमदाबाद आई फ्लाइट के सभी यात्रियों का स्क्रीनिंग किया गया था और उनके सैम्पल पूणे के लैब में भेजे गए थे। जिसमें चार यात्री नए स्ट्रेन से संक्रमित पाए। फ्लाइन में इन चारों यात्रियों के साथ यात्रा करने वाले आगे-पीछे की तीन पंक्तियों के सभी यात्री आइसोलेशन में हैं।

लव जेहाद का एक और मामला आया सामने, युवती से दुष्कर्म कर गर्भवती किया

अहमदाबाद, गुजरात में लव जेहाद का एक और मामला सामने आया है, जिसमें मुस्लिम युवक ने हिन्दू युवती को अपने प्रेमजाल में फांसकर उसके साथ दुष्कर्म किया। युवती के गर्भवती होने पर उससे शादी करने से भी इंकार कर दिया। पीड़िता की शिकायत के आधार पर पुलिस ने युवक के खिलाफ केस दर्ज कर मामले की जांच शुरूकी है। जानकारी के मुताबिक अहमदाबाद के वटवा क्षेत्र में रहनेवाली युवती की डेढ साल पहले सरफराजखान नामक युवक से परिचय हुआ। परिचय के बाद सरफराज ने युवती को अपने प्रेमजाल में फांस लिया। एक दिन युवती को नशीला पेय पिलाया और उसके साथ दुष्कर्म किया। जिसके बाद शादी की लालच देकर सरफराज युवती के साथ आए दिन दुष्कर्म करने लगा। इस दौरान उसने युवती से 2.70 लाख रुपए भी ऐंठ लिए। सरफराज से परेशा न होकर युवती दूसरी जगह रहने चली गई। लेकिन सरफराज ने उसका पीछा नहीं छोड़ा और युवती का नया पता हासिल कर लिया। युवती के नए घर में जाकर सरफराज उसके साथ जबरन शारीरिक संबंध बनाता। शादी का झांसा देकर सरफराज युवती के साथ आए दिन दुष्कर्म करता रहा। जिससे वह गर्भवती हो गई। युवती के गर्भवती होने पर सरफराज ने उससे शादी करने से इंकार कर दिया और गर्भपात करने की धमकी देने लगा। सरफराज से तंग आकर आखिरकार युवती ने उसके खिलाफ पुलिस थाने में रिपोर्ट दर्ज करवा दी। जिसके आधार पर पुलिस ने मामले की जांच शुरूकी है।

राज्य में कोरोना के 667 नए मरीज, 899 ठीक हुए, 3 मरीजों की मौत

अहमदाबाद, राज्य में कोरोना के केसों की संख्या लगातार घटती जा रही है। राज्य में आज कोरोने के 667 संक्रमित मरीज सामने आए, जबकि 899 मरीजों को ठीक होने के बाद डिस्चार्ज कर दिया गया। गुरुवार को अहमदाबाद समेत राज्य में कोरोना से तीन मरीजों की मौत हो गई। राज्य में कोरोना टेस्टिंग का आंकड़ा 1 करोड़ को पार कर गया है। स्वास्थ्य विभाग के मुताबिक बीते 24 घंटों में अहमदाबाद कॉर्पोरेशन में 129, सूरत कॉर्पोरेशन में 101, वडोदरा कॉरोप्रेशन में 91, राजकोट कॉर्पोरेशन में 62, वडोदरा में 28, सूरत में 19, राजकोट में 18, कच्छ में 17, भरुच में 16, भावनगर कॉर्पोरेशन और जामनगर कॉर्पोरेशन में 15-15, दाहोद और मेहसाणा में 14-14, जूनागढ़ में 12, आणंद और खेडा में 10-10 समेत राज्यभर में 667 कोरोना पॉजिटिव केस दर्ज हुए। जबकि 899 मरीज ठीक होकर अपने घर लौट गए। इस दौरान अहमदाबाद कॉर्पोरेशन में 2 और सूरत कॉर्पोरेशन में 1 समेत राज्य में 3 मरीजों की कोरोना से जान चली गई। राज्य में अब तक 10003606 लोगों का टेस्ट किया गया है। जिसमें 249913 कोरोना संक्रमित मरीज सामने आए इनमें से 237222 मरीज कोरोना को मात देकर स्वस्थ हो चुके हैं। जबकि 4332 मरीजों की कोरोना से मौत हो गई। फिलहाल राज्य में एक्टिव केसों की संख्या 8359 है,

जिसमें 8301 मरीज स्टेबल हैं और 58 मरीजों को वेन्टीलेटर पर रखा गया है। राज्य के विभिन्न जिलों में आज की तारीख में 493249 लोग कोरन्टाइन में हैं। जिसमें 493134 होम कोरन्टाइन और 115 लोगों को फैसिलिटी कोरन्टाइन में रखा गया है।

स्थानीय निकाय चुनाव से पहले गुजरात प्रदेश भाजपा के नए संगठन का ऐलान

क्रांति समय दैनिक

अहमदाबाद, राज्य में नगर निगम, नगर पालिका और जिला व तहसील पंचायतों के चुनाव से पहले गुजरात भाजपा के नए संगठन का आज ऐलान कर दिया है। संगठन की नई टीम में 7 उपाध्यक्ष, 5 महासचिव और 8 सचिवों की नियुक्ति की गई है। नई टीम में चार पुराने महासचिवों मनसुख मांडविया, कीर्ति पटेल, शब्दशरण ब्रह्मभट्ट और भरतसिंह परमार को हटा दिया गया है। इनकी जगह भार्गव, भट्ट, रजनी पटेल, प्रदीपसिंह वाघेला और विनोद चावड़ा को महासचिव बनाया गया है। आईके जाडेजा और भरत पंड्या को भी नई टीम में जगह नहीं मिली। गोरधन झडफिया को प्रदेश उपाध्यक्ष के तौर पर दोबारा अवसर दिया गया है। कुल मिलाकर पुरानी टीम में 90 प्रतिशत फेरबदल किया गया है। गुजरात भाजपा प्रमुख सीआर पाटील द्वारा गुरुवार को घोषित नई टीम में गोरधन झडफिया, जयंतिभाई कवाडिया, महेन्द्रसिंह सरवैया, नंदाजी ठाकोर, कौशल्याकुंवरबा परमार, जनकभाई बगदाणावाला और वर्षाबेन दोशी समेत सात को उपाध्यक्ष बनाया गया है। भीखुभाई दलसाणिया, भार्गवभाई भट्ट रजनी पटेल, प्रदीपसिंह वाघेला और विनोदभाई चावडा को प्रदेश महासचिव नियुक्त किया गया है। जबकि महेशभाई कसवाला, रघुभाई हुंबल, पंकजभाई चौधरी, शीतलबेन सोनी, झवेरीभाई ठक्कर, नौकाबेन प्रजापति, जाह्नवीबेन व्यास और कैलाशबेन परमार को प्रदेश सचिव बनाया गया है। सुरेन्द्रभाई पटेल को प्रदेश कोषाध्यक्ष और धर्मेन्द्रभाई शाह को प्रदेश सह कोषाध्यक्ष की जिम्मेदारी दी गई है।

अमेरिका में एक और गुजराती की हत्या, शोक में डूबा परिवार

नवसारी,अमेरिका में एक और गुजराती की हत्या कर देने की घटना सामने आई है। दक्षिण गुजरात के नवसारी के गणदेवी के मूल निवासी और अमेरिका में अटलान्टा के रेड मोटेल में 52 वर्षीय मेहूलभाई वशी की एक अश्वैत ने गला घोंटकर हत्या कर दी। शोक संतप्त परिवार ने दोषियों के खिलाफ कड़ी से कड़ी कार्रवाई करने की मांग की है। नवसारी में इस घटना को लेकर कड़ी प्रतिक्रिया व्यक्तकी गई है। जानकारी के मुताबिक नवसारी जिले के गणदेवी के निवासी 86 रविन्द्रभाई मगनभाई वशी निवृत्त शिक्षक हैं। रविन्द्रभाई के पुत्र 52 वर्षीय मेहूलभाई वशी अमेरिका में ज्योर्जिया के ओगस्टा इवान्स में पत्नी हेतल, दो बेटियां आरोही और बीर्वा के साथ रहते थे। मेहूल वशी अटलान्टा के रेड मोटेल में बतौर जनरल मैनेजर सेवारत थे। जबकि उनकी पत्नी हेतल अटलान्टा की एक फैक्ट्री में नौकरी करने के साथ ही ब्यूटी पार्लर भी चलाती है। मेहूल वशी जिस मोटेल के जनरल मैनेजर थे, उसका रिनोवेशन का काम चल रहा था। जहां रिनोवेशन की बात को लेकर मेहूल वशी और एक अश्वैत शख्स के साथ कहासुनी हुई थी। जिसमें अश्वैत शख्स ने मेहूल वशी की गला घोंटकर हत्या कर दी। उस दौरान मेहूल वशी की जगह रात्रि शिफ्ट में आनेवाले कर्मचारी का फोन आया, जिसमें मेहूल के बारे में पूछा गया। जिसमें अश्वैत शख्स ने कहा कि मैंने मेहूल वशी को मार डाला है। जिसके बाद घटना के बारे में पुलिस को जानकारी दी गई।

8 जनवरी को रणुज - धिनोज स्टेशनों के बीच स्थित रेलवे क्रॉसिंग नं.17 बंद रहेगा

अहमदाबाद मण्डल के महेसाणा- पाटन रेलखण्ड के रणुज-धिनोज स्टेशनों के बीच स्थित रेलवे क्रॉसिंग नं. 17 KM.18/6-7 नियमित ट्रेक मेंटेनेस कार्य हेतु (एक दिन) 8 जनवरी 2021 को प्रातः 10:00 बजे से सायः 19:00 तक बंद रहेगा।

सड़क उपयोगकर्ता उक्त अवधि के दौरान रेलवे क्रॉसिंग नं. 21 एवं 13 से आवागमन कर सकते है।

10 हजार गांवों और 150 से अधिक शहरों तक पहुंचाया मां नर्मदा का नीरः मुख्यमंत्री

क्रांति समय दैनिक

अहमदाबाद, मुख्यमंत्री विजय रूपाणी ने कहा कि शास्त्रों में नर्मदा को पवित्र नदी माना गया है और नर्मदा एकमात्र ऐसी नदी है जिसकी परिक्रमा की जाती है, आज गुजरात में उसी पुण्यसलिला मां नर्मदा के नीर को 10 हजार गांवों और 150 से अधिक शहरों में इस सरकार ने पहुंचाया है और नागरिकों को घर बैठे पवित्र नर्मदा जल सुलभ हो रहा है। गुरुवार को पाटण जिले में जलापूर्ति विभाग के 198 करोड़ रुपए के कार्यों का शिलान्यास और 25 करोड़ रुपए की लागत से निर्मित समरस हॉस्टल के लोकार्पण सहित कुल 223 करोड़ रुपए के विकास कार्यों की भेंट देते हुए उन्होंने यह बात कही। मुख्यमंत्री ने कहा कि पानी के बिना विकास संभव नहीं है, गुजरात की विकास यात्रा को अविरत जारी रखने के लिए गुजरात को पानीदार राज्य बनाना है। इसके लिए पानी के स्रोत विकसित कर असंभव कार्य को संभव बनाते हुए राज्य के अंतिम व्यक्ति तक पीने का शुद्ध पानी पहुंचाया है। उन्होंने आगे कहा कि राज्य में पानी की समस्या को अतीत की बात बनाने के लिए सरकार ने जलापूर्ति और सिंचाई की व्यापक योजनाओं को सफलतापूर्वक साकार किया है।

रूपाणी ने कहा कि 'हर हाथ को काम, हर खेत को पानी' के नारे को सार्थक बनाने के लिए नर्मदा, उकाई, कडाणा, पानम, धरोई और दांतीवाड़ा जैसे बड़े डैमों के जरिए सिंचाई योजनाओं का कार्यक्षेत्र बढ़ाया गया है साथ ही राज्य में 1 लाख किलोमीटर लंबा पाइपलाइन वितरण नेटवर्क स्थापित कर राज्य के सुदूरवर्ती क्षेत्रों तक शुद्ध पेयजल इस सरकार ने पहुंचाया है। पूर्व में कांग्रेस के शासनकाल में नर्मदा डैम पर दरवाजे लगाने की मंजूरी नहीं मिलने के कारण पानी के बिना परेशान गुजरात की जनता की वेदना को व्यक्त करते हुए उन्होंने कहा कि तत्कालीन मुख्यमंत्री और मौजूदा प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने गुजरात की पानी की समस्या की चिंता की और प्रधानमंत्री बनने के 17 दिनों में ही नर्मदा डैम पर दरवाजे लगाने की अनुमति प्रदान कर नर्मदा का लाखों क्यूसेक मीठा पानी समुद्र में व्यर्थ बह जाने से रोका है जिससे विकास के नए द्वार खुल गए हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि गुजरात ने पावर ग्रिड स्थापित की है और ज्योतिग्राम योजना के जरिए गांवों में व्याप्त अंधकार को दूर किया है। गैस ग्रिड स्थापित करने वाला गुजरात देश का पहला राज्य है, इस पर खुशी जताते हुए उन्होंने कहा कि अब गुजरात में वाटर ग्रिड नेटवर्क की अनोखी दिशा अपनाई है। सिद्धराज जयसिंह और हेमचंद्राचार्य मुनि के साथ पाटण की इस पवित्र भूमि के जुड़ाव का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि सिद्धराज जयसिंह के शासन में निर्मित राणी की वाव (रानी की बावड़ी) जलापूर्ति के सुचारू प्रबंधन का बेजोड़ उदाहरण है। उन्होंने कहा कि गुजरात की स्थापना के बाद 40-42 वर्षों तक सत्ता की कमान संभालने वाले कांग्रेसी सत्ताधीशों ने गुजरात की पानी की समस्या को नजरअंदाज किया। कांग्रेस के शासनकाल में गुजरात की पहचान सूखाग्रस्त राज्य के रूप में थी। उस दौर में पानी का सुव्यवस्थित आयोजन नहीं होने के कारण लोगों को दो घड़े पानी के लिए भी कई किलोमीटर की दूरी तय करनी पड़ती थी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारे बुजुर्गों को पता है कि अतीत के दिनों में जमीने के गड्ढों से पानी लेना पड़ता था जिसके कारण उस वक्तपथरी और हाथी पैर जैसे जलजनित रोगों से लोग पीड़ित रहते थे। स्थिति इतनी विकट थी कि पानी के अभाव में लोग अपने पशुधन के साथ पलायन कर जाते थे। लेकिन आज हम नर्मदा का पानी राज्य के लोगों तक पहुंचा रहे हैं। उन्होंने कहा कि सर्जिकल स्ट्राइक, राम मंदिर और कोरोना वैक्सीन की आलोचना करने वाले तत्व लोगों की भावनाओं के साथ खेल रहे हैं। हमारी सरकार जाति, धर्म और लिंग आधारित भेदभावों को समाज से दूर करने की दिशा में लगातार कार्यरत है। समरस समाज के निर्माण के लिए अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी), अनुसूचित जाति (एससी) और अनुसूचित जनजाति (एसटी) के साथ ही गैर आरक्षित समाज के सभी विद्यार्थी समरस हॉस्टल के निर्माण के जरिए एक छत के नीचे पढ़ाई करेंगे जिससे समाज में समरस भावना पैदा होगी। भूतकाल में चुनाव के दौरान ही किए जाने वाले शिलान्यास के नाटकों की आलोचना करते हुए उन्होंने कहा कि वोट मिलने के बाद वे उन योजनाओं को भूल जाते थे।

लेकिन यह सरकार जिन योजनाओं का शिलान्यास करती है, उसका लोकार्पण भी करती है, ऐसा समयबद्ध आयोजन किया है। गुजरात को 2022 तक सौ फीसदी नल से जल योजना के अंतर्गत कवर कर लेने का दृढ़ विश्वास व्यक्तकरते हुए श्री रूपाणी ने कहा कि देश के प्रधानमंत्री ने मूलभूत जरूरतों को प्रधानता दी है। सौ फीसदी शौचालय, बिजली, गैस कनेक्शन और पक्के आवासों का लाभ गरीबों को प्रदान किया है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि पिछले 4 वर्ष में राज्य में जल संचय योजना के माध्यम से तालाब गहरा करने, पानी की संग्रहण क्षमता बढ़ाने और नदियों को पुनर्जीवित करने के अनेक उम्दा कार्य किए गए हैं। दूषित पानी को शुद्ध करने वाले सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट (एसटीपी) शुरू किए गए हैं। इसके साथ ही समुद्र के खारे पानी को मीठे पानी में तब्दील करने के लिए राज्य में 5 जगहों पर डिसेलिनेशन प्लांट स्थापित किए जा रहे हैं।

जलापूर्ति मंत्री कुंवरजीभाई बावलिया ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने देश के सभी नागरिकों को शुद्ध पेयजल उपलब्ध कराने की चिंता करते हुए वर्ष 2019 में जल जीवन मिशन पूरे देश में कार्यान्वित किया है। इस मिशन को वर्ष २०२२ तक गुजरात में पूरा करने के लिए संवेदनशील मुख्यमंत्री ने सुचारूआयोजन किया है। बावलिया ने कहा कि पाटण जिले में आज नर्मदा मुख्य नहर आधारित शुद्ध पेयजल आपूर्ति के लिए राधनपुर शहर तथा राधनपुर और सांतलपुर तहसील के 127 गांवों की 173.73 करोड़ रुपए की जलापूर्ति योजना और हारिज शहर में 3 एमएलडी क्षमता के सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट के लिए 9.17 करोड़ रुपए तथा राधनपुर शहर में 6 एमएलडी क्षमता की सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट के लिए 14.97 करोड़ रुपए सहित कुल 197.87 करोड़ रुपए के कार्यों का शिलान्यास किया गया है।

विजय रूपाणी ने पाटण जिले में जलापूर्ति के 198 करोड़ के कार्यों का किया शिलान्यास
सीएम ने 25 करोड़ रुपए की लागत से बने अत्याधुनिक समरस हॉस्टल का किया लोकार्पण

क्रांति समय

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सार समाचार

बीएसएफ के महानिरीक्षक ने अंतरराष्ट्रीय सीमा पर सुरक्षा हालात के बारे में सिन्हो को दी जानकारी

जम्मू। सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) के महानिरीक्षक एन एस जमवाल ने जम्मू कश्मीर के उप राज्यपाल मनोज सिन्हा से बृहस्पतिवार को मुलाकात की और उन्हे अंतरराष्ट्रीय सीमा पर सुरक्षा स्थिति से अवगत कराया।अधिकारियों ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि अधिकारी ने उपराज्यपाल को पाकिस्तान से लगती सीमा पर खतरों के बारे में , चुनौतियों से निपटने के लिए बीएसएफ द्वारा उठाए जा रहे कदमों और सीमा सुरक्षा ग्रिड के बारे में जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि सीमाई इलाकों से जुड़े विभिन्न मुद्दों तथा सुचेतगढ़ और चामिलियाल को पर्यटक क्षेत्र के रूप में विकसित किए जाने पर भी चर्चा हुई। उन्होंने कहा कि जमवाल ने लोगों के लाभ के लिए बीएसएफ की चौकियों और अंतरराष्ट्रीय सीमा से लगे इलाकों के लिए सड़क संपर्क होने की भी बात कही। अधिकारी ने बताया कि उन्होंने सिन्हा को स्थानीय लोगों और बीएसएफ के जवानों से बातचीत के लिए सीमाई इलाकों की यात्रा करने का भी न्योता दिया।

'धर्म का अधिकार जीवन के अधिकार से ऊपर नहीं', जानिए ऐसा क्यों कहा कोर्ट ने

चेन्नई। मद्रास उच्च न्यायालय ने यह उल्लेख करते हुए कि धर्म का अधिकार जीवन के अधिकार से बड़ा नहीं है, राज्य सरकार को निर्देश दिया कि वह तमिलनाडु स्थित एक मंदिर में कोविड-19 प्रोटोकॉल से समझौता किए बिना धार्मिक रस्मों के आयोजन की संभावना तलाश करे। मुख्य न्यायाधीश संजीब बनर्जी ने बुधवार को एक जनहित याचिका पर सुनवाई करते हुए मौखिक रूप से टिप्पणी की, ''धार्मिक रीति-रिवाज जनहित तथा जीवन के अधिकार का विषय होने चाहिए।'' उन्होंने कहा, ''धर्म का अधिकार जीवन के अधिकार से बड़ा नहीं है...यदि सरकार को महामारी की स्थिति में कदम उठाने हैं...तो हम हस्तक्षेप नहीं चाहेंगे।'' न्यायमूर्ति बनर्जी और न्यायमूर्ति सेंथिलकुमार राममूर्ति की प्रथम पीठ ने राज्य सरकार को निर्देश दिया कि वह तिरुचिरापल्ली जिला स्थित श्रीरंगम रंगनाथस्वामी मंदिर में कोविड-19 प्रोटोकॉल और जनस्वास्थ्य से समझौता किए बिना उत्सवों और रस्मों के आयोजन की संभावना तलाश करे। अदालत ने सरकार को इस संबंध में धार्मिक नेताओं के साथ विमर्श करने तथा एक विस्तृत रिपोर्ट दायर करने का भी निर्देश दिया और मामले की सुनवाई छह सप्ताह के लिए स्थगित कर दी।

बदायूं गैंगरेप: नोएडा में मजिस्ट्रेट कार्यालय पर आम आदमी पार्टी का प्रदर्शन

नोएडा(उप्र)। उत्तर प्रदेश के बदायूं में एक महिला की कथित तौर पर सामूहिक बलात्कार के बाद हत्या की घटना के विरोध में आम आदमी पार्टी ने सेक्टर-19 स्थित सिटी मजिस्ट्रेट कार्यालय पर बृहस्पतिवार को प्रदर्शन किया।
आम आदमी पार्टी के दिल्ली के विधायक मदनलाल ने कहा कि बदायूं में महिला के साथ हुई घटना मानवता को शर्मसार करने वाली है और मामले की जानकारी होने के बाद भी पुलिस ने इस मामले में कार्रवाई करने के बजाए दो दिन तक घटना को छिपाए रखा। आप के जिलाध्यक्ष भूपेंद्र जादौन ने कहा कि बदायूं की घटना की उच्च स्तरीय जांच कराके दोषियों को कड़ी से कड़ी सजा दी जाए। विरोध प्रदर्शन में बड़ी संख्या में पार्टी कार्यकर्ता शामिल हुए।

शिवसेना ने राहुल गांधी की प्रशंसा की, कहा- 'दिल्ली के शासक' डरते हैं उनसे

मुंबई। शिवसेना ने नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार के खिलाफ खड़ा होने के लिए राहुल गांधी को योद्धा बताते हुए बृहस्पतिवार को कहा कि 'दिल्ली के शासक' कांग्रेस नेता से डरते हैं। शिवसेना के मुखपत्र 'सामना' में एक संपादकीय में कहा गया कि यह अच्छी बात है कि राहुल गांधी कांग्रेस अध्यक्ष बनने जा रहे हैं। संपादकीय में कहा गया, ''दिल्ली के शासकों को राहुल गांधी से डर लगता है। अगर ऐसा नहीं होता तो अनावश्यक गांधी परिवार को बदनाम करने की सरकारी मुहिम नहीं चलायी गयी होती।'

किसान आंदोलन पर सुप्रीम कोर्ट ने जताई चिंता, कहा- तबलीगी जमात जैसे हो सकते हैं हालात

नई दिल्ली। कृषि कानूनों के खिलाफ किसानों का आंदोलन जारी है। किसानों ने दिल्ली के चारों तरफ ट्रैक्टर मार्च निकाला। किसानों और सरकार के बीच 4 जनवरी को मीटिंग बेनतीजा रहा और अगली तारीख 8 जनवरी की तय हुई है। लेकिन अब किसान आंदोलन में कोरोना के हालात को लेकर सुप्रीम कोर्ट ने चिंता जाहिर की है। इसके साथ ही सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र सरकार से सवाल किया कि क्या किसानों को कोविड से बचाने के लिए क्या ऐहतियाती कदम उठाए गए हैं?
मुख्य न्यायाधीश एसए बोबडे ने कहा कि हमें नहीं पता कि किसान कोरोना से सुरक्षित हैं या नहीं। साथ ही सीजेआई ने पूछा कि क्या कोविड से बचाव के लिए गाइडलाइंस का पालन किया जाना सुनिश्चित किया जा रहा है या नहीं। अगर नियमों का पालन नहीं हुआ तो तबलीगी जमात जैसी परेशानी हो सकती है। सरकार को बड़े पैमाने पर होने वाले जमावड़े के लिए खास हिदायत जारी करनी चाहिए।

पीएम मोदी ने देश को दिया एक और तोहफा, कहा- सभी मोर्चों पर विकास के लिए तीन गुणा गति की आवश्यकता

नई दिल्ली। (एजेंसी)

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए वेस्टर्न डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर के 306 किलोमाटर लंबे रेवाड़ी-मदार खंड का लोकार्पण किया। वीडियो कांफ्रेंस के माध्यम से आयोजित एक समारोह में प्रधानमंत्री ने न्यू अटेली से न्यू किशनगढ़ के लिए विश्व के पहले डबल स्टैक लांग हॉल कंटेनर ट्रेन आपरेशंस(1.5 किलोमीटर लंबी कंटेनर ट्रेन) को हरी झंडी दिखाकर रवाना भी किया। इस अवसर पर मोदी ने कहा कि देश के इंफ्रास्ट्रक्चर को आधुनिक बनाने के लिए चल रहे महायज्ञ ने आज एक नई गति हासिल की है। बीते दिनों आधुनिक डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर के माध्यम से किसानों के खातों में सीधे 18,000 करोड़ रुपये से ज्यादा ट्रांसफर किए गये हैं। जब नए साल में देश का आगाज अच्छा है। तो आने वाला समय भी शानदार और जानदार होना तय है।

प्रधानमंत्री ने कहा कि इस गलियारे को अगले दशक में भारत के लिए गेमचेंजर के रूप में देखा जा रहा है। उन्होंने कहा कि पिछले पांच-छह सालों की कड़ी मेहनत का यह नतीजा है। मोदी ने कहा कि भारत को सभी मोर्चों पर विकास के लिए तीन गुणा गति की आवश्यकता है। आज का दिन NCR, हरियाणा और राजस्थान के किसानों, उद्यमियों, व्यापारियों के लिए नए अवसर लाया है। डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर चाहे ईस्टर्न हो या वेस्टर्न ये सिर्फ मालगाड़ियों के लिए आधुनिक रुट नहीं हैं। ये देश के तेज विकास के कॉरिडोर हैं। उन्होंने कहा कि आज भारत में इंफ्रास्ट्रक्चर का काम 2 पटरियों पर एकसाथ चल रहा है। एक पटरी Individual व्यक्ति के विकास को आगे बढ़ा रही है और दूसरी पटरी पर देश के Growth engine को नई ऊर्जा मिल रही है।

इस अवसर पर रेल मंत्री पीयूष गोयल, राजस्थान के राज्यपाल कलराज मिश्र और हरियाणा के राज्यपाल सत्यदेव नारायण आर्य के अलावा दोनों राज्यों के मुख्यमंत्री क्रमशः अशोक गहलोत और मनोहर लाल खट्टर उपस्थित थे। गोयल ने कहा कि लगभग 5,800 करोड़ रुपये की लागत से निर्मित न्यू रेवाड़ी-न्यू मदार खंड के शुरू हो जाने से हरियाणा के प्रसिद्ध ऑटोमोबाइल उद्योग, व राजस्थान के खनिज उद्योगों को एक बड़े राष्ट्रीय बाजार के साथ-साथ अंतरराष्ट्रीय बाजार भी उपलब्ध हो जायेगा न्यू रेवाड़ी-न्यू मदार सेक्शन का हिस्सा हरियाणा और राजस्थान दोनों में आता है। इस मार्ग पर न्यू रेवाड़ी, न्यू अटेली और न्यू फूलेरा जैसे तीन जंक्शन सहित नौ स्टेशन बनाए गए हैं। स्टेशनों में न्यू डाबला, न्यू भगेगा, न्यू श्री माधोपुर, न्यू पछार मालिकपुर, न्यू सकूल और न्यू किशनगढ़ शामिल हैं। इस नए मालवहन गलियारे के खुल जाने से राजस्थान और हरियाणा के रेवाडी-मानेसर, नारनौल, फूलेरा और किशनगढ़ में मौजूद विभिन्न औद्योगिक इकाइयों को फायदा पहुंचेगा।

पेट्रोल और डीजल की कीमतों में बढ़ोतरी को लेकर सोनिया गांधी ने केंद्र पर साधा निशाना

नई दिल्ली। (एजेंसी)।

कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी ने पेट्रोल और डीजल की कीमतों में बढ़ोतरी को लेकर बृहस्पतिवार को केंद्र सरकार पर निशाना साधा और कहा कि इन दोनों पेट्रोलियम उत्पादों पर उत्पाद शुल्क को कम करके संप्रग सरकार के समय की दरों के बराबर किया जाए ताकि देश के लोगों को राहत मिल सके। उन्होंने सरकार से एक फिर यह आग्रह किया कि तीनों केंद्रीय कृषि कानूनों को निरस्त करने की किसानों की मांग भी स्वीकार की जानी चाहिए।

सोनिया ने एक बयान में कहा, '' आजाद भारत के इतिहास में पहली बार देश आज एक दोराहे पर खड़ा है। एक ओर देश का अन्नदाता पिछले 44 दिनों से दिल्ली की सीमाओं पर अपनी जायज मांगों के समर्थन में डटा हुआ है, वहीं देश की निरंकुश, संवेदनहीन और निष्ठुर भाजपा सरकार गरीब किसान व मध्यम वर्ग की कमर तोड़ने में जुटी है।'' उन्होंने यह भी कहा, ''कोरोना की चौतरफ़ा मार से ध्वस्त अर्थव्यवस्था के बीच मोदी सरकार अपना ख़ज़ाना भरने के लिए आपदा को अवसर बनाने में लगी है। आज कच्चे तेल की कीमत 50.96 डॉलर प्रति बैरल है यानी मात्र 23.43 रुपये प्रति लीटर। इसके बावजूद डीजल 74.38 रुपये और पेट्रोल 84.20 रुपये प्रति लीटर में बेचा जा रहा है। ये पिछले 73 साल में सबसे अधिक है।'' कांग्रेस अध्यक्ष ने आरोप लगाया, ''अंतराष्ट्रीय बाज़ार में क़ीमतें कम होने के बावजूद सरकार ने आम उपभोक्ता को इसका लाभ देने की बजाय उत्पाद शुल्क में बेतहाशा बढ़ोतरी करके मुनाफ़ा वसूली के सारे रिकॉर्ड तोड़ दिए हैं। पिछले साढ़े छह सालों में मोदी सरकार ने उत्पाद शुल्क बढ़ा कर लगभग 19 लाख करोड़ आम जनता की जेब से वसूले हैं।'' सोनिया के मुताबिक, गैस सिलेंडर के दामों को भी भाजपा सरकार ने बेतहाशा बढ़ा हर घर का बजट बिगाड़ा है। उन्होंने कहा, ''मैं सरकार से मांग करती हूं कि वह पेट्रोल व डीज़ल पर उत्पाद शुल्क की दरें संप्रग सरकार के समान करे और त्रस्त जनता को तत्काल राहत प्रदान करे।'' उन्होंने यह भी कहा, ''मैं सरकार से तीनों खेती कानूनों को भी तत्काल रद्द करके किसानों की सभी मांगें पूरी करने का आग्रह करती हूं।''

गौरतलब है कि सार्वजनिक क्षेत्र की तेल कंपनियों द्वारा लगातार दूसरे दिन कीमतों में बढ़ोतरी करने के बाद राष्ट्रीय राजधानी में पेट्रोल की कीमत बृहस्पतिवार को 84.20 रुपये प्रति लीटर हो गई, जो अब तक का उच्चतम स्तर है। तेल विपणन कंपनियों की मूल्य अधिसूचना के अनुसार, बृहस्पतिवार को पेट्रोल की कीमत में 23 पैसे प्रति लीटर और डीजल की कीमत में 26 पैसे प्रति लीटर की बढ़ोतरी की गई। इस बढ़ोतरी के बाद दिल्ली में अब पेट्रोल की कीमत 84.20 रुपये प्रति लीटर और डीजल की कीमत 74.38 रुपये हो गई है। मुंबई में पेट्रोल 90.83 रुपये प्रति लीटर और डीजल 81.07 रुपये प्रति लीटर है।

महाराष्ट्र में नाम बदलने की राजनीति तेज, शिवसेना और कांग्रेस के बीच बढ़ सकती है दरार

नयी दिल्ली। (एजेंसी)।

महाराष्ट्र में औरंगाबाद के नाम बदलने को लेकर राजनीति अपने चरम पर है। शिवसेना जहां औरंगाबाद का नाम बदलकर संभाजी नगर करना चाहती है तो वहीं गठबंधन में शामिल कांग्रेस लगातार इसका विरोध कर रही है। हालांकि बुधवार को मुख्यमंत्री कार्यालय के आधिकारिक ट्विटर हैंडल पर पहली बार संभाजी नगर का जिक्र किया गया। माना जा रहा है कि इसके बाद कांग्रेस और शिवसेना के बीच दरारे बढ़ सकती हैं। जब से शिवसेना की ओर से औरंगाबाद का नाम बदलने के कोशिश तेज की गई है, कांग्रेस लगातार आपत्ति जता रही है। हालांकि अब तो मुख्यमंत्री कार्यालय की ओर से आ रहे बयानों में आधिकारिक तौर पर संभाजीनगर का जिक्र होने लगा है।

कांग्रेस के बड़े नेता और महाराष्ट्र सरकार में मंत्री बालासाहेब थोराट ने औरंगाबाद का नाम बदलने पर नाराजगी जताते हुए कहा कि किसी शहर का नाम बदलने को लेकर तीन पार्टियों की महा विकास आघाडी में कोई कॉमन मिनिमम प्रोग्राम नहीं था। उन्होंने साफ तौर पर कहा कि राज्य सरकार के इस फैसले का कांग्रेस लगातार विरोध करती रहेगी। मुख्यमंत्री कार्यालय के ट्विटर हैंडल से एक ट्वीट किया गया जिसमें लिखा हुआ था कि राज्य कैबिनेट ने संभाजी नगर के सरकारी मेडिकल और कैंसर हॉस्पिटल में 165 ने बेड्स तथा 360 नए पोस्ट को मंजूरी दे दी है। माना जा रहा है कि सीएमओ के इस ट्वीट के बाद कांग्रेस काफी नाराज भी है। एक ओर जहां शिवसेना गठबंधन में होने के कारण दबाव महसूस कर रही है तो वहीं दूसरी ओर भाजपा की ओर से औरंगाबाद का नाम बदलने को लेकर लगातार दबाव बनाया जा रहा है।

इन सबके बीच मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे ने औरंगाबाद हवाईअड्डे का नाम बदलकर छत्रपति संभाजी महाराज हवाईअड्डा रखने के संबंध में जल्द से जल्द अधिसूचना जारी करने की बुधवार को केंद्र से अनुरोध किया। ठाकरे ने इस मांग को लेकर नागर विमानन मंत्री हरदीप सिंह पुरी को पत्र लिखा है। मुख्यमंत्री ने पत्र में पुरी को औरंगाबाद हवाईअड्डे का नाम बदलकर छत्रपति संभाजी महाराज के नाम पर रखे जाने से संबंधित राज्य मंत्रिमंडल के फैसले से अवगत कराया। संभाजी, मराठा शासक छत्रपति शिवाजी महाराज के पुत्र थे। महाराष्ट्र में राकांपा और कांग्रेस के साथ गठबंधन सरकार में शामिल शिवसेना लंबे समय से औरंगाबाद शहर का नाम बदलकर संभाजी नगर रखने की मांग कर रही है।

गणतंत्र दिवस परेड का हिस्सा होंगे एनएसजी कमांडो, सीआरपीएफ की झांकी भी होगी शामिल

नयी दिल्ली। (एजेंसी)।

राष्ट्रीय राजधानी में इस बार गणतंत्र दिवस परेड में राष्ट्रीय सुरक्षा गार्ड (एनएसजी) के 'ब्लैक कैट' कमांडो के एक दस्ते के साथ ही देश के सबसे बड़े अर्धसैनिक बल सीआरपीएफ की झांकी भी नजर आएगी। आधिकारिक सूत्रों ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि कोरोना वायरस महामारी के कारण इस बार सीमित तरीके से आयोजित होने वाली 26 जनवरी की परेड में दिल्ली पुलिस और भारत-तिब्बत सीमा पुलिस के मार्चिंग और बैंड दस्तों के साथ ही सीमा सुरक्षा बल का ख्याति प्राप्त ऊंट सवार दस्ता भी नजर आएगा।

सूत्रों ने कहा कि 2017 में पहली बार राजपथ पर परेड में शामिल एनएसजी कमांडो इस बार फिर वापसी कर रहे हैं। अपनी काली पोशाक की वजह से 'ब्लैक कैट' कहे जाने वाले कमांडो एमपी-5 राइफल, कटार, रात में देखने में सक्षम चश्मों, बुलेट-प्रूफ जैकेट, अपहरण रोधी वैन 'शेरपा' समेत अपने अत्याधुनिक हथियार व साजोसामान के साथ नजर आएंगे। इस विशेष बल का गठन 1984 में देश भर में आतंकरोधी, अपहरण रोधी और बंधक मुक्ति अभियानों के लिये संघीय इकाई के तौर पर किया गया था। एनएसजी हर साल गणतंत्र दिवस समारोह के दौरान राजपथ और उसके आसपास के इलाकों में 'तात्कालिक बैकअप सहायता' के तहत सुरक्षा भी उपलब्ध कराता है।

सूत्रों के मुताबिक, केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) की झांकी में नक्सल विरोधी अभियान, जम्मू कश्मीर में अभियान और पूर्वोत्तर में उग्रवाद विरोधी अभियान के साथ ही वार्षिक अमरनाथ यात्रा के दौरान सुरक्षा उपलब्ध कराने जैसी कानून-व्यवस्था संबंधी उसकी विभिन्न भूमिकाओं को प्रदर्शित किया जाएगा। करीब 3.25 लाख कर्मियों वाले इस बल का देश में आंतरिक सुरक्षा बल के तौर पर विशिष्ट स्थान है और यह पहला मौका है जब परेड में बल की झांकी राजपथ पर नजर आएगी।

सूत्रों ने कहा कि सीमाओं की सुरक्षा में तैनात बीएसएफ का ऊंट सवार बैंड दस्ता परेड के दौरान अपनी रंगारंग वेशभूषा और सजेधजे ऊंटों के साथ राजपथ पर अपनी सुर-लहरियां बिखेरता हुआ गुजरेगा। 'रेगिस्तान के जहाज' का यह दस्ता सबसे पहले 1976 में गणतंत्र दिवस परेड का हिस्सा बना था। उससे पहले 1950 से सेना का ऐसा ही दस्ता परेड में शामिल होता था। बीएसएफ के इस दस्ते ने सेना की जगह ली। उन्होंने कहा कि चीन के साथ लगने वाली वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) की निगरानी की जिम्मेदारी संभालने वाले आईटीबीपी का मार्चिंग और बैंड दस्ता एक के बाद परेड में गुजरेगा। सूत्रों के मुताबिक इस बार कोविड-19 संबंधी दिशानिर्देशों के कारण परेड की अवधि तथा दर्शकों की संख्या में कमी की गई है।

हर्षवर्धन की स्वास्थ्य अधिकारियों को सलाह, टेस्टिंग से लेकर ट्रीटमेंट के कामों में नहीं आनी चाहिए कमी

नयी दिल्ली। (एजेंसी)।

केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री डॉ. हर्षवर्धन ने गुरुवार को सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के स्वास्थ्य मंत्रियों के साथ बैठक की। इस मौके पर उन्होंने बताया कि हमने सबसे पहले चार राज्य में ड्राई रन किया था उन चार राज्यों से मिले फीडबैक में हमने सुधार किए। अब 8 जनवरी को देशभर में ड्राई रन किया जाना है। बता दें कि उत्तर प्रदेश और हरियाणा को छोड़कर वैक्सीन का ड्राई रन देश के सभी जिलों में होगा। अधिकारियों ने बताया कि उत्तर प्रदेश के सभी जिलों में पांच जनवरी को वैक्सीन का ड्राई रन हो चुका है जबकि हरियाणा में गुरुवार को हो रहा है।

टेस्ट में नहीं हो कमी

इसी बीच उन्होंने स्वास्थ्य अधिकारियों को सलाह दी कि भले ही हम वैक्सीन के कामों में व्यस्त हो जाएं लेकिन टेस्टिंग की संख्या में कमी नहीं आनी चाहिए। स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि अभी कुछ दिनों में महाराष्ट्र, केरल, छत्तीसगढ़ में संक्रमितों के मामलों में अचानक वृद्धि आई है। इससे हमें चेतावनी मिलती है कि हम भले ही वैक्सीन के कामों में जुट जाए लेकिन टेस्टिंग से लेकर ट्रीटमेंट तक हमने जो काम मुस्तैदी से किया है उसमें कमी नहीं आनी चाहिए।

उपलब्ध होने वाली हैं दो वैक्सीन

समाचार एजेंसी एएनआई के मुताबिक, डॉ हर्षवर्धन ने बताया कि भारत की दो वैक्सीन- कोविशील्ड और कोवैक्सीन है, जो देश में उपलब्ध होने की स्थिति में आ गई हैं। हमारी कोशिश है कि इन वैक्सीन को हम सभी देशों में पहुंचा दें ताकि इन वैक्सीन को पहले फेस में लगाए जा रहे प्राथमिकता समूह को लगाया जा सके।

मुख्यमंत्री केजरीवाल ने ब्रिटेन की उड़ानों पर रोक को 31 जनवरी तक बढाने का आग्रह किया

नयी दिल्ली। (एजेंसी)।

दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने ब्रिटेन में कोविड-19 की ''अत्यंत गंभीर स्थिति'' के मद्देनजर बृहस्पतिवार को केंद्र से भारत और ब्रिटेन के बीच उड़ानों पर रोक को 31 जनवरी तक बढ़ाने का अनुरोध किया। केजरीवाल ने ट्वीट किया, ''केंद्र ने रोक हटाने और ब्रिटेन की उड़ानें शुरू करने का फैसला किया है। ब्रिटेन में अत्यंत गंभीर स्थिति के मद्देनजर मैं केंद्र सरकार से पाबंदी को 31 जनवरी तक बढ़ाने का अनुरोध करता हूं।'' मुख्यमंत्री ने कहा, ''कोविड-19 की स्थिति को नियंत्रित करने में लोगों को काफी मुश्किलें आयी है। ब्रिटेन में कोविड-19 की स्थिति बहुत गंभीर है। अब रोक क्यों हटायी जा रही है और हमारे लोगों को खतरे में क्यों डाला जा रहा है।'' ब्रिटेन में कोरोना वायरस के नए स्वरूप के मामले आने के बाद भारत ने दोनों देशों के बीच 23 दिसंबर से सात जनवरी तक सभी यात्री उड़ानों को स्थगित कर दिया था। राष्ट्रीय राजधानी में कोरोना वायरस के नए स्वरूप से संक्रमण के नौ मामले आ चुके हैं। ब्रिटेन से आए लोगों और उनके संपर्क में आने वालों की जांच में अब तक 66 लोग संक्रमित मिले हैं। अधिकतर को एलएनजेपी अस्पताल में पृथक-वास में रखा गया है। नागर विमानन मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने शनिवार को कहा था कि भारत से ब्रिटेन के बीच उड़ानें छह जनवरी से बहाल होंगी जबकि ब्रिटेन से भारत के लिए उड़ानों का संचालन आठ जनवरी से आरंभ होगा। पुरी ने ट्वीट किया था, ''हर सप्ताह 30 उड़ानों का परिचालन होगा। भारत और ब्रिटेन की 15-15 उड़ानें होंगी।

राम मंदिर भारत के स्वाभिमान और गौरव का प्रतीक होगा: आरएसएस

गांधीनगर। (एजेंसी)।

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) ने बृहस्पतिवार को कहा कि अयोध्या में बनने वाला राम मंदिर भारत के स्वाभिमान और गौरव का प्रतीक होगा तथा इसका भूमि-पूजन समारोह देश के इतिहास में एक महत्वपूर्ण मोड़ था। इसके साथ ही संघ ने कहा कि इस मंदिर निर्माण के लिए चंदा जुटाने की खातिर व्यापक जनसंपर्क कार्यक्रम शुरू किया जाएगा। संघ के एक शीर्ष नेता ने कहा कि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ पांच लाख गांवों के 10 करोड़ परिवारों से संपर्क कर मंदिर निर्माण के लिए चंदा जुटाएगा। यहां उवरसाड गांव में तीन दिवसीय चिंतन शिविर की समाप्ति के बाद संघ ने तीन क्षेत्रों पर अपना ध्यान केंद्रित करने का फैसला किया।

इनमें हिंदू पारिवारिक मूल्यों को बढ़ावा देने और पर्यावरण की रक्षा के साथ ही हिंदू समाज में जन्म, और जाति के कारण पैदा हुए मतभेदों को दूर कर सामजिक समरसता हासिल करना शामिल है। तीन दिवसीय यह बैठक पांच जनवरी को शुरू हुयी थी जिसमें मोहन भागवत और भैय्याजी जोशी जैसे शीर्ष नेताओं के अलावा भाजपा अध्यक्ष जे पी नड्डा और आरएसएस से संबद्ध लगभग 34 संगठनों के प्रमुखों ने भाग लिया। आरएसएस के सह सरकार्यवाह कृष्ण गोपाल ने बैठक के बारे में जानकारी देते हुए कहा, ' मंदिर देश के स्वाभिमान और गौरव का प्रतीक होगा।'' उन्होंने कहा, बैठक में मंदिर निर्माण के मुद्दों पर विस्तार से चर्चा की गई। उन्होंने कहा कि विहिप ने जनसंपर्क अभियान की योजना बनाई है और (बैठक में) यह निर्णय लिया गया कि संघ के सभी संगठनों के सदस्य पाँच लाख गाँवों और 10 करोड़ से अधिक परिवारों से संपर्क कर चंदा जुटाएंगे और उन्हें राम मंदिर के निर्माण से जोड़ेंगे।

कृष्ण गोपाल ने कहा कि चंदा लोगों की इच्छा पर निर्भर है लेकिन हम किसी व्यक्ति से कम से कम 10 रुपये और एक परिवार से 100 रुपये की उम्मीद करते हैं और जो अमीर हैं, वे अपनी इच्छा के अनुसार दान दे सकते हैं। आरएसएस नेता ने कहा कि बैठक में निकट भविष्य में तीन गतिविधियों पर ध्यान केंद्रित करने का फैसला किया गया। उन्होंने कहा कि कार्यकर्ताओं से समाजिक समरसता का संदेश फैलाने को कहा गया है। हर कोई एक है, हर कोई समान है। उन्होंने कहा, '' हमारे त्योहार हर किसी के लिए हैं, हमारे रीति-रिवाज हर किसी के लिए हैं, धार्मिक शिक्षाएं सभी के लिए हैं। हमें जाति, और जन्म के भेदों को दूर करना होगा।'' उन्होंने संकेत दिया कि आरएसएस हिंदू समाज में एकता लाना चाहता है। गोपाल ने कहा कि दूसरी गतिविधि हिंदू संस्कृति से प्रेरित पारिवारिक मूल्यों को बढ़ावा देना होगा।

उन्होंने कहा कि हमारे संज्ञान में आया है कि परिवार टूट रहे हैं। हम पारिवारिक मूल्यों को बढ़ावा देना चाहते हैं। तीसरी गतिविधि जिसे आरएसएस बड़े पैमाने पर शुरू करना चाहती है, वह पर्यावरण संरक्षण है। उन्होंने कहा कि आरएसएस का मानना है कि पर्यावरण के खराब होने से भविष्य में पानी की कमी सहित कई समस्याएं पैदा हो सकती हैं। केंद्र के नए

कृषि कानूनों के खिलाफ दिल्ली की सीमाओं पर किसानों के आंदोलन के बारे में पूछे गए एक प्रश्न के उत्तर में गोपाल ने कहा, किसानों और सरकार को बातचीत के जरिए कोई हल निकालना चाहिए।

बैठक में कोरोना वायरस महामारी के कारण देश में पैदा हुई स्थिति पर भी चर्चा हुई और स्वास्थ्य पेशेवरों सहित विभिनन कोविड योद्धाओं के प्रयासों की सराहना की गयी। उन्होंने कहा कि संघ परिवार के लगभग 150 शीर्ष नेताओं ने इसमें हिस्सा लिया और आरएसस से संबद्ध 34 संगठनों के कामकाज पर चर्चा हुयी।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौया द्वारा अष्ट विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर, सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत
गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/751000 (Subject to Surat jurisdiction)